RNI-MP/HIN/2005/14721
Po. Malwa Division/244/2020-2022
Dispatch Date - 02 February 2020

अंक - 8 (मासिक) वर्ष - 15 फरवरी, 2020 मूल्य 20/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

MAHESHWARI OF THE YEAR 2019

पुरुषोत्तम सोमानी
मरीजों के मसीहा

बजरंग बाहेती
समर्पित समाजसेवी

माहेश्वरी आफ द ईयर

राजेश राठी
फिल्म निर्देशक

हरिप्रकाश राठी
यथार्थ के लेखक

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा
सोमनाथ में सोहम-2020 सम्पन्न

प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित

बहुप्रतिक्षित श्री माहेश्वरी मेलापक 2020
वैवाहिक डायरेक्ट्री प्रकाशित

Visit us @ www.srimaheshwaritimes.com

RR KÄBEL

MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME

DO THE
AKALMAND
THING!

RR GLOBAL

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • F : +91 - 22 - 2491 2586 • E : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • F : +91 - 265 - 2321 894 • E : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

आदर्शों के लिए आदर्श पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-8 ▸▸ फरवरी, 2020 ▸▸ वर्ष-15

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्डा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री रामकुमार टावरी (नईदिल्ली)

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

अतिथि सम्पादक
डॉ. अनुराधा जाजू, (हैदराबाद)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे),
सांवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91101
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रकरणों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

बड़प्पन की विदुर-नीति

घर-परिवार, समाज या राष्ट्र में लोग जिसके नेतृत्व में रहकर कार्य करते हैं, उस नेता से सभी को अपेक्षा होती है कि वह बड़ा तो हो ही, मगर बड़प्पन भी रखे। इसलिए कि बड़ा बनना आसान है, बड़प्पन रखना कठिन है। पद पाना सरल है, मगर पद की अपेक्षित गरिमा के अनुरूप सभी के प्रति समान और निष्पक्ष व्यवहार करना ही असल चुनौती है, जो इस चुनौती से धर्मसम्मत नीतियों द्वारा आचरण कर पार पाते हैं, उन्हें यश मिलता है। अन्यथा वे धृतराष्ट्र की भाँति अपयश के भागी होते हैं।

महाभारत की कथा आपने सुनी ही है। धृतराष्ट्र शरीर से तो जन्मान्ध था ही, भाग्यवश पद पाकर मन से भी अंधा हो गया था। पुत्र और धन के मोह में हालत यह हुई कि वह घोर पक्षपाती हो गया। सही को सही और गलत को गलत मानना तो दूर वह अपने लोगों के गलत को भी सही साबित करने में जुटा रहा। महाकाव्य के उद्योग पर्व की कथा है कि वनवास पूरा होने के बाद भी जब दुर्योधन पांडवों को उनका न्यायोचित राज्यभाग देने को तैयार नहीं हुआ तब विदुरजी धृतराष्ट्र को समझाने पहुँचे। उद्योग पर्व के उपपर्व 'प्रजागर पर्व' के पूरे आठ अध्यायों में महात्मा विदुर के यही उपदेश हैं, जो संसार में 'विदुर-नीति' के नाम से प्रसिद्ध हैं।

कथा के अनुसार विदुर ने धृतराष्ट्र से कहा कि पांडव भी आपके अपने हैं। दुर्योधन की तुलना में वे अधिक योग्य भी हैं और धन के मामले में दीन अर्थात् गरीब हैं, जो योग्य है, पात्र है, निर्धन या कमजोर हैं, राजा को सबसे पहले उनका हित करना चाहिए, न कि मोह में पड़कर अयोग्य और बलवानों की हाँ में हाँ मिलाना चाहिए। इसलिए कि यदि पद पर बैठा व्यक्ति इस प्रकार का आचरण करता है, तो कुल ही नहीं समूचे जाति भाइयों के भी विनाश का निमित्त बनता है।

अद्भुत वचन हैं! विदुर बोले, 'भरतश्रेष्ठ! मुझे आप अपना हितैषी समझें। तात! शुभ चाहने वाले को अपने जाति भाइयों के साथ झगड़ा नहीं करना चाहिए, बल्कि सबके साथ मिलकर सुख का उपभोग करना चाहिए। जाति भाइयों के साथ परस्पर भोजन, बातचीत एवं प्रेम करना ही 'राजा' का कर्तव्य है। उनके साथ कभी विरोध नहीं करना चाहिए।' और यह भी कि...

ज्ञातयस्तारयन्तीह ज्ञातयो मज्जयन्ति च।
सुवृत्तास्तारयन्तीह दुर्वृत्ता मज्जयन्ति च॥

अर्थात् 'इस जगत में जाति भाई ही तारते हैं और जाति भाई ही डुबोते भी हैं। उनमें जो सदाचारी हैं, वे तारते हैं और जो दुराचारी हैं वे डुबो देते हैं।'

मत भूलिए! धृतराष्ट्र ने महान विदुर के इस हितोपदेश को सुनकर भी अनसुना कर दिया। यहाँ तक कि उसे हस्तिनापुर से निकाल दिया था। परिणाम क्या हुआ, कुल तो नष्ट हुआ ही, जाति भाई भी पक्षपात, अहंकार, लोभ और मोह में मर मिटे। जो जाति की महाभारत से बचना चाहते हैं, उन्हें विदुर नीति सदैव स्मरण रखना चाहिए।

• डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

यह ठान लेने वाले लोग

जी, हां! मैं बात कर रहा हूँ, उन लोगों की, जिन्हें इस साल का श्री माहेश्वरी ऑफ द ईयर अवार्ड देने के लिए चुना गया है। बहुत सोचने के बाद भी मस्तिष्क में उनके बारे में यही पांच शब्द गूंजते रहे। उनके कृतित्व के आगे हालांकि कोई भी अवार्ड छोटा ही है। वे अपने संकल्पों को लेकर इतना आगे बढ़ चुके हैं कि अब उन्हें किसी तमगे की जरूरत नहीं। अब वे खुद अपने आपमें अवार्ड हैं। श्री माहेश्वरी टाइम्स इन चारों विभूतियों को अपनी परम्परानुसार ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर'' पुरस्कार अर्पित कर गौरवान्वित महसूस करती है।

दवाईयों के दाम ९० फीसदी तक गिरा देने का हौसला दिखाने वाले पुरूषोत्तम सोमानी के आगे मानवता नतमस्तक है। भारत जैसे अविकसित देश में जहां अब भी ८० फीसदी आबादी गांवों, कस्बों में रहती है और चिकित्सा के बारे में जिनका ज्ञान शून्य है, दवाओं के बारे में उनकी इतनी ही समझ है कि डॉक्टर द्वारा दिया पर्चा मेडिकल स्टोर पर ले जाना और पैसे चुका कर उन दवाओं को अस्पताल में लाकर देना ही उनका काम है। वे कभी यह जानने की कोशिश नहीं करते कि लिखी गई दवा उनके मरीज के लिये कितनी जरूरी है और न मेडिकल स्टोर वाले द्वारा मांगी गई कीमत पर सवाल उठाते हैं कि क्या वास्तव में उस दवा की इतनी कीमत है? डॉक्टर मेडिकल स्टोर और मरीज के इस त्रिकोण में अब तक जेब कटने को मजबूर रहने वाले मरीज के परिजनों को श्री सोमानी के पुरूषार्थ ने जो राहत दी है, वह स्तुत्य है। इससे इलाज का खर्च कुछ नहीं बहुत कुछ हल्का हुआ है। सरकार ने इनके इस प्रयास को जन औषधि केंद्र खोलकर जन-जन तक पहुंचाया। अब एक जरूरत यह है कि श्री माहेश्वरी समाज अपने शहर, कस्बे, ग्राम में इसका फायदा मरीज तक पहुंचाने में मददगार बनें। इसमें वे अन्य समाजों की भी मदद ले सकते हैं। श्री सोमानी ने दवाओं की कीमत कम करने का ठाना और उसमें सफल हुए। इस अंक में राजेश राठी, बजरंग बाहेती, हरिप्रकाश राठी की भी सफलता की कहानियां आपके लिए प्रस्तुत हैं। यह वे लोग हैं जिन्होंने जो ठाना उसे पाया। हमारे लिए सीख यही है कि जो तय कर लिया, उसे पाकर रहें, इसके लिए हर संभव प्रयास करें। जब हम संघर्ष को बीच में छोड़ कर रास्ता बदल लेते हैं, तो सफलता की संभावनाएं खत्म हो जाती हैं। अधिकांश असफल लोगों की यही कहानी है और सभी सफल लोगों की भी यही कि वे वापस नहीं लौटे। सफलता ठान लेने वाले लोगों की ही जागीर है। श्री माहेश्वरी टाइम्स परिवार इन्हें माहेश्वरी आफ द ईयर अवार्ड का ऐलान कर सेल्यूट ठोकता है। उनके जज्बे को, संघर्ष को और समर्थन को।

इस अंक में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के 11वें सत्र के समापन समारोह सोहम 2020 की रपट भी प्रस्तुत है। कल्पना गगडानी ने समय के देवता कहे जाने वाले महाकालेश्वर के आंगन से अपने कार्यकाल की शुरूआत की थी और समापन सोमनाथ के आंगन में किया। महाकाल वह स्थान है जहां मुगल ने हमला तो किया लेकिन सफल नहीं हुआ। सोमनाथ वह स्थान है, जिसने अपने वैभव को दोबारा प्राप्त किया। संदेश यही है कि हमारे भीतर यदि संकल्प है तो हमें परास्त नहीं किया जा सकता। यह भावना ही उत्तरोत्तर प्रगति की सीढ़ी है। महिला संगठन के बीते कार्यकाल की सफलताओं के आगे अब 'आशा' का नया संसार है। उनके लिए हमारी शुभकामनाएं। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक सभा के प्रदेश मुख्यालय के निर्माण की शुरूआत भी अध्यक्ष ओमप्रकाश भराणी के संकल्प का ही परिणाम है। इस कड़ी में समाज के उन चार नौनिहालों को भी राष्ट्रपति अवार्ड मिलने पर बधाई, जिन्होंने साबित किया कि माहेश्वरी समाज अपनी नींव से ही मजबूत है।

यह अंक महिलाओं को समर्पित है। इस अंक में स्थायी स्तंभों के साथ वह सब समाविष्ट करने का प्रयास किया है जिसकी आपको अपेक्षा रहती है। अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया हमें भेजना न भूलें।

पुष्कर बाहेती

सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

हैदराबाद निवासी डॉ. अनुराधा जाजू का जन्म सन् 1978 में वाराणसी के प्रतिष्ठित मंत्री परिवार में हुआ था। हैदराबाद निवासी अरुणकुमार जाजू के साथ वर्ष 2003 में विवाह के बाद उनका कर्म क्षेत्र हैदराबाद हो गया। पर्यावरण विज्ञान में पीएचडी उपाधि प्राप्त श्रीमती जाजू की पहचान समाज में एक प्रेरक वक्ता, लेखिका, संपादिका तथा समाजसेवी के रूप में है। जीवन कौशल, व्यावसायिक जीवन और घरेलू जीवन में संतुलन, महिला सशक्तीकरण आदि जैसे विषयों पर विभिन्न संस्थाओं द्वारा आपको प्रेरक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया जाता है। आपके आलेख कई पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं तथा आप एक पत्रिका का संपादन भी कर रही हैं। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की साहित्यिक समिति की संयोजिका भी हैं। उनके इन योगदानों के लिए नीति आयोग की संस्था 'महिला प्रशिक्षण संस्थान' द्वारा उन्हें वर्ष 2019 में 'फेस ऑफ द ईयर अवॉर्ड' से भी सम्मानित किया गया है। व्यावसायिक क्षेत्र में डॉ. जाजू ने पति के साथ मिलकर 'प्राईम वर्ल्ड' की स्थापना की, जो अमेरिका के डॉक्टरों व अस्पतालों के लिए 'डॉटा इनक्रिप्शन' का कार्य करती है। इसके लिए उन्होंने अमेरिका से 'कोडिंग एंड बिलिंग' तथा हैदराबाद से 'इंटरप्रैन्योर मैनेजमेंट' में डिप्लोमा किया। वर्तमान में देश के लिए 'ईगल डॉटा सॉल्युशन्स' नामक उद्यम की स्थापना की है। बैंगलोर से 'साइकोलॉजिकल काउंसलिंग' का प्रशिक्षण व मनोविज्ञान में डिग्री प्राप्त कर डॉ. जाजू 'टॉक-एन-शेयर' नाम से सलाहकार केंद्र का संचालन भी कर रही हैं। आपको संगीत से भी बहुत प्रेम है और वे स्वयं एक मधुर गायिका भी हैं।

सम्यक् सोच, सुदूर दृष्टि, सुदृढ़ कार्य

सृजन और विकास, सृष्टि के दो ऐसे नियम हैं, जिनका अस्तित्व स्त्री तत्व की सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं है। किसी भी समाज में पुरुष के बराबर नारी का योगदान समाज के सर्वांगीण उत्थान के लिए न केवल अपेक्षित है, अपितु अनिवार्य भी है। मुझे गर्व है कि अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन अपने प्रयासों और कार्यों से समाज के सर्वांगीण विकास और उन्नति में तन-मन-धन के साथ-साथ अपनी दूरदर्शिता से संपूर्ण योगदान दे रहा है। संगठन की बैठकों में प्रत्येक सत्र स्वयं के लिए कुछ उद्देश्य निर्धारित करता है और उन्हें पूरा कर अगले सत्र का मार्ग प्रशस्त करता है। अपने एकादश सत्र में अन्य उद्देश्यों के साथ हम भी एक वैचारिक क्रांति के उद्देश्य को लेकर आगे बढ़े थे। सम्यक् सोच और सुदूर दृष्टि को रखते हुए हमने समाज की इस तरंग को समझा और महिला उद्यमिता को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया।

मेरा ऐसा सोचना है कि समाज के अपने हित में नारी के विचारों को समाज की भूमि पर सुदृढ़ आधार मिलना अत्यंत आवश्यक है। जो है, जैसा है चलने दें। इस तरह की सोच लेकर समाज का चलना अब संभव नहीं रहा। शिक्षा ने हमारी जिज्ञासा के पंख खोले, हमारे ज्ञान का दायरा बढ़ाया और अंधविश्वास से हमें मुक्ति प्रदान की। धर्म, विश्वास, कर्मकांडों, रिवाजों का जो ह्रास समाज के लिए चिंता का विषय होता जा रहा है, उस पर आधुनिक दृष्टि से मनन किया और नई पीढ़ी को इन सबको तार्किक तरीके से और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाने का प्रयास प्रारंभ किया और सफलता भी मिली है।

रिश्तों में बढ़ती दूरी, आधुनिक जीवन शैली के कारण चुनौती बनता जा रहा बच्चों का पालन, समाज के मूल अंग 'घर गृहस्थी' की विषमताओं आदि गंभीर समस्याओं पर सभी को सही दिशा देने का प्रयास, विचारों के मंथन से ही संभव है। समाज को नारी सशक्तीकरण का सही अर्थ समझाना भी आवश्यक है। कई बार हम सशक्तीकरण व उच्छृंखलता में अंतर नहीं कर पाते हैं और वहीं पर संतुलन बिगड़ जाता है, जो प्रगति में बाधक बनता है। पुरुष और स्त्री बराबर हैं इसलिए अवसरवादिता में भी समाज में दोनों को बराबर का अवसर प्राप्त होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्यवश कहीं-कहीं सशक्तीकरण के असंतुलन के कारण परिवारों का विघटन भी होने लगा है। इसलिए समय है, सही और उचित मार्गदर्शन का, जिसे अपने प्रेरक व्याख्यानों के माध्यम से मैंने खुद भी देने का प्रयास किया है।

सुलोचना, सीता, द्रौपदी, मीरा जैसी विदुषियों वाले देश को एक बार फिर जरूरत है, एक ऐसे ही प्रेरणादायक मनन-चिंतन की, जो उस सकारात्मक वैचारिक क्रांति को आगे बढ़ाए जिसकी अलख महिला संगठन अपने एकादश सत्र में जलाकर द्वादश सत्र के सुयोग्य मजबूत हाथों में सौंप चुका है। मेरा ऐसा मानना है कि उपलब्धियों से भरे एकादश सत्र के इंद्रधनुषी आसमान को अब युवा शक्ति के असीम रंगों से रंगने की आवश्यकता है। अक्सर नई पीढ़ी समाज से जुड़ने की बजाय यह कहती मिलती है कि समाज को बदलाव की आवश्यकता है। युवा वर्ग किसी भी समाज के वो पंख होते हैं, जिनका खुलना क्षितिज की ऊंचाई को प्राप्त करने के लिए आवश्यक होता है। अतः अपनी लेखनी के माध्यम से मैं युवाओं का आह्वान करती हूं कि वह आगे आएं, समाज से जुड़े क्योंकि यदि आप परिवर्तन चाहते हैं, तो परिवर्तन का हिस्सा बनिए तभी अपेक्षित बदलाव संभव है। आप साथ हैं, तो सब संभव है। अनुभव की मजबूत जड़ों को यदि आपके लक्ष्यों की धूप दी जाएगी और आपकी कर्मभूमि मिलेगी, तभी समाजरूपी वृक्ष सकारात्मक ऊर्जा के साथ पल्लवित होगा।

अंत में मैं समाजजनों एवं सुधी पाठकों को सादर नमन करते हुए यही कहना चाहूंगी कि समाज के सभी अंगों के स्वस्थ विकास से ही समाज का संपूर्ण विकास संभव है। अतः अपने-अपने स्तर पर सब लोग सम्मिलित प्रयास करें क्योंकि सभी के प्रयास अपने महत्वपूर्ण योगदान रखते हैं। तो आइये बढ़ाएं एक कदम समाज के लिए।

डॉ. अनुराधा जाजू
अतिथि सम्पादक

श्री जीवण माताजी (चोखड़ा)

टीम SMT

श्री जीवण माता माहेश्वरी समाज के चोखड़ा खाँप की कुल देवी हैं।

जोधपुर के निकट मण्डोरा कस्बे की जूनी बस्ती में श्री जीवन माताजी का मन्दिर राजस्थान में सम्पक भवन मार्ग पर श्री जैन श्वेताम्बर खतर गच्छ आदेश्वर जिनालय व शाही मस्जिद के पास स्थित है। वैसे तो मन्दिर का स्थापत्यकाल जोधपुर रियासत की एक समय राजधनी रही मण्डोर में किले के निर्माण काल से ही गोड़कर माना जाता है किन्तु पूर्ण खण्डहर हो चुके मन्दिर का विधिवत जिर्णोद्धार 8-9 वर्ष पूर्व सन् 2000 में सामाजिक मित्रों के साथ अनोपचारिक बैठक में बैठे श्री भवनेश माथुर, जोधपुर की आयान की जागी चेतना के फलस्वरूप प्रस्तुत प्रस्ताव की परिणति में तत्काल बनी योजना व उसी समय एकत्रित 61 हजार की सहयोग राशि से प्रारंभ हुआ। अन्य निर्माण अभी चल रहा है।

पूजा व आरती

मन्दिर का समस्त कार्य संचालन कायस्थ समाज की बनी समिति की सम्मति से 90 वर्षीय गीता बाई चौधरी अपनी दोहित्री व सुपौत्री पूनम चौधरी के सहयोग से सम्पन्न करती है।गंगा बाई दोनों समय प्रातः संध्या आरती व पूजन पूर्ण लगन से करती है। इससे पूर्व पूनम चंदजी माथुर यह सेवा कार्य करते थे।

उत्सव आयोजन

अक्षय तृतीया के पश्चात की पंचमी (इस वर्ष 29 अप्रेल 09) को स्थापना दिवस पर विशाल पाटोत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है, विशाल भण्डारा भी होता है। इसी प्रकार होली के बाद की पंचमी (इस बार एक मार्च 09) को फागोत्सव भी अच्छे स्तर पर मनाया जाता है। दोनों (शारदीय व चौथी) नवरात्र को सत्संग, भजन, किर्तन व भोग आदि नौ दिनों तक होता है, माँ को सभी मिष्ठान का भोग लगाया जा सकता है। चमत्कारों की श्रंखला पूर्ण विश्वास से की गई मनौतियां सदैव फलीभूत हुई है। प्रारंभिक उत्सव पर अत्यन्त छोटे पैमाने पर माय 50 भक्तों के लिये तैयार की गई प्रसादी को 150 से अधिक भक्तों ने ग्रहण कर लाभ लिया एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का अनचाहा स्थानान्तर बच्चों की शिक्षा व पारिवारिक प्रतिकूलताओं के कारण नियुक्त स्थल पर जाने से पूर्व माँ से विनती कर मनौती की व केवल 15 मिनीट के अन्तराल से ही स्थानान्तर स्थागित हो जाने के समाचार का चमत्कार हुवा। चिकित्सकों ने अपनी रिपोर्ट में सन्तान सुख भाग्य में नहीं होने लिखा किन्तु माँ की कृपा व मनौती से एक वर्ष में ही सन्तान को गोदी में खिलाया ऐसे कई चमत्कारों की क्रमबद्ध श्रंखला सी है। बेंगलुर के एक माहेश्वरी परिवार प्रतिवर्ष मनौती सिद्ध होने से नियम पूर्वक आते हैं।

कैसे पहुंचें

जोधपुर प्रत्येक प्रमुख शहर से रेल, बस व हवाई सेवा से जुड़ा हुवा है। जोधपुर उत्तर पश्चिम रेलवे का महत्वपूर्ण जंक्शन भी है। रेलवे स्टेशन के ठीक सामने वाले मार्ग पर स्थित राज रणछोड़ राय मन्दिर के यहाँ से नगर सेवा की बस प्रति 5 मिनटों के अन्तराल से उपलब्ध होती है। 10 कि.मी. की दूरी 15 मिनीटों में तय कर मण्डोर के बस स्टेण्ड पर उतर कर वहाँ से केवल 5 मिनीट की पैदल दूरी पर माँ का मन्दिर है।

कहाँ ठहरें

मंदिर परिसर में दो हॉल व सुलभ सुविधाएं हैं। सम्पन्न स्तर की सुविधाए 10 कि.मी. दूर जोधपुर में आसानी से उपलब्ध हो जाती है। स्टेशन के सामने सेठ रघुनाथ धर्मशाला सफाई व अन्य कारणों से श्रेष्ठ मानी जाती है।

सम्पर्क

मन्दिर परिसर - 0291-2529014 (गंगाबाई)

श्री भवनेश माथुर - 098298-14822 व 0291-2757927

विशेष व अतिरिक्त जानकारी के लिये

प्रहलाद मण्डोवरा 23, तेजानगर अखण्ड क्र. एक रतलाम

फोन- 07412-265159 मो. 093290-32320

जानकारी प्रषित करें

माहेश्वरी समाज की दरक खाँप की कुलदेवी "मूषा माताजी" की जानकारी आमंत्रित है। जो भी सम्माननीय समाजजन इनकी जानकारी रखते हो वे फोटो सहित जानकारी प्रेषित करें। प्रेषक के नाम व फोटो सहित जानकारी प्रकाशित की जाऐगी और यथायोग्य सम्मानित किया जाऐगा।

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का आयोजन महिलाओं ने दिखाए प्रतिभा के जलवे

सोमनाथ में आयोजित हुआ सोहम् 2020

सोमनाथ. गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन के संयोजन में अभा माहेश्वरी महिला संगठन के वर्तमान एकादश सत्र के त्रिदिवसीय सत्रांत समारोह 'सोहम 2020' का आयोजन 4 से 6 जनवरी तक प्रथम ज्योर्तिलिंग सोमनाथ में हुआ। इसके द्वारा देश के कोने-कोने से आई महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का आयोजन मंच के माध्यम से जमकर प्रदर्शन किया।

प्रथम दिवस को कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उद्घाटनकर्ता एवं अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में आदित्य बिड़ला ग्रुप की चेयरपर्सन पद्मविभूषण राजश्री बिड़ला ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। अध्यक्षता संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. कल्पना गगडानी ने की। स्वागत अध्यक्ष त्रिभुवन काबरा (चेयरमैन आरआर ग्लोबल) थे। मुख्य अतिथि आनंद राठी (मुंबई), रामअवतार जाजू (इंदौर), राधेश्याम जाजू (सूरत), रामरतन भूतड़ा (सूरत), लता मोहता (हिंगनघाट) एवं विशेष अतिथि रत्नीदेवी काबरा (संरक्षक), आशा माहेश्वरी (राष्ट्रीय महामंत्री) एवं सुशीला काबरा (राष्ट्रीय निवर्तमान अध्यक्ष) थीं। सम्मानीय अतिथि के रूप में गुजरात प्रदेशाध्यक्ष गजानन राठी एवं सोमनाथ ट्रस्ट के ट्रस्टी जेडी परमार उपस्थित थे। श्रीमती बिड़ला के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलित से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित समाजजनों को उन्होंने मार्गदर्शक उद्बोधन दिया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, विमला साबू व शोभा सादानी विशेष रूप से उपस्थित थीं।

शुभारंभ में भी संस्कृति के रंग

उद्घाटन सत्र में महेश वंदना मनमोहक क्लासिकल नृत्य द्वारा छोटा उदेपुर की महिलाओं ने प्रस्तुत की। अहमदाबाद की महिलाओं ने सुंदर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। एकादश सत्र में संपन्न हुए सभी कार्यक्रम पीपीटी प्रेजेंटेशन द्वारा प्रस्तुत किए गए। सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान स्टॉल एवं स्मृति भेंट प्रदान कर किया गया। गुजरात प्रांतीय अध्यक्षा उमा जाजू ने स्वागत उद्गार प्रगट किए। स्वागत अध्यक्ष विभुवन काबरा ने स्वागत उद्बोधन दिया। श्रीमती बिड़ला के कर कमलों से सज्जन पत्रिका 'सर्वार्थ' के आवरण पृष्ठ का विमोचन किया गया। जीवन गौरव सम्मान से पूर्व अध्यक्ष लता लाहोटी को सम्मानित किया गया। लता लाहोटी का 'अभिनंदन पत्र' सुशीला काबरा ने पढ़कर सुनाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी ने, उज्जैन में संकल्प से लेकर उसकी 'सोहम' में हो रही पूर्णाहुति तक के सफर में मिले सभी के साथ व सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। सभी अतिथियों ने भी अपने उद्बोधन में ग्यारहवें सत्र में संपन्न हुए कार्यों एवं सोहम 2020 के भव्य आयोजन की सराहना की। आभार राष्ट्रीय महामंत्री आशा माहेश्वरी ने प्रकट किया।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन

सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों के कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण द्वारा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का शुभारंभ हुआ। गायत्री आगाल ने सुमधुर स्वर में महेश वंदना का गायन किया। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की

ओर से सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सम्मान मोती-स्टॉल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर किया गया। बैठक में सर्वप्रथम दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी गई फिर गत बैठक के मिनट्स पास करवाए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गगड़ानी ने ग्यारहवें सत्र के कार्यों की पूरी जानकारी दी। कोषाध्यक्ष ने आय व्यय व ट्रस्ट की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर सुरभि समिति द्वारा प्रकाशित 'गणगौर गीत' पुस्तक का विमोचन किया गया। एकादश सत्र के सभी प्रदेशाध्यक्ष, सचिव, समिति प्रभारी, संयोजिकाओं को ट्रॉफी प्रदानकर सम्मानित किया गया। नए सत्र के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व सचिव का माला पहनाकर स्वागत भी किया गया तथा अन्य पदाधिकारियों की घोषणा कर उनको भी सम्मानित किया गया।

रंगारंग कार्यक्रमों ने मोहा मन

ध्वजारोहण - 5 जनवरी को सुबह ध्वजारोहन कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ। माहेश्वरी अतिथि भवन से सोमनाथ मंदिर तक बैंडबाजों एवं भजन कीर्तन के साथ ध्वजा की शोभायात्रा निकाली गई। सभी महिलाओं ने श्रद्धा से ध्वजा को सर पर रखकर मंदिर तक जाकर बड़े भक्ति भाव के साथ पूजन व आरती कर ध्वजारोहण किया गया।

लाइट एंड साउंड शो-गुजरात प्रांत की ओर से यह आयोजन कार्यक्रम में आए सभी अतिथि एवं सदस्यों के लिए सोमनाथ मंदिर में रखा गया, जिसे देखकर सबको सोमनाथ का महत्व एवं इतिहास जानने को मिला।

रास गरबा-मुख्य अतिथि महेश लड्ढा (वडोदरा), ओमप्रकाश काबरा (मोरबी), अनिल सोमानी (अहमदाबाद), सुनील गिगल (वडोदरा) की उपस्थिति में इसका रास गरबा आयोजन हुआ। इसमें गुजरात के पारंपरिक परिधान से सजकर समाजजनों एवं महिलाओं ने लाइव आर्केस्ट्रा के साथ गरबा का खूब आनंद लिया जिसमें अहमदाबाद, सूरत एवं भरूच की महिलाओं ने गरबा की विशेष प्रस्तुति दी।

योगदानों का प्रदर्शन-मुख्य अतिथि गोविंद माहेश्वरी (कोटा), गजानन राठी (सूरत), मनोज काबरा (वापी) की उपस्थिति में यह आयोजन संपन्न हुआ। इसके अंतर्गत एकादश सत्र की ग्यारह समितियों में जो

कार्य हुए उसका पूरा विवरण पावर पाइंट प्रेजेंटेशन द्वारा समिति प्रभारी व संयोजिकाओं द्वारा आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

मेरा आंचल लुभावना, लगे सबको सुहावना- श्यामसुंदर राठी (आणंद), नटवरलाल सारडा (अहमदाबाद), हरीश लखोटिया (अहमदाबाद) की उपस्थिति में इसका आयोजन हुआ। इसके अंतर्गत पांच अंचल ने अपने-अपने आंचल में आने वाले प्रदेश की संपूर्ण जानकारी, जिसमें रहन-सहन, ऐतिहासिक महत्व, परंपरा, संस्कृति, लोकनृत्य, परिधान, खानपान, औद्योगिक एवं कृषि विकास आदि बहुत ही मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत किए।

मस्ती की पाठशाला- इसमें कार्यक्रम में आईं सभी सदस्याओं को एक बहुत ही मनोरंजक गेम बॉलीवुड थीम पर आधारित म्यूजिकल तंबोला एलईडी स्क्रीन पर से खिलाया गया। इसका सभी ने मस्ती के साथ खूब आनंद लिया।

प्रतियोगिताओं में दिखा प्रतिभा

शिवालय ज्योतिर्लिंग की रचनात्मक झांकी बनाओ- इसमें 5 महिलाओं ने मिलकर एक हर आंचल से 2 या 3 झांकी, इस तरह 12 ज्योतिर्लिंग की रचनात्मक झांकियां बनाईं। इसमें प्रथम मध्यांचल (छग), द्वितीय दक्षिणांचल (तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश) तथा तृतीय दक्षिणांचल (महाराष्ट्र) रहे।

शिवार्थ गायन प्रतियोगिता- इसमें शिव तांडव, रुद्राष्टकम, शिव विवाह, शिव चालीसा आदि की सामूहिक गायन द्वारा सभी आंचल ने प्रस्तुति दी। इसमें प्रथम दक्षिणांचल (शिव तांडव), द्वितीय उत्तरांचल (शिव विवाह) तथा तृतीय मध्यांचल (रुद्राष्टकम) रहे।

समुज्जवला-(नृत्य नाटिका)- इसमें हर एक आंचल द्वारा विशिष्ट नारी पात्र-जैसे सीता, द्रौपदी, यशोधरा, मीरा आदि के चरित्र को नृत्य नाटिका द्वारा दर्शाया गया। इसमें प्रथम दक्षिणांचल (यशोधरा), द्वितीय मध्यांचल (द्रौपदी), तृतीय उत्तरांचल (सीता) तथा चतुर्थ पश्चिमांचल (मीरा) है।

सार्थक वाद-विवाद प्रतियोगिता- मुख्य अतिथि मधुदेवी राठी, जेतपुरा व अनिता जावंधिया बनखेड़ी की उपस्थिति में आयोजित इस प्रतियोगिता में हर एक प्रदेश को अलग-अलग विषय दिए गए। हर एक

वक्ता ने अपने-अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए दिए गए विषय पर पक्ष या विपक्ष में अपने विचार रखे। इसमें पक्ष में प्रथम द्वितीय शुभ्रा चांडक (भत्र), द्वितीय अमिता मूंदड़ा (छग) व तृतीय रोहिता माहेश्वरी (कोटा) रहीं। सांत्वना पुरस्कार रेणु सारडा (आंध्रप्रदेश) व प्रभा जाजू (दिल्ली प्रदेश) को मिले। विपक्ष में प्रथम शीतल समदानी (गुजरात), द्वितीय नीलम सारडा (तमिलनाडु) तथा तृतीय शोभा माहेश्वरी (पश्चिमी उत्तरप्रदेश) रहीं। सांत्वना पुरस्कार प्रीति मालीवाल (पश्चिमी उत्तरप्रदेश) व सीमा झंवर को मिले।

पुरस्कार-सम्मान से समापन

अंत में आयोजित समापन समारोह में 'सोहम 2020' में आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में विजेता रही महिलाओं को ट्रॉफी व पुरस्कार से नवाजा गया। इस आयोजन को सफल करने में योगदान देने वाली सभी कार्यकर्ता व महिलाओं को एवं सहयोगकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। गुजरात प्रांतीय सचिव उमा काबरा ने सभी का आभार व्यक्त किया। सामूहिक राष्ट्रगान गाकर सभा समाप्त हुई। इस संपूर्ण आयोजन में चाय, नाश्ता, भोजन, हाईटी एवं रात्रि भोजन की व्यवस्था मूलचंद गट्टानी (पोरबंदर) की टीम ने सुचारु रूप से संभाली थी।

यह तो उपलब्धियों का उत्सव : श्रीमती बिड़ला

श्रीमती बिड़ला ने वर्तमान सत्र में महिला संगठन द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मैं इस शुभ दिन को, उन उपलब्धियों के उत्सव के रूप में देखती हूं, जिसे हमारे महिला समाज ने हासिल किया है। आपने सभी जरूरतमंदों के बीच अपने बहुआयामी कार्यों से, भारत और दुनिया भर में, अपनी छाप छोड़ी है। मैं कल्पना जी मगरानी से अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की गतिविधियों के बारे में सुनकर बहुत ज्यादा प्रभावित हुई। मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि महेश नवमी पर, माहेश्वरी महिलाओं ने 30 लाख गिलास घर के बने शरबत का वितरण किया। इसी तरह, महिला स्वच्छता की ओर, भारत और नेपाल में '1800 सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीनें' स्थापित की। आप सब अपने देश के, भीतरी इलाकों में महिला शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और पर्यावरण देखभाल के क्षेत्र में भी सेवा दे रही हैं, वो वाकई सराहनीय है। इन सबसे महत्वपूर्ण जिस तरह से आप सभी, हमारी महान परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों से युवा वर्ग को जोड़ने का प्रयास करती हैं, वह सबसे सराहनीय है। जिस तरह से माहेश्वरी बंधितों का जीवन स्तर सम्मानजक बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं, इससे उन्हें बहुत आत्मसंतुष्टि मिलेगी। श्रीमती बिड़ला ने अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए सफलता के चार सूत्र बताए हैं परपस अर्थात उद्देश्य, पेशन अर्थात जुनून, पर्सिटेन्स अर्थात दृढ़ता, पेशेंस अर्थात धीरज। बिना उद्देश्य के जीवन एक बहती बीज है। यह पतवार के बिना एक जहाज की तरह है। वर्तमान दौर में बिखरते रिश्तों की स्थिति पर उन्होंने कहा कि मैंने कई रिश्तों में, मैनेज करने या तोड़ने, की निरंतर दुविधा देखी है। महिलाएं शादी करती हैं और शादी से बहुत जल्दी दूर हो जाती हैं। पति-पत्नी के रिश्ते में कई बार ऐसा होता है, जब वे दोनों बेहद विपरीत दृष्टिकोण रखते हैं। मेरा मानना है कि हम सभी को रिश्तों को जारी रखने के लिए काम करना है, ताकि पति-पत्नी एक साथ रहें, एक दूसरे को समझें और अपने रिश्तों की बारीकियों को पहचानें। रिश्ते अगर संवेदनशील तरीके से नहीं संभाले जाते हैं, तो अधिकतम तनाव होता है। भावना को सही प्रक्रिया में रखने की क्षमता महत्वपूर्ण है।

द्वादश सत्र में नेतृत्व रहेगा इनके हाथ...

आशा माहेश्वरी
अध्यक्ष

मंजू बागड़
महामंत्री

ज्योति राठी
कोषाध्यक्ष

शीला कलंत्री
संगठन मंत्री

मधु बाहेती
कार्यालय मंत्री

मंजू कोठारी
उपाध्यक्ष पूर्वांचल

ममता मोदानी
उपाध्यक्ष पश्चिमांचल

मंगल मर्दा
उपाध्यक्ष मध्यांचल

किरण लड्ढा
उपाध्यक्ष उत्तरांचल

कलावती जाजू
उपाध्यक्ष दक्षिणांचल

गिरजा सारड़ा
संयुक्त मंत्री पूर्वांचल

सविता पटवारी
संयुक्त मंत्री पश्चिमांचल

उषा करवा
संयुक्त मंत्री मध्यांचल

शशि नेवर
संयुक्त मंत्री उत्तरांचल

पुष्पा तोषनीवाल
संयुक्त मंत्री दक्षिणांचल

महाकाल जल से लिये 'संकल्प' की पूर्णाहुति सोमनाथ के 'सोहम' में

6 जनवरी 2020 की सुबह अ.भा.मा. महिला संगठन के लिये अतिविशिष्ट थी। यह ग्यारहवें सत्र का अंतिम दिन था एवं अगला सूरज बारहवें सत्र का आगाज करने जा रहा था। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी ने भगवान महाकाल के प्रांगण में सूर्यदेव की साक्षी में महाकाल कुंड के जल से सेवा संकल्प लेकर अपने कार्यकाल की शुरुआत की थी। अब इस संकल्प की पूर्णाहुति भी सूर्यदेव की साक्षी में ज्योतिर्लिंग सोमनाथ में ध्वजा चढ़ाकर सोहम के माध्यम से की गई। अध्यक्ष कल्पना गगडानी ने अपने जीवन के श्रेष्ठतम, सफलतम, सृजनतम आठ वर्ष बाबा महाकाल की नगरी में बिताए हैं। अपने रोल मॉडल 'भगवान कृष्ण' की ज्ञान नगरी उज्जयिनी जहां सांदीपनि गुरु के आश्रम में भगवान ने अपने मानवी रूप में शिक्षा प्राप्त की थी। वे मानती हैं कि कितना बड़ा सौभाग्य है कि उसी उज्जयिनी नगरी में उन्होंने अपने जीवन के विशिष्ट आठ वर्ष बिताएं। बीए, एमए, एलएलबी, पीएचडी की पढ़ाई जहां एक ओर इस नगरी में पूरी की, वहीं दूसरी ओर कला संस्कृति, नाट्य की शिक्षा भी कालिदास की इस महान सांस्कृतिक नगरी से मिली। नेतृत्व की क्षमता भी तो यहीं पाई। गर्ल्स डिग्री कॉलेज के तीन वर्षों में यूनियन के भिन्न-भिन्न पदों पर रहते हुए एम.ए. फाइनल में परम्परा को तोड़ विक्रम युनिवर्सिटी में पहली महिला युनिवर्सिटी प्रेसिडेंट बनीं। यूथ फेस्टिवल के सफल एवं भव्य आयोजनों की नींव यहीं से पड़ी। इस सर्वांगीण शिक्षा-व्यक्तित्व विकास के इतने अधिक अवसरों का ही परिणाम था कि बत्तीस वर्षों तक मुंबई में एक ओर सफल अध्यापन कार्य किया तो दूसरी ओर अनेकों सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्य किये। कालिदास समारोह एवं उज्जैन कॉलेज में 'भाषण प्रतियोगिता' के अनुभव ने सफल व्यवसायी 'व मोटिवेशनल स्पीकर' बना दिया।

बाबा के आशीर्वाद से बने दो विश्व रिकॉर्ड

श्रीमती गगडानी का कहना है कि माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष का पद भार जब मिला तो श्री माहेश्वरी टाईम्स की पहल पर नये पद का भार 'संकल्प' के साथ प्रारंभ किया बाबा महाकाल की उसी नगरी में, बाबा के प्रांगण से और बाबा के आशीर्वाद ने कार्यों को दिया ऐसा अंजाम कि इतिहास रच गया। बाबा के आशीर्वाद से दो-दो विश्व रिकॉर्ड बन गये। उज्जैन के पुराने साथियों, गुरुओं के आशीर्वाद और शुभकामनाओं से हर क्षेत्र में विजय पताका लहराई। इस सत्र में 'संकल्प', 'सान्निध्य', 'संवर्धन', 'सद्भाव', 'सुमिरन', 'समिधा', 'सोहम' आदि बैठकों का आयोजन हुआ। विशिष्ट कार्यक्रमों में 'सुदर्शन' बृजमंडल यात्रा, 'उर्जिता' स्पोर्ट्स मीट, 'इंडिया हॉट' वृहद उद्योग मेला, सिद्धि एक प्रसिद्धि प्रकल्प- (वर्ल्ड रिकॉर्ड), सप्तपदी-सामूहिक विवाह, संपदा-आरोग्य धन संपदा (पांच दिवसीय स्वास्थ्य शिविर), सांगरिका-क्रूज यात्रा- (सात दिवसीय), समाधान एक पहल-पेड वेंडिंग मशीन इंस्टालेशन (वर्ल्ड रिकॉर्ड), समिधा- एक शक्ति यज्ञ- (यूथ फेस्टिवल), स्वप्न दृष्टा-स्टार्टअप योजना का आयोजन हुआ। विभिन्न गतिविधियों के सफल संचालन के लिए सुश्रीता, सुकीर्ति, सुगंधा, सुचिता, सुरभि, सुलेखा, सुषमा, सौष्ठा, संचारिका सुरम्या व संवरणा आदि समिति का गठन किया गया। सभी अंचलों एवं प्रदेशों ने भरपूर सहयोग दिया। सहस्रों नए लोग जुड़े। सबके हिलमिल का कार्य करने का परिणाम था इतनी अधिक उपलब्धियां।

सबका आभार। आभार। आभार...।

'नुमाइश' में लगा महेश बैंक का स्टॉल

हैदराबाद. महेश बैंक अपनी सक्षम कार्यप्रणाली और स्टॉफ की समर्पित सेवाओं के बल पर छोटे, मझौले उद्योग की तरक्की में और छोटे डिपाजिटरों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में बहुत उपयोगी भूमिका निभा रहा है। उपरोक्त विचार तेलंगाना पुलिस में ट्रैफिक विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त अनिल कुमार ने 'नुमाईश मैदान' में स्टॉल का शुभारंभ करते समय व्यक्त किए। शुभारंभ अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त पी. करुणाकर एवं ए. भास्कर, महेश बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा, चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग एवं वाइस चेयरमैन रामपाल अट्ठल भी उपस्थित थे। चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि हैदराबाद में केवल 2200 सदस्यों एवं 4.40 लाख की शेयर पूंजी के साथ तुलसी के छोटे से पौधे के रूप में रोपा गया, महेश बैंक आज चार प्रदेशों में अपनी 45 शाखाओं के साथ वटवृक्ष के रूप में परिवर्तित होकर अपने सदस्यों एवं सम्मानित ग्राहकों को बड़े व्यावसायिक बैंकों के समान हर बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करवा रहा है। इस अवसर पर बैंक के निदेशक ओमप्रकाश जाखोटिया, बृजगोपाल असावा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी उमेशचंद असावा, उपमहाप्रबंधक अजीत वर्मा के साथ बैंक के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

संतुलित आहार से कम किया जा सकता है तनाव को : माहेश्वरी

उज्जैन. परीक्षाओं के दौरान प्रायः विद्यार्थी अत्यधिक तनाव में रहते हैं। यदि कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो परीक्षाओं के दौरान होने वाले तनाव को दूर किया जा सकता है। संतुलित आहार हमारे तनाव को कम करने में बहुत ही महत्वपूर्ण है। लगातार अध्ययन के बीच लिए गए ब्रेक के दौरान आप कोई टीवी सीरियल भी देखें तो वह गंभीर नहीं बल्कि हास्य प्रधान होना चाहिए। यह बात डॉ. श्रीमित माहेश्वरी ने रेडियो दस्तक 90.8 एफएम द्वारा भारतीय महाविद्यालय में आयोजित तनाव प्रबंधन सेमिनार में कही। अतिथि स्वागत प्राचार्य डॉ. नीलम महाडिक एवं एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. गिरीश पंड्या ने किया। संचालन प्रो. दृष्टि चावड़ा ने किया।

नेत्रदानी श्रीमती सुशीलादेवी बहेड़िया

बूंदी. माहेश्वरी बूंदी में नेत्रदान की गति बढ़ने लगी है। जिले में अब तक कुल 21 जोड़ी नेत्रदान हुए हैं। इनमें से 12 जोड़ी माहेश्वरी समाज से हैं। इसी शृंखला में शहर के प्रमुख चावल व्यवसायी मोहनलाल बहेड़िया ने 19 जनवरी को पत्नी सुशीलादेवी बहेड़िया का 64 वर्ष की अवस्था में आकस्मिक निधन होने पर उनका नेत्रदान कराया। आप अपने परिवार में पति और पुत्र मुकेश व मनोज बहेड़िया का शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

महक 'मूंधड़ा पुरस्कार' से सम्मानित

बीकानेर. माहेश्वरी समाज के सेठ गिरधरदास जगमोहनदास मूंधड़ा परिवार की ओर से बीकानेर जिलास्तरीय मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह के 35वें पुरस्कार-सम्मान समारोह में चांदरतन राठी की पौत्री व मनोज-रश्मि राठी की पुत्री महक राठी को सेकंडरी परीक्षा में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर सेठ गिरधरदास जगमोहनदास 'मूंधड़ा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

नगर सभा के चुनाव संपन्न

मंदसौर. नगर माहेश्वरी समाज के चुनाव पिछले दिनों श्री माहेश्वरी भवन मंदसौर में जिला समाज द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक की देखरेख में निर्विरोध संपन्न हुए। रमेशचंद्र सोढ़ानी अध्यक्ष, गोपाल पसारी सचिव एवं सुरेश सोमानी कोषाध्यक्ष चुने गए।

'संघर्ष' प्रकृति का 'आमन्त्रण' है।
जो स्वीकार करता है वही आगे बढ़ता है...

आप पढ़-लिख गए तो इसका अर्थ यह नहीं कि
आप अपने पूर्वजों को मूर्ख समझें,
आने वाली पीढ़ी आपको भी
मूर्ख समझने की परम्परा दोहरायेगी।

समाज की चार बाल प्रतिभाएं राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित

समाज के चार प्रतिभावान बच्चों ने गत दिनों आयोजित 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' समारोह में महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के करकमलों से यह पुरस्कार प्राप्त किया। ये बच्चे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिले और 26 जनवरी के आयोजन में भी शामिल हुए।

अनमोल राठी

रायपुर. समाज सदस्य इंद्रगोपाल राठी के सुपुत्र अनमोल राठी ने अपने इनोवेटिव टैलेंट का लोहा मनवाया है। उल्लेखनीय है कि विगत 16 से 21 जून तक न्यूयार्क के अस्विगो सिटी में हुए इंटरनेशनल जीनियस ओलंपियाड में अनमोल ने अपने पार्टनर हर्ष अग्रवाल के साथ पार्टिसिपेट किया। भारत से 5 टीमों ने पार्टिसिपेट किया था। इसमें केवल रायपुर की इस टीम को साइंस मॉडल कैटेगिरी में गोल्ड मेडल मिला। इन्होंने पैंक्रिएटिक कैंसर डिटेक्ट करने के लिए मॉडल बनाया। इस डिवाइस के जरिये पहली बार टेस्टिंग किट में सलाइवा का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे पूर्व भी वे कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

चिराग पलौड़

पुणे। अद्भुत और अद्वितीय प्रतिभा के धनी चिराग पलौड़ ने इंटरनेशनल ऑलम्पियाड ऑन एस्ट्रोनामी व एस्ट्रो फिजिक्स में दो स्वर्ण पदक जीतकर और अमेरिकन मैथेमेटिक्स प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर संपूर्ण भारतवर्ष का नाम रोशन किया। इसके फलस्वरूप शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए उनको माननीय राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित किया गया। चिराग पलौड़ रैनवाल निवासी तथा हाल में पूना प्रवासी सॉफ्टवेयर डिवलपमेंट मैनेजर पवन पलौड़ तथा पूजा देवी के सुपुत्र और कोलकाता निवासी बालकृष्ण पलोड़ के पौत्र हैं।

दर्श मालानी

सिकंदराबाद निवासी अंजलि व आदित्य मालानी के सुपुत्र 11 वर्षीय दर्श अंतरराष्ट्रीय जादूगर के रूप में प्रख्यात हैं। वे देश व विदेश में कई शो कर चुके हैं। उन्हें माहेश्वरी महासभा के जोधपुर अधिवेशन में तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनविश व महासभा सभापति श्याम सोनी द्वारा भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा कई रिकॉर्ड दर्ज करवा चुके हैं व कई पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

देवेश भैया

जलगांव। समाज सदस्य पंकज भैया के सुपुत्र देवेश भैया को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के अंतर्गत बाल शक्ति पुरस्कार 2020 से गत 22 जनवरी को माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अंतर्गत उन्हें 1 लाख रुपए नकद, एक टेबलेट, मेडल व प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया।

चुनरी उत्सव का किया आयोजन

इंदौर. धनुर्मास एवं संक्रांति का पर्व धार्मिक आयोजन के लिए विशेष महत्व वाला होता है। इसके अंतर्गत माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल द्वारा एक भव्य चुनरी उत्सव का आयोजन महाकाल की नगरी उज्जैन में पवित्र क्षिप्रा नदी के रामघाट तट पर किया गया। अध्यक्ष डॉ. वीणा सोनी एवं सचिव आशा सिंगी ने बताया कि संस्था द्वारा आयोजित चुनरी उत्सव में करीब 70 महिलाओं ने भाग लिया। भगवान चिंतामन गणेश के दर्शन व महाकाल के दर्शन कर मां क्षिप्रा को करीब 70 लाल चुनरी अर्पित कर इस आयोजन को संपन्न किया गया। कार्यक्रम की मुख्य यजमान ज्योति झंवर, रमा चौधरी एवं डॉ. किरण पोरवाल थीं। संयोजक मीना मानधन्या एवं अन्नपूर्णा मूंदड़ा ने सितारों जड़ी चुनरी तैयार करवाकर भव्य शोभायात्रा के साथ कार्यक्रम का आगाज किया। मधु सोनी एवं सुषमा सोनी ने नदियों की महत्ता बताई। आभार संस्थापक अध्यक्ष मंजू भलिका एवं उपाध्यक्ष सुषमा मालू ने माना।

राठी बने राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री

रायपुर. समाजसेवी नारायण राठी को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 29वें सत्र में महामंत्री कार्यालय में संयुक्त मंत्री मनोनीत किया गया। इस मनोनयन पर रामरतन मूंधड़ा, सुरेश मूंधड़ा, विट्ठल भूतड़ा, संपत काबरा, डॉ. सतीश राठी, सूरजप्रकाश राठी, प्रकाश माहेश्वरी, कमल राठी, ज्योति राठी, अजय सारडा आदि सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया।

जिसे जीना आता है
वह बिना किसी सुविधा के भी खुश मिलेगा,
जिसे जीना नहीं आता
वह सुविधाओं के होते भी दुःखी मिलेगा!

मकर संक्रांति पर निराश्रित सेवा

लखनऊ. मकर संक्रांति पर्व पर माहेश्वरी महिला मंडल के सौजन्य से लीलावती मुंशी बालिका अनाथाश्रम में 60 बालिकाएं एवं वृद्ध महिलाओं को मोजे व टावेल आदि भेंट किए गए। दोपहर का नाश्ता भी करवाया गया। इसमें पुष्पा गट्टानी, नीता सादानी, आभा काबरा, मधु तोषनीवाल, सुषमा, चिशा, शारदा, अनीता, निर्मला लोया आदि का सहयोग रहा।

रंगारंग कार्यक्रमों का चला दौर

पुरुलिया. माहेश्वरी महिला समिति (अंतर्गत पश्चिम बंगाल माहेश्वरी महिला संगठन) द्वारा 27 से 28 दिसंबर तक मास्टर शेफ प्रतियोगिता रखी गई। इस प्रतियोगिता की निर्णायक 'अभिलाषा चांडक' थीं। 6 जनवरी को रंजू मोहता द्वारा घेवर क्लास आयोजित की गई। 8 जनवरी को टॉटिया बगान में 30 महिलाओं ने मिलकर पिकनिक आयोजित किया। इसमें पश्चिम बंगाल की सचिव कृष्णा पेड़ीवाल भी उपस्थित थीं।

हिमांशु को प्रथम पुरस्कार

राजनांदगांव. हिमांशु राठी (कोरर) ने राष्ट्रीय ब्रेनहंट प्रतियोगिता में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कोरर जैसा ग्रामीण इलाका जहां की कुल आबादी लगभग 10 हजार से भी कम व एकमात्र माहेश्वरी परिवार निवासरत है, वहां से वे अपनी काबिलियत के दम पर 'बिट्स पिलानी' की दुबई शाखा में अध्ययनरत हैं। उन्होंने दुबई से इस प्रतियोगिता में भाग लिया। हिमांशु प्रदेश सभा संगठन मंत्री नंदकिशोर राठी के छोटे भाई राजकुमार राठी के सुपुत्र हैं।

दयालुता से व्यवहार करें, प्यार से बात करें और नम्रता से काम करें, तो सब कुछ अच्छा हो जाएगा।

'ब्रेनहंट' का हुआ आयोजन

राजनांदगांव. राष्ट्रीय ऑनलाइन क्वीज 'ब्रेनहंट' सफलतापूर्वक आयोजित हुई। संगठन के युवा साथी स्व. श्री दिनेश लड्ढा की पुण्य स्मृति में आयोजित इस राष्ट्रीय ऑनलाइन क्वीज 'ब्रेनहंट' में हजारों की संख्या में समाज के छात्र-छात्राओं, युवा साथियों व समाजबंधुओं की सहभागिता रही। राष्ट्रीय प्रभारी सर्वेश्वर खाबाणी ने बताया कि इसमें ग्रुप ए कक्षा पांचवीं से आठवीं, ग्रुप बी कक्षा नौवीं से 12वीं, ग्रुप सी में 12वीं से 40 वर्ष तक के कुल प्रथम 30 टॉपर्स का चयन किया गया। इनमें से चयनितों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार : 21000, द्वितीय 11000, तृतीय 5100, चतुर्थ एवं पंचम पुरस्कार 2100 रुपए प्रत्येक, षष्ठम से दशम पुरस्कार में स्मृति चिह्न तथा ग्यारहवें से तीसवें तक सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे। इस स्पर्धा में राजकुमार काल्या राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रवीण सोमानी राष्ट्रीय महामंत्री का मार्गदर्शन रहा।

शिर्डी में आयोजित हुआ हेड़ा महासम्मेलन

नाडियाद के प्रहलाद हेड़ा होंगे अखिल भारतीय हेड़ा संगठन के नए अध्यक्ष
डॉ. प्रकाश हेड़ा 'हेड़ा रत्न' और सहषकरण हेड़ा 'हेड़ा गौरव' से सम्मानित

शिर्डी (महाराष्ट्र). अखिल भारतीय हेड़ा (माहेश्वरी) संगठन के नेतृत्व में देश-विदेश में बसे हेड़ा परिवारों का द्वितीय द्विवार्षिक महासम्मेलन गत 4-5 जनवरी को शिर्डी के साईं पालकी परिसर में आयोजित हुआ। इस आयोजन में संगठन की नई टीम का सबकी सहमति से चुनाव हुआ और 2022 के अगले महासम्मेलन के लिए गुजरात प्रदेश की दावेदारी पर मुहर लगाई गई। सम्मेलन में देश-विदेश से आए 1000 से अधिक सदस्य शामिल थे।

संगठन को एकसूत्र में बांधने में जुटे महासचिव डॉ. जीएल हेड़ा ने बताया कि इस आयोजन में संगठन की नई टीम का सबकी सहमति से चयन हुआ। इसमें वर्ष 2022 के अगले महासम्मेलन के लिए गुजरात प्रदेश की टीम की एक स्वर और एक जैसी वेशभूषा में आकर की गई दावेदारी पर सहमति से मुहर लगाई गई। आयोजन में वृहद हेड़ा परिवार के सभी बंधुओं में अद्भुत प्रेम देखने को मिला। जहां अन्य संगठनों में पद हासिल करने हेतु प्रतिस्पर्धा होती है, वहीं हेड़ा संगठन में पद प्राप्ति की प्रतिस्पर्धा नहीं होती, बल्कि यहां तो पद लेने के लिए मनुहार करनी पड़ती है। यह आयोजन इसलिए भी विशेष रहा कि वाशिम के नगर अध्यक्ष और वरिष्ठ शिवसेना नेता अशोक हेड़ा ने दो वर्ष पहले पुष्कर के प्रथम सम्मेलन में इस आयोजन की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेने का बीड़ा उठा लिया था।

राष्ट्रहित में माहेश्वरी सबसे आगे

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मारवाड़ रत्न रामकुमार भूतड़ा ने इस अवसर पर अपने प्रभावी भाषण में देश में माहेश्वरी समाज की भागीदारी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि धर्म हो या राष्ट्रहित का कोई कर्म, माहेश्वरी बंधु सबसे आगे रहता है। उन्होंने हेड़ा संगठन से भी प्रेरक कार्य करने का आह्वान किया। श्री भूतड़ा जब मंच से बोल रहे थे तो वे बुखार से पीड़ित थे, लेकिन इसके बावजूद समाज को दिशा देने के हेड़ा संगठन के निमंत्रण को शिरोधार्य करते हुए उन्होंने अपनी पीड़ा को दबाए रखा। श्री भूतड़ा की इस कर्त्तव्य भावना की पूरे संगठन ने भरपूर प्रशंसा की।

अब प्रहलाद हेड़ा संभालेंगे संगठन

हेड़ा संगठन के अध्यक्ष भागीरथ हेड़ा ने बताया कि संगठन के नए अध्यक्ष प्रहलाद हेड़ा (नाडियाद, गुजरात), महासचिव डॉ जीएल हेड़ा (दिल्ली), कोषाध्यक्ष तुलसीराम हेड़ा (सूरत), संगठन मंत्री केदार हेड़ा (इंदौर), सचिव संदीप हेड़ा (जोधपुर), प्रचार मंत्री के रूप में कमलेश हेड़ा (दैनिक भास्कर, भोपाल) को चुना गया। नए अध्यक्ष को पदभार सौंपते हुए भागीरथ हेड़ा ने संगठन के निर्माण से लेकर इसके विस्तार की यात्रा को बड़े रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। महिला टीम का नेतृत्व फिर से

जमुना जी को ही सौंपा गया है। कार्यभार सौंपते हुए भागीरथ जी ने सभी से आह्वान किया कि हमें अपने कार्यों से संपूर्ण माहेश्वरी समाज को सक्षमता और शक्ति प्रदान करनी है। हेड़ा परिवार के बच्चे जो सिविल सर्विस में जाना चाहते हों उन्हें माहेश्वरी समाज और हेड़ा संगठन से पूरी आवश्यक मदद की जाएगी, साथ ही संगठन बच्चों के सगाई-ब्याह के संबंध में भी सभी के सहयोग से टीम बनाकर कार्य करेगा। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष प्रहलादजी ने भी अपनी बात रखी और सबको साथ लेकर संगठन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

डॉ. प्रकाश हेड़ा को 'हेड़ा रत्न' और सहषकरण हेड़ा को 'हेड़ा गौरव'

महासचिव डॉ जीएल हेड़ा ने बताया कि नैरोबी (केन्या) के समाजसेवी और केन्या सरकार के सलाहकार आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. प्रकाश हेड़ा को संगठन के सर्वोच्च सम्मान 'हेड़ा रत्न' और किशनगढ़ (राजस्थान) के समाजसेवी सहषकरण हेड़ा को 'हेड़ा गौरव' से सम्मानित किया गया। आयोजन में समाज की विभिन्न प्रतिभाओं व वरिष्ठजनों का भी विशेष सम्मान किया गया। संगठन ने देश-विदेश में बसे हेड़ा परिवारों की एक विस्तृत परिचय पुस्तिका तैयार की है और इसके प्रारूप का विमोचन भी इस आयोजन में किया गया। इसे बनाने में डॉ. लालचंद हेड़ा (ब्यावर) की भूमिका प्रशंसनीय है।

देशभर के हेड़ा परिवार शामिल

हेड़ा संगठन के अध्यक्ष भागीरथ हेड़ा ने बताया कि वर्ष 2018 में पुष्कर में पहला सम्मेलन आयोजित हुआ था और उसी में शिर्डी सम्मेलन की सहमति बन गई थी। यही कारण था कि इस बार सम्मेलन में रिकॉर्ड 1000 से अधिक सदस्य शामिल हुए। इनमें विदेश से आए परिवार भी शामिल थे। भागीरथजी के नेतृत्व में तीन विशेष बसें तीन ज्योर्तिलिंगों के दर्शन करते हुए राजस्थान से पहुंचीं। वहीं, व्हाट्सऐप के माध्यम से महासचिव जीएल हेड़ा व महाराष्ट्र के बंधुओं के प्रयासों से देशभर के हेड़ा परिवारों को लगभग हर रोज आने के लिए प्रेरित करना प्रभावी रहा। आयोजन में पहले दिन सुशील बजाज की भजन संध्या ने खूब अच्छा माहौल बनाया और सभी ने नाचते-गाते अपनी भागीदारी बढ़ाई। रंगोली प्रतियोगिता, भाषण और लकी ड्रॉ जैसे आयोजनों ने सभी को आपस में मिलाने का प्रेरक कार्य किया। सभी बंधुओं ने त्र्यंबकेश्वर भगवान, शणि शिंगणापुर, साईंबाबा के दर्शन किए और परिवार की उन्नति के साथ संगठन को मजबूत बनाने का आशीर्वाद प्राप्त किया।

टीम वर्क ने सफल और यादगार बनाया आयोजन

आयोजन को सफल बनाने में वाशिम के नगर अध्यक्ष और शिवसेना के वरिष्ठ नेता अशोक हेड़ा और उनकी टीम केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में विगत तीन महीनों से जुटी थी। वाशिम, मानोरा, अमरावती, वेवला, अनसिंग, भुसावल, अकोला, मालेगांव, शाहपुरा समेत राजस्थान व गुजरात के हेड़ा बंधुओं ने आयोजन के लिए समय, संसाधन और अर्थशक्ति प्रदान की। आयोजन को सफल बनाने में वाशिम के नगर अध्यक्ष अशोक हेड़ा, गोपाल हेड़ा मानोरा, कालूराम हेड़ा नडियाद, महिला अध्यक्ष जमुना हेड़ा (कोलकाता), रामानुज हेड़ा वेवला, गोविंद हेड़ा, मयूर हेड़ा, राहुल हेड़ा, डॉ. रमण हेड़ा, सुनीता हेड़ा मानोरा, सुनीता हेड़ा जोधपुर, रितिका हेड़ा भुसावल, अंजली हेड़ा मालेगांव, कमलेश हेड़ा भोपाल व पूरी टीम का विशेष योगदान रहा।

पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा माहेश्वरी समाज का देश में प्रथम ऐसा प्रादेशिक संगठन होगा, जिसका अपना मुख्यालय होगा। प्रदेश संगठन ने मुख्यालय भवन निर्माण के भूमिपूजन के साथ अपनी इस योजना को कार्यरूप देना प्रारंभ कर दिया।

पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक सभा भवन का भूमिपूजन

घाटाबिल्लोद में होगा निर्माण, रहेगा देश का प्रथम प्रादेशिक मुख्यालय

घाटाबिल्लोद. आपके संकल्प समाज के हित एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिए गए हैं, जिन पर आप अपना फोकस रखे। आज समय की यही मांग है कि हम समाज की आवश्यकता अनुसार योजना बनाएं और उन्हें समाजहित को देखते हुए पूर्ण करें। उक्त विचार पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा 26 जनवरी 2020 को घाटाबिल्लोद पर आयोजित प्रथम कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल मीटिंग व 'प्रादेशिक मुख्यालय' के निर्माण हेतु भूमिपूजन एवं 'प्रादेशिक कार्यालय' के लोकार्पण समारोह के अवसर पर मुख्यअतिथि श्यामसुंदर सोनी, सभापति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा ने व्यक्त किए।

प्रदेश सभा लिख रही इतिहास

समारोह की अध्यक्षता करते हुए राजकुमार काल्या राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन ने सभी को बधाई देते हुवे कहा कि आज प्रादेशिक सभा ने इतिहास लिख दिया। भारतवर्ष में पहला प्रदेश होने का गौरव हासिल कर लिया, जिसका स्वयं का मुख्यालय होगा एवं भव्य इमारत हेतु भूमिपूजन भी करवा दिया। सभा के माध्यम से युवा एवं महिला संगठन के साथ मिलकर सेमिनार व कार्यशालाओं के आयोजन हों, जिससे नए युवा समाज से जुड़ें एवं संगठनों की उपयोगिता को जानें। विशिष्ट अतिथि माधव मारू विधायक मनासा विधानसभा ने भी अपने ओजस्वी विचार रखे। इस अवसर पर प्रादेशिक सभा अध्यक्ष ओमप्रकाश भराणी द्वारा अध्यक्षीय विचार रखे गए। मानद मंत्री अजय झंवर द्वारा संगठन की बात एवं संकल्प बिंदुओं को रखा गया।

भराणी परिवार ने दी भूमि

उल्लेखनीय है कि प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश भराणी एवं उनके परिवार द्वारा प्रादेशिक मुख्यालय के निर्माण हेतु 2500 वर्गफीट की भूमि प्रदान की गई। साथ ही उनके द्वारा प्रादेशिक मुख्यालय को चलाने के लिए निर्माण होने तक 1000 वर्गफीट का निर्मित कार्यालय भी उपलब्ध करवाया हैं इसके लिए भराणी परिवार के ओमप्रकाश भराणी एवं सुरेश भराणी का श्यामसुंदर सोनी, राजकुमार काल्या, माधव मारू द्वारा सम्मान किया गया।

ये थे उपस्थित

इस अवसर पर प्रकाश बाहेती, अशोक ईनानी, राजेंद्र ईनानी, अशोक डागा, ईश्वर बाहेती, ओमप्रकाश पलोड़, सुरेश लड्ढा, ओमप्रकाश तोतला, रामप्रसाद गगरानी, राहुल मानधन्या, भरत तोतला, पुष्प माहेश्वरी, गोविंद मोहता, बाबूलाल डागा, कैलाश आगार, ओमप्रकाश बियाणी, प्रेमनारायण मालपानी, अजय सोडानी, रामचंद्र डारिया, गिरधर सारडा, संपत मोदानी, बालकिशन काबरा, रविकांत परवाल, सुरेश लड्ढा, रमेश मूंदड़ा, महेशचंद्र सोमानी, सुरेश हेड़ा, मुकेश असावा, रामस्वरूप मूंदड़ा, राजेश मुंगड़, विजय लड्ढा, शैलेंद्र भैया, गिरधर मानधन्या, कैलाश जाजू, पुष्पेंद्र काकानी, सुभाष असावा, पवन लड्ढा, ओमप्रकाश पसारी, नरेश माहेश्वरी, सी.पी. हेड़ा, प्रकाशचंद्र सोडानी, बसंतीलाल भंडारी, नीलेश भूतड़ा, अशोक सोमानी, द्वारका मंत्री, कैलाश डागा, राजेश धूत, मुरलीधर मानधन्या, सुरेश राठी, महेंद्र दुरग, सतीश बाहेती, सुनील डांगरा सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन मौजूद थे।

माहेश्वरी प्रोफेशनल फोरम द्वारा स्टेशनरी वितरण

भीलवाड़ा। माहेश्वरी प्रोफेशनल फोरम द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें में 160 जरूरतमंद विद्यार्थियों को उनके दैनिक प्रयोग में आने वाली सामग्री का वितरण किया गया। इस पहल में फोरम अध्यक्ष प्रदीप लाठी, सचिव सुनील सोमानी, निशा सोनी, साक्षी आगाल, सुमन बियानी के द्वारा अहम भूमिका निभाई। अध्यक्ष श्री लाठी के द्वारा विगत माह में आयोजित कैरियर उत्सव 'स्पन्दन' कार्यक्रम में स्टेशनरी बैंक की स्थापना की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों तक पठन एवं स्टेशनरी सामग्री उपलब्ध करवाना है। सचिव सुनील सोमानी ने बताया कि पहल से संचालित स्टेशनरी बैंक का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शिक्षा की सामग्री उपलब्ध करवाना है, अन्य सामाजिक व्यय जैसे बर्थडे, विवाह की वर्षगांठ या अन्य किसी पर्व के आयोजन में कुछ कमी कर आप स्टेशनरी बैंक में अपनी धनराशि को देकर विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य में अपना अहम योगदान दे सकते है।

राठी बनी राष्ट्रीय अर्थमंत्री

रायपुर. ज्योति राठी की अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन में अर्थमंत्री नियुक्ति से माहेश्वरी समाज में हर्ष व्याप्त हो गया। जानकारी देते हुए माहेश्वरी सभा रायपुर के प्रचार प्रसार प्रभारी सूरजप्रकाश राठी ने बताया कि वे केवल छत्तीसगढ़ प्रदेश ही नहीं अपितु संपूर्ण भारत वर्ष में समाज की कुशल नेतृत्वकर्ता रही हैं। रायपुर महिला संगठन की अध्यक्षा से प्रारंभ हुए सेवा सफर में छत्तीसगढ़ माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष एवम दो सत्रों से राष्ट्रीय महिला संगठन की उपाध्यक्ष भी रही हैं।

सभी समाज बंधुओं को नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. मोतीसिंह मोहता

मा. अध्यक्ष एवं सदस्य बार कौन्सील ऑफ महाराष्ट्र-गोवा

अध्यक्ष – + विधि आघाडी भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश
+ अकोला जिल्हा टेबल टेनिस एसोसिएशन भाटे क्लब, अकोला
+ स्व. गोदावरीदेवी मोहता चेरीटेबल ट्रस्ट, तेलगु व्यायाम शाला, अकोला
+ मातृभक्त तपे हनुमान मंदिर, अकोला. सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल
संस्थापक अध्यक्ष – + राजस्थानी सेवा संघ, अकोला
उपाध्यक्ष – + महाराष्ट्र राज्य टेबल टेनिस ऐसोसिएशन
+ अकोला डिस्ट्रक्ट एडव्होकेट एसोसिएशन
मानद सचिव – + वि. बेरार जनरल एज्युकेशन सोसायटी (4बार)
संचालक व मा. अध्यक्ष – + आदर्श गो-सेवा अनुसंधान प्रकल्प, अकोला
मा.अध्यक्ष – + अकोला बार एसोसिएशन (3बार)
+ भारतीय जनता युवा मोर्चा अकोला जिला. माहेश्वरी प्रगती मंडल,अकोला

डॉ. हेमसिंह मोतीसिंह मोहता
मा. अध्यक्ष –माहेश्वरी प्रगती मंडल, अकोला
मा. सचिव – बार एसोसिएशन, अकोला

कार्यालय : जय प्लाजा, संतोषी माता मंदिर के सामने. अकोला
निवास : शिवाणी पार्क के पास. अकोला. मो. 9422938600

जो लोग दूसरों में दोष ढूंढने में अपना समय बिताते हैं,
आमतौर पर अपने स्वयं के दोषों को
दूर करने के लिए समय नहीं निकाल पाते।

पतंगबाजी का किया आयोजन

रायपुर. मकर संक्रांति के अवसर पर माहेश्वरी भवन डूंडा में पतंगबाजी का आयोजन किया गया। दीपक डागा, सूरजप्रकाश राठी, शैलेंद्र माहेश्वरी, मनोज डागा, ललित चांडक, प्रज्ञा राठी, प्रेक्षा, श्रेया, अर्चना डागा, मीना करवा, शैली माहेश्वरी, चंद्रशेखर माहेश्वरी, आलोक तापड़िया, प्रकाश सोमानी, शीला शारदा आदि ने सपरिवार पतंगबाजी का आनंद लिया। सूरजप्रकाश राठी ने पचपन की उम्र में बचपन का आनंद दिलवाने के लिए आयोजक सिद्धांत डागा का आभार व्यक्त किया।

जिलाध्यक्ष बने डॉ. मालानी

अमरावती. विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन अंतर्गत अमरावती छोड़कर शेष सभी जिलों में निर्विरोध चुनाव संपन्न हुए। अमरावती जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष व मंत्री के चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी रामपाल कलंत्री, सह चुनाव अधिकारी राधेश्याम लड्ढा, राजीव महेंद्र व आकाश मोहता की देखरेख में संपन्न हुए। इस चुनाव में अमरावती जिला माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष के पद हेतु डॉ. सूर्यप्रकाश मालानी विजयी हुए। अन्य पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष डॉ. नंदकिशोर भूतड़ा, विजयकुमार तापड़िया, कमलकिशोर मालानी, सहमंत्री संजय भूतड़ा, प्रकाश चांडक, जेठमल तापड़िया, कोषाध्यक्ष बिहारीलाल बूब, संगठन मंत्री ब्रिजमोहन हरकुट व प्रचार मंत्री ओमप्रकाश राठी चुने गए।

अभिनंदन समारोह का किया आयोजन

ब्यावर. क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा गत 18 जनवरी को अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जिला भाजपा देहात अध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा, वार्ड पार्षद विष्णुगोपाल हेड़ा, बीना बांगड़, अजमेर जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष ओमप्रकाश राठी, जिला मंत्री ताराचंद माहेश्वरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण न्याती, उपाध्यक्ष संदीप मूंदड़ा, जगदीश झंवर, कोषाध्यक्ष रमेश राठी, संगठन मंत्री रमेश भराड़िया, संयुक्त मंत्री विजय तोला, गोपाल सोमानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष गुमानमल झंवर, प्रदेश संगठन मंत्री रामरतन छापरवाल एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. एलएन बल्दवा, स्वरूपनारायण झंवर, जिला कार्यसमिति सदस्य सूर्यप्रकाश झंवर, राजेश झंवर, नंदकिशोर जैथलिया का स्वागत व अभिनंदन कार्यक्रम पाली बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। ब्यावर क्षेत्रीय अध्यक्ष जुगलकिशोर मणियार व मंत्री सुनील झंवर ने संगठन के क्रियाकलापों पर प्रकाश डाला। मंच का संचालन प्रचार मंत्री राजेंद्र काबरा व अमरचंद मूंदड़ा ने किया। कार्यक्रम में सत्यनारायण असावा, पुरुषोत्तम जाजू, रुद्रदेव झंवर, हरविलास झंवर, जयनारायण हेड़ा, ओमप्रकाश हेड़ा, बालकिशन राठी, नारायण हेड़ा, विजय झंवर, विट्ठल राठी आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

महिला मेला का किया आयोजन

समिति) की ओर से मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में महिलाओं के लिए महिला मेले का आयोजन किया गया। इसमें महाराष्ट्रीयन थीम पर महिलाओं के लिए फैशन शो और संक्रांति त्योहार की महिमा कहने वाली नाटिका का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिथि भट्टड़, मंडल अध्यक्ष सतीश लोहिया, पद्मा लोहिया आदि उपस्थित थीं। फैशन शो में प्रथम प्रीति बल्दवा और द्वितीय श्रद्धा राठी रहीं। नाटिका में निकिता मंत्री, कीर्ति जाजू और वर्षा जाजू विजेता रहे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन गौरी नावंदर और पद्मा लोहिया ने किया।

छत्तीसगढ़ में नए पदाधिकारियों का मनोनयन

राजनांदगांव. छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा के सत्र 2019-22 की प्रथम कार्यकारी मंडल की बैठक का आयोजन संस्कारधानी राजनांदगांव में जिला माहेश्वरी सभा के सान्निध्य तथा माहेश्वरी समाज राजनांदगांव के आतिथ्य में मूंदड़ा कुंज, जी.ई.रोड में हुआ। रिक्त पदों की पूर्ति करते हुए बैठक में सर्वसम्मति से डॉक्टर सतीश राठी को उपाध्यक्ष, प्रकाश माहेश्वरी को संयुक्त मंत्री एवम सूरजप्रकाश राठी को सहमंत्री मनोनीत किया गया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष रामरतन मूंधड़ा, सुरेश मूंधड़ा प्रदेश सचिव, विट्ठल भूतड़ा, नारायण राठी, दामोदरदास मूंधड़ा, पवन सोमानी, प्रदीप गांधी, भींवराज तापड़िया, मनोज राठी, बालकिशन झंवर, शैलेंद्र माहेश्वरी, संपत काबरा, रामकिशन मूंधड़ा, गोपाल बजाज, दीपक मल आदि सदस्य उपस्थित थे। आभार संगठन मंत्री नंदकिशोर राठी ने माना।

माहेश्वरी निबंध में प्रथम

आगूचा. रत्नीदेवी माहेश्वरी महिला सशक्तीकरण ट्रस्ट मुंबई द्वारा महिला सशक्तीकरण विषय पर आयोजित अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता में शंकरलाल माहेश्वरी पूर्व जिला शिक्षाधिकारी निवासी आगूचा ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसमें श्री माहेश्वरी को ट्रस्ट द्वारा 21000 रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। श्री माहेश्वरी द्वारा तीन पुस्तकों का भी प्रकाशन किया जा चुका है। 100 से भी अधिक राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित होती रही हैं। साहित्य सेवा के फलस्वरूप माहेश्वरी को साहित्य भूषण, साहित्य सौरव तथा साहित्य सरोजिनी उपाधियों से भी सम्मानित किया जा चुका है। भागलपुर बिहार हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा 'विद्यावाचस्पति' की उपाधि से विभूषित किया गया है।

कोबरा व पहाड़ी कछुए का ऑपरेशन

इंदौर। इंदौर निवासी वेटनरी चिकित्सक डॉ. पवन माहेश्वरी (अटासनिया) एवं उनकी रेस्क्यू टीम ने सफल ऑपरेशन कर कोबरा सांप को 25 टांके लगाकर बचाया। विक्रम नगर यूनिवर्सिटी केम्पस उज्जैन कार से कुचलने से वन विभाग की रेस्क्यू टीम को घायल कॉमन कोबरा मिला था। उसके शरीर पर 5 इंच एवं 2 इंच के दो घाव होने से उसका मांस बाहर आ गया था। डॉ. माहेश्वरी ने बताया कि वह ऑपरेशन सफल रहा। कोबरा सांप की लंबाई पांच से छः फीट होती है। इसका जहर हेमोटोक्सिक होता है। इस कोबरा सांप को वन विभाग की निगरानी में सात दिन रखा फिर उसे जंगल में छोड़ दिया गया। फिर 1 अक्टूबर 2019 को एक पहाड़ी कछुए के ट्यूमर का भी सफल ऑपरेशन किया गया। इसके लिए दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज के पदाधिकारियों द्वारा उनकी अनुपस्थिति में उनके पिताजी श्री महेन्द्र माहेश्वरी को सम्मानित किया गया।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

पुणे. महेश सेवा संघ द्वारा गत 15 दिसंबर को विवाह योग्य उच्च शिक्षित युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसमें 623 प्रत्याशियों का नामांकन किया गया था तथा 432 प्रत्याशियों ने प्रत्यक्ष रूप से सहभाग की। संस्था द्वारा इसी कड़ी में 25 दिसंबर को सभी माहेश्वरी विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए निर्मित एंड्राइड मोबाइल एप्लीकेशन मेट्रोमोनियल एप का लोकार्पण संघ के ज्येष्ठ अनुभवी सदस्य एवं मार्गदर्शक जवाहर बाहेती द्वारा किया गया। इसमें संघ कार्यकारी विश्वस्त हरिकिशन मूंदड़ा, अध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, सचिव ओमप्रकाश गट्टाणी, परिचय सम्मेलन प्रकल्प प्रमुख राजेश राठी, सदस्य प्रवीण भराड़िया, केसी चांडक, मोबाइल एप्लीकेशन निर्माता सॉफ्टवेयर कंपनी डायरेक्टर गौरव गट्टाणी एवं टेक्निकल हेड योगेश जाजू मौजूद थे।

महिला मंडल ने मनाई मकर संक्रांति

मंदसौर. माहेश्वरी महिला मंडल की मासिक बैठक गत 1 जनवरी को माहेश्वरी धर्मशाला में आयोजित हुई। इसके अंतर्गत 'पतंग सजाओ' स्पर्धा आयोजित की गई। महिलाओं ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। सुंदर-सुंदर पतंगों ने सबका मन मोह लिया। प्रथम स्थान अनुषा परवाल, द्वितीय स्थान सीमा छापरवाल तथा तृतीय स्थान पर साक्षी चिचानी रही। निर्णायक गीता झंवर व सुरेखा झंवर थीं।

आनंद मेले का हुआ आयोजन

भिवंडी. स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा आनंद मेले का आयोजन गत 21 दिसंबर को स्वामीनारायण मंदिर प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष रेणु बिड़ला एवं संगठन मंत्री सीमा झंवर द्वारा किया गया। मेले में बच्चों के लिए विशेष प्रकार के झूलों एवं पारंपरिक गेम व 56 विभिन्न प्रकार की सेल, हैंडीक्राफ्ट, खानपान आदि की स्टॉल लगाई गई। मंच का संचालन अंजली जाजू, माधुरी हेड़ा, सीमा जाखोटिया, जागृति कलंत्री, पूजा मूंधड़ा, रेणु राठी द्वारा किया गया। नीलम बल्दवा, माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष अविनाश सिकची, माहेश्वरी युवा मंच अध्यक्ष अविनाश बाहेती एवं उनकी पूरी कार्यकारिणी ने मेले को सफल बनाने में पूरा सहयोग किया।

दीक्षा मंडलस्तरीय भाषण में प्रथम

नंदग्राम. पंकज माहेश्वरी स्मृति महाविद्यालय नंदग्राम, जायस (अमेठी) की छात्रा दीक्षा सोनी ने मंडलस्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दीक्षा सोनी ने जिलास्तरीय भाषण स्पर्धा में प्रथम स्थान पाने के बाद इसमें 'ब्रासीलिया डिक्लेरेशन' के दृष्टिगत सड़क दुर्घटनाओं में 2020 तक त्वरित कमी लाने हेतु उठाये जाने वाले कदम विषय पर भाषण दिया था।

मूंदड़ा बने बोर्ड डायरेक्टर

वरंगल. गत 29 दिसंबर को वरंगल एग्रीकल्चर मार्केट, एनुमामुला में तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा वरंगल एग्रीकल्चर मार्केट कमेटी के नवनिर्वाचित बोर्ड आफ डायरेक्टर्स का 'शपथ ग्रहण' समारोह आयोजित हुआ। इसमें समाज के अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा भी शामिल हैं। इस अवसर पर समाज की ओर से अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा, मंत्री एर्राबल्ली दयाकर राव, विधायक एवं चीफ विप्प दास्यम विनय भास्कर, उपस्थित विधायक, सांसद एवं अन्य पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

महिला मंडल ने की जानपावा दर्शन यात्रा

उज्जैन. श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल ने नए साल के उपलक्ष्य में अध्यक्ष हेमलता गांधी व सचिव मनोरमा मंडोवरा के नेतृत्व में एक दिवसीय पिकनिक दर्शन यात्रा महू पहुंचकर की। सभी महिलाओं ने हेरिटेज ट्रेन का आनंद लिया। पाताल पानी पर भोजन का आयोजन हुआ, वहीं शाता मंडोवरा के संयोजन में पश्चिमांचल की नवनिर्वाचित सचिव उषा सोडानी का सम्मान किया गया। तत्पश्चात भगवान परशुराम की जन्म स्थली जानापावा पहुंचकर महिलाओं ने दर्शन किए एवं वापस उज्जैन आए। इस अवसर पर सुभद्रा भूतड़ा, सुधा बाहेती, रुक्मणि भूतड़ा, उषा लखोटिया, मनोरमा बाड़, पुष्पा मंत्री, तेजूदेवी तोषनीवाल, संध्या हेड़ा आदि शामिल थीं।

दीपाली बनी सीए

हैदराबाद. समाज सदस्य सीए जुगल किशोर माधुरी मूंदड़ा की सुपुत्री दीपाली मूंदड़ा ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

कृतिका बनी सीए

उज्जैन. समाज सदस्य कमलेश-रेखा मंत्री की सुपुत्री कृतिका मंत्री ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

माधव बने सीए

धामनोद (मप्र). समाज की प्रतिभा माधव मूंदड़ा ने सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंट) की परीक्षा उत्तीर्ण की। माधव व्यापारी संगठन के संरक्षक भगवान मूंदड़ा के सुपुत्र हैं।

स्नेहा बनीं सीए

आगर (मप्र). इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट ऑफ इंडिया द्वारा घोषित परिणाम में राजेश व ललिता मालानी की सुपुत्री स्नेहा ने फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर चार्टर्ड एकाउंटेंट की डिग्री प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

केतन बने सीए

जयपुर. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के निवर्तमान कार्यालय मंत्री जुगलकिशोर सोमाणी जयपुर के छोटे भ्राता दिलीप व सुशीला सोमानी के सुपुत्र केतन सोमाणी ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। केतन की धर्मपत्नी भावना ने 16 जनवरी को सीए का रिजल्ट आने से पहले एक कन्या को भी जन्म दिया। इससे परिवार में खुशियां दोगुनी हो गई।

निशी बनीं सीए

बालाघाट. समाज सदस्य ललित एवं संध्या माहेश्वरी की सुपुत्री निशी माहेश्वरी ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की। उनकी इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

चारवी बनी मिस चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़. फोर्ट पोलिस्टवाल में आयोजित मिस चित्तौड़गढ़ स्पर्धा में समाज सदस्य जया व महेश तोषनीवाल की सुपुत्री व वरिष्ठ नागरिक मंच भीलवाड़ा के महासचिव मदन खटौड़ की दोहित्री चारवी (खुशी) तोषनीवाल ने प्रथम रनर अप का पुरुस्कार प्राप्त किया। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष जताया है।

दो सीए एक साथ

गोधरा. श्री अंबालाल मूंदड़ा के सुपौत्र एवं किशोर मूंदड़ा के सुपुत्र विशाल तथा विनोद देवपुरा की सुपुत्री किरण माहेश्वरी (स्वीटू) ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

वंशिका बनी राजस्थान की सरताज

बीकानेर. माहेश्वरी समाज की स्थानीय संस्था माहेश्वरी महिला समिति की सदस्या सारिका सोमानी की सुपुत्री वंशिका सोमानी ने गत 12 जनवरी को जयपुर में आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिता 'राजस्थान के सरताज' का खिताब अपने नाम करके न केवल अपने परिवार का बल्कि बीकानेर माहेश्वरी समाज का गौरव बढ़ाया। 7 वर्षीय नन्हीं बालिका वंशिका ने इससे पूर्व भी डांस व मॉडलिंग स्पर्धा में न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राज्यस्तरीय पर भी कई खिताब जीतकर रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं।

कोमल को पीएचडी की उपाधि

नागपुर. गत 18 जनवरी को हुए नागपुर विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में काटोल निवासी कोमल रोहित नबीरा को पीएचडी की डिग्री प्राप्त हुई। वे नबीरा महाविद्यालय काटोल में वाणिज्य शाखा में प्राध्यापिका है। वे अमरावती निवासी रमेश एवं शारदा गांधी की सुपुत्री तथा काटोल निवासी रमनलाल एवं तेजकुंवर नबीरा की पौत्रवधू हैं। डॉ. सतीश नबीरा व वेदना नबीरा की वे पुत्रवधू हैं।

दीपिका को पीएचडी

जयपुर. राजस्थान विश्वविद्यालय ने दीपिका तापड़िया को "कंज्यूमर पर्सेप्शन टूवर्डस एथिकल इश्यूज इन एडवरटाइजमेंट विद स्पेशल रेफरेंस टू वूमन" विषय पर शोध के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। दीपिका ने प्रो. नवीन माथुर के निर्देशन में शोध कार्य पूरा किया है।

'चुनौतियों' को 'चुनौती' दो तो वह 'डराना' बंद कर देगी कभी-कभी एक छोटी सी घटना भी जीवन में 'सकारात्मक' परिवर्तन लाती है

विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण

ब्यावर. भारत विकास परिषद शाखा ब्यावर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अलग-अलग शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में जाकर जरूरतमंद विद्यार्थियों को इस ठिठुरती सर्दी से बचाव के लिए ऊनी वस्त्र स्वेटर वितरित किए गए। प्रकल्प प्रभारी-आलोक गुप्ता ने बताया कि दोपहर 3 बजे सेवा कार्य के अगले चरण में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक डिग्गी मोहल्ला में बालिकाओं को लगभग-51 स्वेटर (कार्डिगन) का वितरण किया गया।

अंडा वितरण के विरोध में दिया ज्ञापन

देवास. वैश्य महासम्मेलन देवास ने मप्र सरकार द्वारा संचालित आंगनवाड़ियों में अंडा वितरण के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम जिलाधीश को ज्ञापन दिया। ज्ञापन जिलाधीश के प्रतिनिधि भू-अभिलेख अधिकारी एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी सुरेश शर्मा ने ग्रहण किया। ज्ञापन का वाचन प्रदेश मंत्री अशोक सोमानी ने किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण लाठी, संजय कटारिया, गौरव खंडेलवाल, मंजुबाला जैन, सुषमा गुप्ता, सचिन अग्रवाल, अमित गुप्ता, प्रमोद गुप्ता बरोठा, प्रकाश अग्रवाल, माहेश्वरी समाज के राजेंद्र मूंदड़ा, खंडेलवाल समाज के पवन खंडेलवाल आदि मौजूद थे। संचालन सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक द्वारका मंत्री ने किया। आभार नगर अध्यक्ष रजनीश पोरवाल ने माना। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र मूंदड़ा ने दी।

पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर

पुणे. समाजसेवी स्व. श्री मुरलीधर नावंदर व स्व. श्री अशोक नावंदर की पुण्य स्मृति में 22 वें रक्तदान शिविर का गत 4 जनवरी को संतश्री तुकाराम महाराज उद्यान में आयोजन हुआ। इस शिविर में 301 यूनिट रक्त संकलन हुआ। रक्त संकलन आधार ब्लड बैंक ने किया। नावंदर परिवार की ओर से सुभाष, सुरेश, गोवर्धन, सचिन व मनीष नावंदर ने सभी का स्वागत किया। इस शिविर में महेश बैंक संचालक अजय लड्ढा, महेश सेवा संघ पुणे के अध्यक्ष श्याम मूंदड़ा, सचिव ओमप्रकाश गट्टाणी, कोषाध्यक्ष रामगोपाल चांडक, सत्यनारायण मालू और अनिल भांगड़िया आदि ने उपस्थित रहकर उत्साहवर्धन किया। इसमें महेश सांस्कृतिक मंडल का भी सहयोग रहा।

परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

जयपुर. माहेश्वरी समाज जयपुर द्वारा 20वां अभा युवक-युवती परिचय सम्मेलन विद्या नगर के जनोपयोगी 'उत्सव' भवन में आयोजित किया गया। परिचय सम्मेलन के लिए 640 युवक-युवतियों द्वारा बायोडाटा भेजकर पंजीयन कराया गया। 470 के लगभग प्रत्याशियों ने सम्मेलन में भाग लेकर आपसी परिचय और जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने संबोधित किया। समाज के महामंत्री गोपाललाल मालपानी ने भी उद्बोधन दिया। संगठन के प्रचार मंत्री रमेशचंद जाखोटिया, महासचिव शिक्षा नटवरलाल अजमेरा, मैरिज ब्यूरो के उपाध्यक्ष रमेशचंद परवाल, मालचंद बाहेती, मंत्री विष्णु लड्ढा, नवयुवक संगठन मप्र अध्यक्ष आशीष मंत्री, महिला परिषद अध्यक्ष रजनी माहेश्वरी सहित परिचय सम्मेलन के संयोजक बालकृष्ण जाजू (बालक) ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

'न्यायालय आपके द्वार' कार्यशाला का आयोजन

नागपुर. ग्राहक पंचायत, क्रैडाई व महाराष्ट्र रेरा की ओर से ग्राहक दिवस पर महाराष्ट्र रेरा ऑफिस, महाराष्ट्र ईमारत-1 में महाराष्ट्र ग्राहक पंचायत विदर्भ ईकाई अध्यक्ष श्यामकांत पाठिकर द्वारा कार्यशाला 'न्यायालय आपके दरवाजे पर' का आयोजन किया गया। इसमें महारेरा सचिव गिरीश जोशी, महाराष्ट्र ग्राहक पंचायत के विदर्भ अध्यक्ष श्यामकांत पाठिकर, उपाध्यक्ष डॉ. कल्पना तिवारी, क्रैडाई चेयरमैन संतदास चावला, क्रैडाई अध्यक्ष साधवानी उपस्थित थे। प्रमुख अतिथि अंतरराष्ट्रीय-राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त लेखक व वरिष्ठ समाजसेवी शरद गोपीदासजी बागड़ी थे। अर्चना पांडे ने प्रमुख अतिथि श्री बागड़ी का पुष्पगुच्छ से सत्कार किया व सचिव दिलीप चौधरी ने श्री बागड़ी का परिचय दिया। श्री बागड़ी ने नागपुर के फ्लैट ऑनर व फ्लैट्स की परेशानी आदि पर मार्गदर्शन दिया।

दो तथ्य हमारे व्यक्तित्व को परिभाषित करते हैं।
एक हमारा धीरज जब हमारे पास कुछ न हो
और
दूसरा हमारा व्यवहार जब हमारे पास सब कुछ हो?

बिरला ने किया श्री माहेश्वरी टाईम्स के जनवरी अंक का विमोचन

समाज के युवाओं को दिया संदेश, रेडियो दस्तक 90.8 कार्यालय का भी किया अवलोकन

उज्जैन. अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पश्चिमांचल उपसभापति राजेशकृष्ण बिड़ला अपनी व्यक्तिगत यात्रा पर यहां 'रेडियो दस्तक 90.8' के प्रसारण कार्यालय पर आए। यहां श्री बिड़ला ने इस रेडियो स्टेशन की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा समाज की लोकप्रिय पत्रिका 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के जनवरी 2020 अंक का विमोचन भी किया।

श्री बिरला देवास में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान समाजजनों तथा अन्य स्नेहीजनों के आग्रह पर श्री बिरला कुछ समय के लिए रेडियो स्टेशन रेडियो दस्तक 90.8 के प्रसारण कार्यालय पर रुके तथा रेडियो प्रसारण की नवीनतम तकनीकों को निकट से देखा। रेडियो दस्तक 90.8 के प्रबंध संचालक पत्रकार संदीप कुलश्रेष्ठ, अमृता कुलश्रेष्ठ, श्री माहेश्वरी टाईम्स के सम्पादक पुष्कर बाहेती, सरिता बाहेती, वंदना जैथलिया, डॉ. विनोद बैरागी, डॉ. चंदर सोनाने, नवल माहेश्वरी, प्रमोद जैथलिया, अमूल लड्ढा, अजय मूंदड़ा, शैलेंद्र राठी सहित कई स्नेहीजनों ने श्री बिरला का स्वागत किया। इस अवसर पर श्री बिरला के करकमलों से श्री माहेश्वरी टाईम्स के 'नववर्ष विशेषांक जनवरी 2020' का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर लिए गए साक्षात्कार में श्री बिरला ने अपने अनुज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की राजनीतिक यात्रा की मधुर स्मृतियों को साझा किया, साथ ही युवाओं को राजनीति की ओर प्रेरित भी किया। श्री बिरला का व्यक्तिगत स्तर पर कहना था कि राजनीति को यदि अच्छा रखना है, तो इसमें अच्छे लोगों को कदम रखना ही पड़ेगा। श्री बिरला ने मासिक पत्रिका श्री माहेश्वरी टाईम्स की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए समाज को उसके द्वारा दिए जा रहे योगदानों की भूरि-भूरि प्रशंसा भी की।

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव संपन्न

कोटा. पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के गत दिनों कोटा में हुए चुनाव में बूंदी जिले के देवजी का थाना निवासी घनश्याम लाठी निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष चुने गए। चुनाव अधिकारी सुरेश काबरा व सहचुनाव अधिकारी रामचरण धूत की देखरेख में हुए इस चुनाव में बूंदी से पुरुषोत्तम नुवाल प्रदेश उपाध्यक्ष व महावीर तोतला प्रदेश संयुक्त मंत्री चुने गए। जिले से निर्वाचित तीनों पदाधिकारियों का बूंदी पहुंचने पर एक सादे समारोह में साफा बांध व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस दौरान पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया, सचिव विजेंद्र माहेश्वरी, पूर्व कार्यकारी मंडल सदस्य संजय लाठी, रेवतीरमन बिरला, युवा संगठन जिलाध्यक्ष नरेश लाठी, द्वारका जाजू आदि ने उपस्थित थे।

आर्थिक स्थिति कितनी भी अच्छी हो,
जीवन का आनंद तो
मानसिक स्थिति पर निर्भर है?

90 मोरों की हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई

भीलवाड़ा. पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने अजमेर जिले की मसूदा तहसील के राजगढ़ गांव में 50 मोर, टोंक जिले के तितरीया गांव में 7 मोर व बीकानेर जिले की लूणकरणसर तहसील के खोखराणा गांव में 10 राष्ट्रीय पक्षी मोरों की जहरीला दाना डालकर हत्या की प्राथमिकी पुलिस अधीक्षक अजमेर, टोंक व बीकानेर को ई-मेल व रजिस्टर डाक से भेजकर दर्ज कराई है। श्री जाजू ने मोरों की हत्या के मामले में आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय पक्षी मोरों की हत्या का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। 90 राष्ट्रीय पक्षी की हत्या हो चुकी है तथा वन व पुलिस विभाग के जिम्मेदार कारिंदे हाथ पे हाथ धरे बैठे हैं, जिससे शिकारियों के हौसले बुलंद होकर लगातार राष्ट्रीय पक्षी मोरों की हत्या हो रही है।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

उदयपुर. हेमंतबाला मानसिंह कोठारी चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से गत 29 दिसंबर को राजस्थान महिला विद्यालय के सभागार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ट्रस्ट द्वारा प्रति वर्ष आयोजित होने वाले शिविर में इस वर्ष 77 यूनिट रक्तदान किया गया। मुख्य ट्रस्टी आशीष कोठारी ने बताया कि इस आयोजन में नगर माहेश्वरी युवा संगठन ने भी महती भूमिका निभाई। उक्त जानकारी मुरलीधर गट्टानी ने दी।

जिला सभा की बैठक संपन्न

दुर्ग. जिला सभा की बैठक जगदंबा स्वीट्स पावर हाउस भिलाई में माहेश्वरी सभा भिलाई के आतिथ्य में संपन्न हुई। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष नरेंद्र राठी ने स्वागत भाषण दिया। बैठक में नेत्र शिविर, स्वास्थ्य शिविर, कैरियर गाइडेंस, रोजगार मार्गदर्शन एवं आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र की सहायता, वैवाहिक समस्याओं, प्रभावी भाषण कला आदि पर सदस्यों ने राय रखी। अखिल भारतवर्षीय कार्यकारी मंडल सदस्य गुंडरदेही परिक्षेत्र के जगदीश चांडक सर्वसम्मति से चुने गए। आभार जिला सचिव अभय माहेश्वरी ने व्यक्त किया। बैठक में निवर्तमान प्रादेशिक अध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा, उपाध्यक्ष छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा राजकुमार गांधी, कोषाध्यक्ष छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ओमप्रकाश टावरी, कुंदनमलजी गांधी साजा, हीरालाल गांधी गुंडरदेही, श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग के अध्यक्ष राधेश्याम राठी, श्री माहेश्वरी पंचायत साजा के अध्यक्ष रमेश राठी, बेमेतरा माहेश्वरी सभा अध्यक्ष मूलचंद राठी, गुंडरदेही परिक्षेत्र माहेश्वरी सभा अध्यक्ष दिनेश टावरी, भिलाई सभा अध्यक्ष हर्ष मंत्री, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण चांडक साजा आदि उपस्थित थे।

माहेश्वरी बने रोटरी के असिस्टेंट गवर्नर

जबलपुर. रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 सत्र 20-21 हेतु रोटरी गवर्नर एफसी मोहंती ओडीशा द्वारा रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर के पूर्व अध्यक्ष एसएस माहेश्वरी (जेठा) को असिस्टेंट गवर्नर नियुक्त किया गया। श्री माहेश्वरी 25 वर्ष से भी अधिक समय से रोटरी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि श्री जेठा माहेश्वरी मंडल, जबलपुर के निर्वाचित अध्यक्ष एवं मप्र पूर्व क्षेत्रीय माहेश्वरी प्रादेशिक सभा के पूर्व संयुक्त मंत्री आदि के रूप में कई सेवा संस्थाओं में सेवा दे रहे हैं।

मुखोटे ही अच्छे है इस दौर में साहब असली चेहरा दिखाओ तो लोग बुरा मान जाते हैं...

हाईटेक परिचय सम्मेलन का किया आयोजन

बीकानेर. जिले के नापासर में पैदा माहेश्वरी समाज की बेटी सुमन मूंधड़ा ने तकनीकी क्षेत्र के माध्यम से माहेश्वरी समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए अपने स्तर पर एक नई क्रांति का संचार करते हुए नववर्ष 2020 में जोधपुर में एक दिवसीय हाईटेक परिचय सम्मेलन का आयोजन किया। सामाजिक संवाददाता पवन राठी ने बताया कि यह माहेश्वरी समाज में किसी माहेश्वरी बेटी द्वारा अपने स्तर पर किया गया प्रथम आयोजन था। सुमन द्वारा अब तक टेलीग्राम बायोडाटा ग्रुप माहेश्वरी परिचय मित्र के माध्यम से वर्तमान तक 1900 से ज्यादा संबंध करवाए जा चुके हैं। जोधपुर में आयोजित हाईटेक परिचय सम्मेलन से पूर्व इसकी तैयारी 15 दिन नापासर के विनायक कम्प्यूटर सेंटर में की गई जिसके अंतर्गत 100 प्रोफेशनल बॉयज तथा 100 प्रोफशनल गर्ल्स के बायोडेटा को एक प्रोजेक्टर पर तैयार किया गया। इसे प्रोजेक्टर के माध्यम से जोधपुर हाईटेक सम्मेलन में बड़ी स्क्रीन पर दिखाया गया। इस संपूर्ण कार्यक्रम में जोधपुर के दामोदर बंग, जवाहरदास मूंधड़ा, हरिगोपाल राठी, प्रकाश पुगलिया आदि कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

बैडमिंटन स्पर्धा का हुआ आयोजन

कोलकाता. माहेश्वरी क्लब द्वारा दो दिवसीय जेआर लड्ढा ग्रुप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रांड फिनाले का सफल आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में आरपीएफ कमिश्नर अजय सादानी, अरुण लड्ढा, रमेश लखोटिया उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में माहेश्वरी क्लब के सभापति घनश्याम करनानी, मंत्री नरेंद्र करनानी, सभापति पुरुषोत्तमदास मिमानी, राकेश मोहता, शैलेश डागा, उमेश बागड़ी, बृजमोहन बाहेती, नंदकिशोर सादानी, नंदू डागा, बसंत लखोटिया, विजय पुरोहित, किशोर मल, मनोज मूंधड़ा, हरीश सोमानी आदि का सक्रिय योगदान रहा। हार्दिक मोहता एवं आयुष गांधी की जोड़ी ने श्याम बिहानी एवं बिमल झंवर से मात्र 3 अंक से प्रतियोगिता जीत ली।

अगर दुनिया विश्वास पर चलती तो किसी के दरवाजे पर ताला नहीं होता..

सेवा सम्मान के साथ ली पथ की शपथ

देवास. देवास जिला माहेश्वरी सभा के शपथ विधि एवं सेवा सम्मान समारोह के अवसर पर 22 वरिष्ठ समाजबंधुओं का सम्मान अवंतिका पीठाधीश्वर रंगनाथाचार्यजी के करकमलों से किया गया।

समारोह की अध्यक्षता ओमप्रकाश भराणी अध्यक्ष पश्चिमांचल.प्रा.सभा ने की। मुख्य अतिथि राजेशकृष्ण बिरला उपसभापति अ.भा.मा. महासभा थे। विशेष अतिथि महेश अजमेरा मानद मंत्री प्रा. सभा राजस्थान, भगवानदास बिरला अध्यक्ष कोटा जि.मा.सभा, सुमन सारडा अध्यक्ष इंदौर जिला मा. महिला संगठन, साधना बियाणी अध्यक्ष देवास जि. मा. महिला संगठन व शपथ अधिकारी भरत सारडा इंदौर थे। स्वागत भाषण मानद मंत्री प्रकाश मंत्री ने दिया। जिलाध्यक्ष कैलाश डागा ने दो महत्वपूर्ण विषयों समाज की निराश्रित व विधवा महिलाओं को मासिक सहयोग राशि दिया जाना तथा जिले के माहेश्वरी भवनों में आवश्यक निर्माण कार्यों को समाज के सहयोग से पूर्ण करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों द्वारा महिलाओं को दी जाने वाली राशि के कोष में 2 लाख 40 हजार रुपए उसी समय एकत्रित

हुए। प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश भराणी, मानद मंत्री अजय झंवर, निवर्तमान अध्यक्ष राजेंद्र इनाणी, मुरली मानधन्या, सत्यनारायण लाठी सोनकच्छ, पंकज अटल प्रा.सभा संगठन मंत्री, विशाल राठी अध्यक्ष इंदौर ग्रामीण जिला सभा, सुमन सारडा जिलाध्यक्ष इंदौर मा. महिला संगठन ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कई गणमान्यजन मौजूद थे। आभार राजेश होलानी ने माना और संचालन मुरलीधर मानधन्या ने किया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायक द्वारका मंत्री ने अपने भजनों की प्रस्तुति दी।

श्रीमती बाहेती का हुआ सम्मान

नासिक. जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित नवनिर्वाचित सदस्य शपथ विधि तथा सम्मान समारोह में मालेगांव की सरिता कैलाश बोहती को गत त्रिवार्षिक अध्यक्ष महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल के उनके कार्यकाल में 100 से ज्यादा उपक्रम का सफल आयोजन के लिए 'कुशल मंडल' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार के रूप में प्रशस्ति-पत्र तथा ट्रॉफी भेंट की गई। जिला संगठन से यह प्राप्त पुरस्कार पहली बार श्रीमती बाहेती के अध्यक्षीय कार्यकाल में मालेगांव को मिला है। कार्यक्रम में अरुणा लाहोटी, शैला कलंत्री, सरला मालपानी, नीला डागा आदि गणमान्यजन मौजूद थे।

'शब्दों' को दो ही लोग ढंग से पढ़ते और समझते हैं, ज्ञान प्राप्त करने वाले, और ग़लती निकालने वाले

रक्तदान व नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

सांगवी. सांगवी परिसर महेश मंडल की ओर से चंपालाल गुगले की स्मृति में 19वें रक्तदान शिविर व निःशुल्क नेत्र चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन पिंपरी चिंचवड की नवनिर्वाचित महापौर माई ढोरे के करकमलों द्वारा किया गया। मंडल अध्यक्ष सतीश लोहिया, नगरसेवक हर्षल ढोरे, संतोष कांबले, शारदाताई सोनवणे, संदीप गुगले, लीलाबाई गुगले, गोविंद मूंदड़ा (अध्यक्ष पुणे जिला माहेश्वरी प्रगति मंडल) आदि मौजूद थे। रक्तदान शिविर में 151 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। 210 लोगों ने नेत्र चिकित्सा शिविर का लाभ लिया। कार्यक्रम में गणेश चरखा, दीपेश मालाणी, अनूप खीरन, हेमंत पलोड़, तुषार माहेश्वरी, नीलेश अटल आदि ने सहयोग दिया।

स्वयं को अच्छा बना लीजिए एक बुरा व्यक्ति कम हो जाएगा।

टैलेंट सर्च कॅरियर उत्सव का किया आयोजन

भीलवाड़ा. स्थानीय राजीव गांधी ऑडिटोरियम में स्पंदन 2020 कॅरियर उत्सव का आयोजन माहेश्वरी प्रोफेशनल फोरम, जिला माहेश्वरी सभा व श्रीनगर माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। विद्यार्थी सुबह 9 बजे ठंड व धुंध में भी टैलेंट सर्च परीक्षा देने पहुंचे। भीलवाड़ा जिला कलेक्टर राजेंद्र भट्ट ने पूरे आयोजन का निरीक्षण कर प्रतिक्रिया दी। संगम ग्रुप के एमडी रामपाल सोनी, एलेनकोटा से आए बृजेश माहेश्वरी, अनिल भंडारी तथा ख्यात लेखक चेतन भगत ने प्रेरक उद्‌बोधन दिया। मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि टैलेंट सर्च परीक्षा में श्रेष्ठ रहे, 100 विद्यार्थियों को इस अवसर पर पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में प्रदीप लाठी, सुनील सोमानी, सत्कार ग्रुप, संगम ग्रुप, डी.सी.बी. बैंक, एसएन मोदानी, दीनदयाल मारू, दवेंद्र सोमानी, केदार जागेटिया, अतुल राठी, राजेंद्र भदादा, निशा सोनी, ललित पोरवाल, महेश देवपुरा, आलोक पलोड़, सोमेश काबरा, सुधा चांडक, बीसी सोमानी, एमडी बाहेती, मनोज चचानी, अभिनव गग्गड़, अभिषेक बाहेती व साक्षी आगाल का विशेष सहयोग रहा। समारोह का संचालन फोरम संरक्षक जेपी कोगटा व अजय गगरानी ने किया।

5 वर्षीय वेदिका ने दी म्यूजिकल प्रस्तुति

नागपुर. स्थानीय नारायण विद्यालय की केजी की 5 वर्ष की बाल कलाकार छात्रा वेदिका-वेदांत बागड़ी ने सायंटिफीक सभागृह में एक म्यूजिकल कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति में बहुत मोहक अंदाज में राजस्थान का परिचय दिया। पूरे सभागृह में इस बाल कलाकार का करतल ध्वनि से अभिवादन किया गया। अतिथि अनिल अहीरकर राष्ट्रवादी कांग्रेस नागपुर शहर अध्यक्ष, शैलजा दांदले (वाघ) सहायक संचालक सूचना जनसंपर्क विभाग महाराष्ट्र सरकार, बनवारीलाल मीणा (संपादक-जयपुर), डीएल शर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष-श्रमजीवी पत्रकार संघ), विशेष अतिथि शरद गोपीदास बागड़ी अंतरराष्ट्रीय-राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त लेखक व वरिष्ठ समाजसेवी थे। प्रबंधक संपादक-शरद नागदेव के हाथों वेदिका को पुरस्कृत किया गया। वेदिका भारती-शरद बागड़ी नागपुर की पौत्री, शारदा देवी- गोपाल नावंदर अमरावती की दोहित्री व यशश्री-वेदांत बागड़ी की सुपुत्री है।

जीवन को जब ईमानदारी से जिया जाता है, तो वह अपनी तकलीफों का इलाज खुद ही कर लेता है। जिस सत्य का आप प्रतिरोध करते है,वह आपके लिए कुरुक्षेत्र बन जाता है?

मकर संक्रांति पर जनसेवा

उज्जैन. श्री माहेश्वरी महिला मंडल नृसिंह मंदिर द्वारा संक्रांति पर्व के अवसर पर मदर टेरेसा आश्रम में भोजन का आयोजन किया गया। सभी सदस्यों को स्वच्छता के बारे में भी जानकारी दी गई। अध्यक्ष रेखा लड्डा, सचिव उषा भड्डड के साथ भारती कोठारी, किरण अटल, रेखा काबरा, लता तोषनीवाल, शीला राठी, पुष्पा कोठारी, पुष्पा भल्लिका आदि उपस्थित थीं। यह जानकारी प्रचार मंत्री आशा भड्डड ने दी।

प्रतिष्ठा बनाने में बरसों लगते हैं और इसे बर्बाद होने में पांच मिनट। यदि आप यह जान ले तो किसी भी कार्य के प्रति आपका दृष्टिकोण बदल जायेगा?

जिला माहेश्वरी संस्थान की कार्यकारिणी गठित

राजसमंद. जिला माहेश्वरी संस्थान (सभा) के कार्यकारी मंडल की बैठक गत 5 जनवरी को श्री जयसिंह श्याम गौशाला, आमेट जिला राजसमंद में नवनिर्वाचित अध्यक्ष अर्जुनलाल चेचानी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें जिला सभा के संस्थापक अध्यक्ष व प्रदेश सभा के पूर्व मंत्री इंद्रलाल छापरवाल को सर्वसम्मति से संरक्षक मनोनीत किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष नंदलाल चेचाणी, सचिव खूबचंद झंवर, उपाध्यक्ष जगदीशचंद्र डाड, गणेशलाल पोरवाल, संयुक्त मंत्री राजेंद्र असावा, राधेश्याम माहेश्वरी, अर्थमंत्री गोविंदवल्लभ काबरा, संगठन मंत्री रामगोपाल अजमेरा तथा प्रचार मंत्री गिरिराज लोहाटी चुने गए। इसमें कुल 11 कार्यकारिणी सदस्यों का चयन भी हुआ।

सुंदर कांड पाठ का किया आयोजन

भीलवाड़ा. नगर माहेश्वरी महिला संस्थान द्वारा आनंद धाम में सुंदरकांड पाठ आयोजित किया गया। भारती बाहेती ने बताया कि संजय कॉलोनी महिला मंडल का व्यवस्था में विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर गोवंश रक्षा व पॉलीथिन बहिष्कार की प्रतिज्ञा ली। इसके साथ कपड़े के थैले बांटे गए। मधु लड्ढा, कांता मेलाना, अनिता नौलखा, विनीता तोषनीवाल, सुमित्रा भदादा, संध्या आगीवाल आदि मौजूद थीं।

जर्नलिस्ट एसोसिएशन उपाध्यक्ष बनें समदानी

भीलवाड़ा. पत्रकारों के राष्ट्रीय संगठन राजस्थान जर्नलिस्ट एसोसिएशन की भीलवाड़ा जिला इकाई के उपाध्यक्ष पद पर श्रीनगर माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष महावीर समदानी को नियुक्त किया गया। समस्त स्नेहीजनों ने उनकी नियुक्त पर हर्ष व्यक्त किया।

माहेश्वरी प्रीमियर लीग का हुआ आयोजन

चंद्रपुर. गत 4 एवं 5 जनवरी को रामबाग फारेस्ट ग्राउंड पर माहेश्वरी युवक मंडल एवं माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा माहेश्वरी प्रीमियर लीग वर्ष-11 क्रिकेट खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 05 टीमों ने भाग लिया। स्पर्धा में प्रथम पुरस्कार 11,111 एवं रनर अप को 7,777 रुपए माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा दिए गए। स्पर्धा में वरोरा टाइगर्स टीम विजयी रहा और राजुरा रॉयल्स उपविजेता। मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार श्रीधर धूत (वरोरा) को दिया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन माहेश्वरी युवक मंडल के सचिव दीपक कैलाराचंद्र सोमानी ने किया। कॉमेंट्री संबंधी संचालन सुरेश राठी एवं प्रभाकर मंत्री ने किया। प्रतियोगिता के नियम एवं प्रक्रिया प्रणाली संबंधी निवेदन प्रवीण सारडा, ऋषिकांत जाखोटिया ने किया। इस कार्यक्रम के प्रकल्प संचालक पंकज सारडा थे।

''विशेष परिचय सम्मेलन होगा'' आयोजन

मुंबई. स्थानीय माहेश्वरी प्रगति मंडल की विवाह सहयोग समिति द्वारा विशेष परिचय सम्मेलन गत 15 मार्च को आयोजित होगा। यह परिचय सम्मेलन केवल अधिक उम्र के युवक-युवती, विधुर, विधवा, परित्यक्ता एवं दिव्यांग प्रत्याशियों के लिए ही आयोजित हो रहा है। संयोजक मनोज लड्ढा ने बताया कि इसमें पंजीयन 15 मार्च तक करवाया जा सकता है। मात्र 400 रुपए पंजीयन शुल्क में प्रत्याशी के साथ दो अभिभावकों के चाय, नाश्ता व भोजन आदि की व्यवस्था भी रहेगी।

बाबा रामदेव की कथा का आयोजन

कलबुर्गी. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा श्री बाबा रामदेव चरितामृत कथा का आयोजन गत 4 से 6 जनवरी को श्री रमेशचंद्र लाहोटी मंगल कार्यालय कलबुर्गी में किया गया। इसमें पं. पवनकुमार मालोदिया ने संगीतमय कथा का रसपान कराया। माहेश्वरी महिला मंडल कलबुर्गी अध्यक्ष सरला काबरा, सचिव उमा बजाज, कोषाध्यक्ष मंगल बल्दवा एवं पूर्ण कमेटी ने बहुत ही उत्साहपूर्वक इस कथा का आयोजन किया। इसमें समाज के विभिन्न वरिष्ठ एवं युवा संगठन का सहयोग प्राप्त हुआ।

लड्ढा अध्यक्ष व भंडारी सचिव निर्वाचित

भीलवाड़ा. जिले के मांडलगढ़ कस्बे में हुए महिला मंडल के चुनाव में सर्वसम्मति से आशा लड्ढा को अध्यक्ष व सचिव सुधा भंडारी को चुना गया। साथ में उपाध्यक्ष इंदिरा झंवर, कोषाध्यक्ष रूपा कास्ट व कार्यकारिणी में सोनू असावा, कविता मूंदड़ा, मंजू भंडारी, राधा झंवर, आशा लड्ढा, रुकमणी मूंदड़ा, अनीता झंवर को सदस्य मनोनीत किया गया।

प्रादेशिक महिला संगठन ने ली पद की शपथ

बहादुरगढ़. हरियाणा-पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला मंडल की नई टीम का शपथ ग्रहण समारोह एवं प्रथम कार्यकारिणी बैठक 'शुभम' गत 12 जनवरी को माहेश्वरी भवन बहादुरगढ़ के प्रांगण में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय उत्तरांचल उपाध्यक्ष किरण लड्ढा, विशिष्ट अतिथि निवर्तमान उत्तरांचल सहसचिव शर्मिला राठी, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पूनम राठी, निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष मंजू सोमानी एवं दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष श्यामा भांगड़िया थी। अतिथियों का स्वागत हरियाणा पंजाब प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सुमन जाजू, सचिव सीमा मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष संध्या काबरा, संगठन मंत्री सरोज शारदा एवं बहादुरगढ़ माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा अनुराधा सोमानी आदि ने किया। राष्ट्रीय उत्तरांचल सहसचिव श्रीमती राठी ने नई टीम को शपथ ग्रहण करवाई। सभी सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया।

चाय-बिस्किट की व्यवस्था

उरई (जालौन). गत 14 जनवरी को पिताश्री स्व. माणिकचंद माहेश्वरी (डांगरा) की स्मृति में परिजनों द्वारा प्रातःकाल अपने प्रतिष्ठान माणिक कॉम्प्लेक्स एवं जिला अस्पताल, महिला अस्पताल में सपरिवार चाय, बिस्कुट, अलाव आदि की व्यवस्था कर लोगों एवं राहगीरों की सर्दी दूर करने का प्रयास किया गया। इस प्रयास की सर्वत्र सराहना हुई।

स्वयं को सदा इस ढंग से पेश कीजिए कि उससे ज्यादा अच्छे तरीके से पेश कर पाना आपके लिए सम्भव न हो।

निर्धन कन्या के विवाह में सहयोग

मथुरा. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल के सहयोग से एक निर्धन कन्या के विवाह में सहयोग का कार्य सफलतापूर्वक किया गया। इसमें मंडल की अधिकांश सदस्याओं द्वारा सहृदयता पूर्वक सहयोग प्रदान किया गया। इसमें लता माहेश्वरी न केवल इस कार्य की सूत्रधार रही बल्कि अन्य लोगों से भी पर्याप्त सामान एकत्रित किया। सब मिलाकर कन्या को लगभग 20 साड़ी, 4 सूट, दो स्वेटर, डबलबेड का कंबल, चादरें, दोहर, 3-4 पर्स, एयर बैग, जेंट्स शर्ट इत्यादि सामान प्रदान किया गया। इसके अलावा आभूषणों में सोने की बालियां, चांदी का गुच्छा, 4 जोड़ी बिछिया, पायल, जेंट्स व लेडीस घड़ी आदि भी शामिल थे। महिला मंडल सदस्यों द्वारा जो धनराशि प्रदान की गई थी, उससे सोने के कुंडल दिए व 2100 रुपए का लिफाफा प्रदान किया। रसोई से संबंधित जूसर, कैसरोल सेट, पुडिंग सेट, क्रॉकरी, ड्राईफ्रूट बॉक्स, गिफ्ट आइटम भी शामिल थे। संगीता गोदानी, ज्योति माहेश्वरी, लता माहेश्वरी, डिंपल, रचना भराडिया, रुचिता, कीर्ति, श्वेता, पुष्पा गांधी, मोहिनी, विजयलक्ष्मी डागा, चंद्रलेखा आदि कई सदस्याओं ने सहयोग दिया।

अखंड रामायण पाठ का हुआ आयोजन

अहमदाबाद. माहेश्वरी सखी संगठन अहमदाबाद ने गत 11 व 12 जनवरी को मलमास में अखंड रामायण पाठ का आयोजन सत्यनारायण पंडित के मुख से राधा-कृष्ण मंदिर थलतेज में किया। 11 जनवरी को दोपहर 12 बजे शोभायात्रा के साथ पाठ का शुभारंभ हुआ। पूर्णाहुति 12 जनवरी दोपहर 12 बजे महाप्रसादी के साथ की गई। इसमें अध्यक्ष नीलिमा मालू, सचिव दीपा धूत, कोषाध्यक्ष रक्षा मणियार एवं समस्त कार्यकारिणी का सहयोग रहा।

जरूरतमंदों को बांटे कंबल

कालांवाली (सिरसा). मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा गरीब व जरूरतमंद लोगों को गर्म कंबल, जुराबे आदि बांटे गए। माहेश्वरी युवा संगठन के कोषाध्यक्ष तरुण कोठारी ने बताया कि संगठन के सदस्य झुग्गी झोपड़ियों में गए और वहां जाकर उन्हें कपड़े आदि दिए। माहेश्वरी सभा के प्रधान नरेश माहेश्वरी ने बताया कि माहेश्वरी समाज हमेशा जरूरतमंद लोगों के साथ रहा है और उन्हें समय-समय पर सहायता उपलब्ध करवाई है।

स्नेह मिलन व कैलेंडर का विमोचन

भीलवाड़ा. महेश वचन एवं साख समिति द्वारा रामेश्वर भवन में नववर्ष स्नेह मिलन व कैलेंडर का विमोचन कार्यक्रम रखा गया। संरक्षक शांतिलाल डाड ने बताया कि सभापति मंजू चेचानी, प्रदेशाध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी, प्रदेश मंत्री सत्येंद्र बिरला, नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया, नगर मंत्री अतुल राठी, जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू, कैलाश मूंदड़ा व नगर महिला अध्यक्ष भारती बाहेती, मंत्री रीना डाड सहित माहेश्वरी समाज के कई पदाधिकारी की उपस्थिति में कैलेंडर का विमोचन किया गया। संपादक सुधा चांडक थीं। राजेश सोमानी, संदीप लड्ढा व रूपलाल गगरानी ने कई खेलकूद स्पर्धाएं आयोजित करवाईं। आशा डाड, ममता ईनाणी, उर्मिला अजमेरा, चेतना जागेटिया, रंजना बिरला, सुशीला अजमेरा आदि का सहयोग रहा। मंच का संचालन ओम का कावरा ने किया। भोजन व्यवस्था बद्रीप्रसाद सोमानी ने संभाली।

गट्टानी हुए सम्मानित

अमरावती. ख्यात समाजसेवी जुगलकिशोर गट्टानी गत 30 वर्षों से सामाजिक, आध्यात्मिक, शैक्षणिक आदि कार्यों में अपना सक्रिय योगदान दे रहे हैं। इसके लिए श्री गट्टानी का सम्मान पत्र, शॉल, श्रीफल से सम्मान किया गया। सम्मान करने वाली संस्था महेश सेवा समिति के प्रमुख रतनलाल अटल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में माहेश्वरी सेवा मंच के अध्यक्ष सुनील मंत्री, सचिव प्रमोद राठी, कमलकिशोर मालाणी आदि उपस्थित थे। आयोजन प्रमुख विजय भूतड़ा, शरद कासट, डॉ. सूर्यप्रकाश मालाणी आदि का इसमें सक्रिय योगदान रहा।

माई चौथ का सामूहिक उद्यापन

हैदराबाद. संस्था संस्कार धारा द्वारा माई चौथ का उद्यापन सुल्तान बजार स्थित श्री नृसिंह मंदिर में संपन्न हुआ। संस्कार धारा की संस्थापिका कलावती जाजू ने बताया कि इसमें लगभग 15 महिलाओं का उद्यापन कराया गया। संस्था अध्यक्ष श्यामा नावंदर, मंत्री अंजना अटल, कोषाध्यक्ष प्रेमलता काकाणी सहित किरण बंग, सुरेखा सारडा, शांता सारडा, शोभा लोया, पद्मा बजाज एवं पद्मा सारडा आदि उपस्थित थीं।

पाठशाला को कम्प्यूटर भेंट

वारंगल. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सामाजिक सेवाओं को व्यापक तौर पर संपादित करने हेतु गठित माहेश्वरी महिला चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा जिले के परकाल मंडल स्थित सरकारी जिला परिषद हाईस्कूल के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर भेंट किया गया। माहेश्वरी महिला मंडल की मंत्री सरिता सोमाणी ने बताया कि इस अवसर पर परकाल जिला परिषद हाईस्कूल के अध्यापक और विद्यार्थी के साथ मंडल की प्रादेशिक उपाध्यक्ष चंदा सोनी, निवर्तमान प्रादेशिक उपाध्यक्ष इंद्रा सोनी, कोषाध्यक्ष प्रेमलता मूंदड़ा, सांस्कृतिक मंत्री नीतू बंग, मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

न्यू ईयर कार्निवाल का आयोजन

कोटा. माहेश्वरी महिला मंडल कोटा का न्यू ईयर कार्निवाल एवं सम्मान कार्यक्रम झालावाड़ रोड स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। अध्यक्ष ऋतु मूंदड़ा ने बताया कि नववर्ष कार्यक्रम मेले के रूप में मनाया गया। सभी कार्यकारिणी सदस्याओं द्वारा गेम्स व फूड स्टॉल लगाए गए, साथ ही कई स्पर्धा रखी गई। इसमें नवनियुक्त अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति (पश्चिमांचल) राजेशकृष्ण बिरला एवं भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी का स्वागत एवं सम्मान किया गया। काईट डेकोरेशन, फिल्मी गीत प्रतियोगिता, हाऊजी का धमाल आदि सभी कार्यक्रमों में करीब 200 महिलाओं की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी द्वारा सभी को उपहार दिए गए।

बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

बेरड़ी. सरस्वती शिशु मंदिर बेरड़ी के संयोजक एवं ग्राम भारती छिंदवाड़ा के सदस्य बृजकिशोर सुदा ने 70वां जन्मदिन गत 4 दिसंबर को सपरिवार हिंदू वैदिक पद्धति से स्कूल विद्यार्थियों एवं आचार्य परिवार के साथ मनाया। श्री सुदा ने 1993 में सरस्वती शिशु मंदिर बेरड़ी की नींव रखी थी। वे तब से स्कूल के संयोजक के नाते मार्गदर्शन करते हैं एवं सपरिवार स्कूल के भैय्या/बहनों के साथ जन्मदिन मनाते हैं। जन्मदिन पर श्री गुरुजी शिक्षण समिति सौसर के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

नेत्र रोग शिविर का हुआ आयोजन

वर्धा. माहेश्वरी नवयुवक मंडल ने गत 5 जनवरी को कस्तूरबा हेल्थ सोसाइटी, बुलडाणा अर्बन एवं महेश नागरी सहकारी पतसंस्था के संयुक्त तत्वावधान में 19वां राज्यस्तरीय निःशुल्क नेत्र रोग निदान शिविर माहेश्वरी भवन में आयोजित किया। बुलडाणा अर्बन क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के सुकेश झंवर प्रमुख अतिथि के रूप में मौजूद थे। अपने संबोधन में उन्होंने उपस्थित श्रोताओं को अवयव दान का महत्व व उपयोगिता विषय पर मार्गदर्शन दिया। इस वक्त मंच पर परमानंद तापड़िया सेवाग्राम अस्पताल के नेत्र विभाग प्रमुख डॉ. अजय शुक्ला, बुलडाणा अर्बन सोसाइटी के विनय राजे एवं महेश नागरी के अध्यक्ष श्रीराम टावरी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। प्रकल्प प्रमुख अजय राठी ने विगत 18 वर्षों से जारी शिविर की अब तक की उपलब्धि बताई, जिसमें 11781 से अधिक रोगियों की जांच एवं 2900 से अधिक का ऑपरेशन किया गया। शिविर के प्रचार प्रसार व उल्लेखनीय कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं के साथ ही 7 परिवार जिन्होंने मरणोपरांत आंखों का दान किया, उन सभी का सत्कार किया गया। आर्वी से पधारी उषादेवी राठी ने इस अवसर पर मरणोपरांत देहदान की घोषणा की। शिविर में 726 लोगों की जांच की गई। 293 की शल्यक्रिया होगी। 112 मरीजों को निःशुल्क चश्मे भी वितरित किए गए। शिविर का संचालन स्वप्निल बिसानी ने किया। माहेश्वरी मंडल वर्धा के अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी, सचिव संजय टावरी, नवयुवक मंडल अध्यक्ष अमित टावरी, सचिव गीतेश चांडक, प्रकल्प अधिकारी संजय मोहता, लोकेश कुलधरिया सहित समस्त सदस्यों का योगदान रहा।

पूजा बनीं मिसेज इंडिया

भीलवाड़ा. दिल्ली में आयोजित मिसेज इंडिया एचबी सीजन 5 स्पर्धा में किशनगढ़ की बेटी और भीलवाड़ा की बहू डायटिशियन पूजा माहेश्वरी विजेता रहीं। पूजा किशनगढ़ निवासी घनराज जैथलिया व हेमलता जैथलिया की बेटी, फार्मासिस्ट राजीव जैथलिया की बहन तथा अभिषेक राठी (भीलवाड़ा) की धर्मपत्नी हैं। इस स्पर्धा में पूरे देश से करीब 400 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिनमें से 15 प्रतियोगी फाइनल में पहुंचे।

वो आज मशहूर हो गए जो कभी काबिल न थे.... और मंजिले उनको मिली जो दौड़ में कभी शामिल न थे..

उत्कृष्ट जिले का मिला अवॉर्ड

राजगढ़ (ब्यावरा). जिले को उत्कृष्ट जिले का अवॉर्ड गत 5 जनवरी को इंदौर के माला गार्डन में कन्ज्यूमर प्रोडक्ट का डिस्ट्रिब्यूटर करने वाले व्यापारियों के राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में प्रदान किया गया। इसमें प्रदेश के सभी जिलों से लगभग 1200 डिस्ट्रिब्यूटर व्यापारी और लगभग 23 प्रदेशों के प्रदेश स्तर के व्यापारी इंदौर पहुंचे। इस अधिवेशन में व्यापारियों को आ रही समस्याओं के बारे में मंथन किया गया एवं व्यापार को कैसे बढ़ाया जाए, उस पर विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष धैर्यसिंह पाटिल नागपुर और राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. गणेशराम तमिलनाडु द्वारा राजगढ़ जिले के डिस्ट्रिब्यूटर एसोसिएशन अध्यक्ष संपत मोदानी को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री मोदानी राजगढ़ जिला माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष तथा वर्तमान में अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यकारिणी मंडल सदस्य भी हैं।

महिला मंडल ने किया चाय वितरण

वरंगल. राजस्थानी महिला मंडल द्वारा कड़ाके की सर्दी को देखते हुए राहगीरों को चाय वितरण किया गया। इसके अंतर्गत 16 जनवरी को स्थानीय वरंगल स्टेशन रोड पर 500 राहगीरों को चाय वितरण किया गया। उक्त जानकारी मंडल देते हुए मंडल मंत्री मंजू रंगनाथ लाहोटी ने बताया कि मंडल के अध्यक्षा एवं कार्यकारणी सदस्यों के साथ इस कार्यक्रम में समाज के कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य सदस्य भी शामिल हुए। अध्यक्ष बीना किशन बोहरा ने कहा कि आगे भी ऐसे अनेक कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

संगठन के नवपदाधिकारी मनोनीत

रतलाम. माहेश्वरी सेवा संगठन की साधारण सभा एवं पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें संगठन के 50 सदस्य व दंपत्तियों सहित 150 सदस्य उपस्थित थे। साधारण सभा में संगठन के संरक्षक द्वारकादास भंसाली, ओमप्रकाश झंवर एवं अध्यक्ष रतन धूत द्वारा उद्बोधन दिए गए। संगठन के सचिव सुशील डांगरा द्वारा सभा की कार्रवाई शुरू करते हुए संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी गई। संगठन द्वारा फिजियोथैरेपी सेंटर का संचालन किया जाता है, जिसकी जानकारी सुनील राठी द्वारा दी गई। संगठन उपाध्यक्ष द्वारकाधीश धूत को आगामी सत्र हेतु अध्यक्ष मनोनीत किया गया। संरक्षक द्वारकादास भंसारी द्वारा भूपेंद्र-सुनीता चिचानी को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर शैलेंद्र डागा, डॉ. बीएल तापड़िया, शैलेंद्र नामश्रराणी, रमेश डारिया, कैलाश मालपानी, नवलकिशोर राठी, सतीश मारोठिया, संतोष काबरा एवं राजेश चौखड़ा आदि उपस्थित थे।

स्वागत समारोह एवं दिनदर्शिका का विमोचन

अजमेर. श्री माहेश्वरी प्रगति संस्थान द्वारा समाज में निःशुल्क वितरण हेतु दिनदर्शिका 2020 का विमोचन कार्यक्रम 'आनंदम', वैशाली नगर में आयोजित हुआ। प्रचार मंत्री कैलाश मालू ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष विजयशंकर मुंदड़ा सरवाड़, विशिष्ट अतिथि अजमेर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राठी किशनगढ़, अजमेर जिला माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष अनिता सोमाणी, अजमेर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा अध्यक्ष ज्वालाप्रसाद काकाणी थे। संस्थान अध्यक्ष अतुल झंवर ने बताया कि संस्थान द्वारा मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विजयशंकर मुंदड़ा, उपाध्यक्ष शिवदास बाहेती, संयुक्त सचिव कमल काबरा, अजमेर जिला माहेश्वरी सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओमप्रकाश राठी, उपाध्यक्ष जगदीश झंवर, महामंत्री ताराचंद माहेश्वरी आदि का सम्मान किया गया।

श्री गोधा रंगनाथ विवाह उत्सव मनाया

हैदराबाद. श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल चप्पल बाजार द्वारा श्री सत्यनारायण मंदिर में जारी धनुर्मास उत्सव के अंतर्गत श्री गोधा रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया गया। सुबह 9.31 बजे मंदिर से भगवान श्री गोधा रंगनाथ की शोभायात्रा (बारात) निकाली गई। इसमें प्रमुख समाजसेवी गोपाल बल्दवा एवम मंजू बल्दवा, महेश बैंक के एमेरिट्स चेयरमैन रमेश बंग, निर्देशक राम भंडारी, श्रीनिवास असावा, लक्ष्मीनारायण राठी, तेलंगाना-आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा एवं हैदराबाद-सिकंदराबाद माहेश्वरी सभा के भगवान पंसारी, गोपाल सोमानी, कन्हैयालाल राठी आदि कई गणमान्यजन शामिल हुए।

हाईकू

राम मुंदड़ा, इंदौर

नाराज होना
कुछ लोगों का,
लाजमी सा है...
हम भी तो
गलत को गलत,
कह देते हैं...

■

बाहर से
सुलझे हुए
दिखने के लिए
अंदर बहुत
उलझना पड़ता है..

■

मुझमें-तुझमें
बस
एक रिश्ता है
तेरे अंदर भी
छटपटाहट है

■

उम्मीदे
आधी जिंदगी है
मायूसी
आधी मौत..

■

जो समझता है
समझना उसे ही
पड़ता है...

■

मुद्दते
गुजर गई
हिसाब नहीं
किया
न जाने
अब किसके
कितने रह गए हैं..

मथुरा वृंदावन यात्रा का हुआ आयोजन

नागदा. माहेश्वरी समाज द्वारा दो दिवसीय मथुरा वृंदावन यात्रा गत 4 जनवरी को शाम 7 बजे इंदौर निमाजमुद्दीन ट्रेन से मथुरा के लिए रवाना हुई। इसमें 60 से अधिक समाजजन शामिल हुए। समाजजनों ने यमुना महारानी की आरती के दर्शन किए व मथुरा से बस द्वारा गोवर्धन जतीपुरा के लिए प्रस्थान किया। जतीपुरा में समाज द्वारा गंगाधाम पर भजन कीर्तन किए गए। गिरराज जी को 56 भोग लगाया गया एवं आरती के दर्शन किए। समाजजनों ने कीर्तनों के साथ गोवर्धन परिक्रमा की। नंदगांव, बरसाना, वृंदावन बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन किए। समाज अध्यक्ष रमेश मोहता ने बताया कि यात्रा में ब्रेसिम के पूर्व प्रेसिडेंट प्रकाश-रेणु माहेश्वरी, रमेशचंद्र-सरिता मोहता, गोपाल-किरण बजाज, घनश्याम-सुनीता राठी, मुकेश-अलका नवाल, अशोक-सुषमा बिसानी, सुरेंद्र-उषा राठी, जमना-सीमा मालपानी, वल्लभ-तारा मोहता, राजेंद्र-प्रीति मालपानी, राजकुमार-शकुंतला मोहता, नंदकिशोर-लीला मालपानी आदि शामिल हुए। जानकारी विपिन मोहता ने दी।

फ्रेंड्स ग्रुप की कार्यकारिणी गठित

इंदौर. माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप संस्थापक सुरेश जमना राठी व रमेश सावित्री राठी ने 2020 के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किए। इसमें अध्यक्ष सुभाष हेमलता भट्टड़, मंत्री तरुण रचना तापड़िया, मीडिया प्रभारी संपतकुमार राधा साबू, उपाध्यक्ष सूर्यप्रकाश संतोष झंवर, सतीश सीमा राठी, सहसचिव भरत सावित्री भट्टड़, कोषाध्यक्ष गोपाल मंजुला अजमेरा चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन किया गया।

'परोपकार' बहुत विश्वसनीय कार्य है जिसका ईश्वर के अतिरिक्त कोई 'साक्षी' नहीं है?

महेश क्रेडिट कोऑपरेटिव की आमसभा संपन्न

भीलवाड़ा. महेश क्रेडिट कोऑपरेटिव सो. लि. की सप्तम आमसभा हरनी महादेव रोड स्थित रामेश्वरम भवन में संपन्न हुई। संस्था सचिव श्यामसुंदर नौलखा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई। कार्यक्रम का संचालन जगदीशप्रसाद कोगटा ने किया। कार्यक्रम के दौरान कोषाध्यक्ष आलोक पलोड ने संस्था द्वारा वित्तीय वर्ष 2018-19 के किए गए कार्यों का विवरण दिया। संस्था अध्यक्ष कन्हैयालाल खटौड़ द्वारा 6 प्रतिशत लाभांश की घोषणा की गई, जिसे उपस्थित समस्त सदस्यों द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। कार्यक्रम में नगर परिषद सभापति मंजू चेचानी का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष कैलाश कोठारी, जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू, नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया, संचालक सदस्य रामस्वरूप तोषनीवाल, कमल कास्ट, महावीर सोनी, सुनीता जागेटिया, मधु तोषनीवाल सहित लगभग 1000 से अधिक सदस्य मौजूद थे।

महिला संगठन का पदस्थापना समारोह संपन्न

भीलवाड़ा. नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष सीमा कोगटा के नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों का काशीपुरी माहेश्वरी भवन में शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। सचिव प्रीति लोहिया, कोषाध्यक्ष मांडल से अर्चना बिड़ला, संगठन मंत्री शाहपुरा से सुमित्रा मनिहार, उपाध्यक्ष जहाजपुर से विष्णु माहेश्वरी, गुलाबपुरा से दिव्या कालिया, बिकोला से मंजू पटवारी, संयुक्त मंत्री भीलवाड़ा से राधा न्याती, मांडलगढ़ से इंदिरा झंवर, गंगापुर से वंदना बाल्दी व कार्यकारिणी सदस्यों को पश्चिमांचल उपाध्यक्ष ममता मोदानी ने शपथ दिलाई।

महिला समिति के चुनाव संपन्न

बरेली. माहेश्वरी महिला समिति बरेली के चुनाव समिति के पूर्व पदाधिकारियों के सान्निध्य में संपन्न हुए। इसमें संरक्षिका कुमकुम काबरा, जिलाध्यक्ष प्रभा मूना, अध्यक्ष शशि साबू, उपाध्यक्ष ललिता प्रवाल, सचिव रेणु प्रवाल, सहसचिव मनीषा झंवर, कोषाध्यक्ष अंजलि काबरा चुनी गईं।

अच्छे लोगों के मन में जो बात होती है,
वे वही वो बोलते हैं और
ऐसे लोग जो बोलते हैं, वही करते हैं।
सज्जन पुरुषों के मन, वचन
और कर्म में एकरूपता होती है

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

बाग. नगर के झंवर परिवार द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञों चिकित्सकों द्वारा अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए 850 मरीजों का परीक्षण कर उपचार किया गया। लगभग 60 लोगों ने स्वप्रेरणा से रक्तदान कर भागीदारी की। उर्मिला झंवर (नाथी जीजी) पूर्व अध्यक्ष माहेश्वरी महिला मंडल की पुण्य स्मृति में आयोजित इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ एसडीएम कुक्षी बीएस कालेश के मुख्य आतिथ्य एवं नायब तहसीलदार श्री राजोरिया व बाग थाना प्रभारी कमलेश सिंगार के विशेष आतिथ्य में हुआ। आयोजक झंवर परिवार के साथ ही वरिष्ठ समाजसेवी बालकृष्ण झंवर, ग्राम पंचायत बाग के उपसरपंच दिनेश झंवर, उमेश झंवर, अखिलेश झंवर सहित नगर के कई गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण मौजूद थे। झंवर परिवार ने चिकित्सकों को उनकी सेवाओं के लिए स्मृति चिह्न व सम्मान पत्र प्रदान किए। इसी तरह रक्तदान करने वालों को बैग एवं प्रमाण-पत्र दिए गए। शिविर में व्यवस्था में सहयोग करने वालों को भी बैग प्रदान किए गए।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण

ब्यावर (राजस्थान). मकर संक्रांति के पावन पर्व पर ब्यावर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा नीलकंठ रोड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दुर्गावास में स्कूल के कक्षा छठवीं से लेकर 12वीं तक के जरूरतमंद लगभग 51 सीनियर विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किए गए। इस अवसर पर ब्यावर क्षेत्रीय अध्यक्ष जुगलकिशोर मणियार ने मकर संक्रांति पर्व की महत्ता को समझाया। क्षेत्रीय प्रचार मंत्री राजेंद्र काबरा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के गणमान्यजनों के साथ ही शाला के प्रधान सुनील हरकुट, अध्यापक राजेंद्र चौहान, कमल वैष्णव, मनोज जांगीड़ आदि मौजूद थे।

यदि आप आज फिटनेस के लिए समय नही निकाल पा रहे है तो वास्तव में आप इस समय को आपकी कल आने वाली बीमारी के लिए सहेज रहे हैं ॥

अंगदान-महादान अभियान आयोजित

बालोतरा. स्थानीय स्तर पर अंगदान-महादान जागरुकता अभियान के तहत सात दिवसीय कार्यक्रम का आगाज स्वाति मानधना द्वारा किया गया। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में विद्यार्थियों को पोस्टर, बैनर, स्लोगन प्रतियोगिताओं के माध्यम से अंगदान के महत्व के बारे में समझाया गया। प्रतियोगिता में स्थानीय स्तर के सभी प्रमुख विद्यालयों ने भाग लिया। अभियान का उद्देश्य लोगों को अंगदान के प्रति जागरूक करना था ताकि इससे किसी का जीवन बचाया जा सके। उन्होंने स्वयं भी देहदान का संकल्प लिया है।

रामकथा का हुआ आयोजन

इंदौर. माहेश्वरी फ्रेंड्स ग्रुप द्वारा रामकथा के पूर्व श्री लक्ष्मी वैंकटेश देव स्थान छत्रीबाग मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। स्वामीश्री वैंकटेश प्रपन्नाचार्य महाराज के मार्गदर्शन में रामकथा संपन्न हुई। इस कथा के मुख्य यजमान जगदीश राधा लड्ढा थे। कथा में मुख्य रूप से सुरेश जमना राठी, संपतकुमार राधा साबू, महेश पुष्पा काबरा, कैलाश गीता सोमानी, लीलाधर ललिता मानधन्या, सुरेश सावित्री सिंघी, जगदीश प्रमिला भूतड़ा आदि समाजजन एवं भक्तजन मौजूद थे। जानकारी मीडिया प्रभारी संपतकुमार राधा साबू ने दी।

कला संस्कृति को बचाने प्रधानमंत्री से गुहार

जोधपुर. लेखक व समाजसेवी विकास चांडक ने पत्र प्रेषित कर प्रधानमंत्री से राजस्थान की कला व संस्कृति के गर्भ को बचाने की अपील की है। उन्होंने इसमें कहा कि मेरे अनुसार ऐतिहासिक धरोहरों का विश्व का सबसे बड़ा व सबसे अनोखा केंद्र है, हमारा राजस्थान। यहां आवाज में सुर और चाल में ताल, जहां मुखे में समुद्र का एहसास दिलाता जोधाणा और संस्कृति की पहचान, हुकुम सा और रंगीला साफा है। कला एवं संस्कृति के इस गर्भ में पिछले कुछ समय से माना सन्नाटे सा है। कैलाश खेर व शैलेष लोढा जैसे कलाकार, सन्नाटे के इस साये में ओझल होते जा रहे हैं। राजस्थान की इस धरा से निकली केसरीसिंह बाहरठ की दो पंक्तियां अंगनी को चादर से ढंकना धर्म है, जिसने स्वतंत्रता की चिंगारी को ज्वाला का रूप दिया, एक क्रांतिकारी जो जेल में अनाज के दानों से भारत का नक्शा बना साथियों में देशभक्ति जगता था। आज उसी राज्य में कला के मंच खंडहर बने हैं और कला के संरक्षण के नाम पर मुस्कुराहट में छिपी उपेक्षा ही कलाकारों के हाथ लगती है।

लोकसभा अध्यक्ष के साथ गोष्ठी

नागपुर. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने माहेश्वरी समाज बंधुओं से सदिच्छा भेंट की। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सोनी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विजय चांडक ने लोकसभा अध्यक्ष से समाज के वरिष्ठ सेवाभावी एवं प्रमुख पदाधिकारियों की संगोष्ठी करवाई। इसमें श्याम सोनी, विजय चांडक, गोविंद मंत्री, राकेश मैया, शिवरतन गांधी, मदनमोहन डागा, शरद सोनी, सीए राजेश काबरा, गोपाल चांडक, श्रीकृष्ण राठी, विनय मोहता, सुरेश राठी, चंदूबाबू चांडक, सीए शिवदास राठी, महेंद्र चांडक, श्रीकिशन लखोटिया, महिला समिति की ओर से सुषमा बंग, आशा दुजारी, सावित्री पचीसिया, माधुरी मोदी आदि उपस्थित थी। उद्योगपति नंदू बाबू सारडा, रमेश रांधड़, श्रीगोपाल रांधड ने भी व्यवसाय की स्थिति से उन्हें अवगत कराया। "सेव मेरिट-सेव नेशन" मुहिम के प्रणेता डॉक्टर लद्धड़ ने उनको मुहिम के बारे में अवगत कराया एवं ज्ञापन दिया।

डॉ. सिकची की पुस्तक का विमोचन

कोलकाता. भारतीय भाषाई समाचार पत्र संगठन (इलना) के राष्ट्रीय अध्यक्ष परेशनाथ ने इलना की आमसभा में डॉ. सिकची द्वारा लिखित पुस्तक 'दक्षिण उदय' का विमोचन किया। यह दक्षिण की रौनक राष्ट्रीय हिंदी पत्रिका का स्वास्थ्य व चिकित्सा जगत संबंधी विशेषांक है। यह विशेषांक दक्षिण की रौनक के ग्राहकों के सदस्यों को निःशुल्क दिया जाएगा।

हमारे पास जो कुछ है
उसका आनंद तभी ले पायेंगे....।
जब हमारे पास जो नही है
उसकी चिन्ता छोड़ेंगे..!!

लायंस क्लब श्रीगंगानगर रॉयल्स गठित

श्रीगंगानगर. लायंस क्लब श्रीगंगानगर सेंट्रल के तत्वावधान में लायंस क्लब श्रीगंगानगर रॉयल्स की स्थापना की गई है। नववर्ष की शुरुआत में ही स्थापित इस नए क्लब का प्रतिस्थापन व चार्टर नाईट कार्यक्रम 14 जनवरी को शाम 7.30 बजे आयोजित हुआ। लायंस क्लब श्रीगंगानगर सेंट्रल के अध्यक्ष आशीष अरोड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार गौड़, पदप्रतिस्थापन अधिकारी लायंस क्लब (प्रांत 3233 ई-1) के प्रांतपाल अशोक ठाकुर, नवप्रवर्तन अधिकारी विनोद गोयल, विशिष्ट अतिथि रीजन चेयरमैन अजय मित्तल, प्रांतीय सचिव बनवारीलाल गोयल व जोन चेयरपर्सन पारूल भाटिया होंगे। गाइडिंग लायन अतिरिक्त प्रांतीय सचिव विमल बिहाणी होंगे। एक्सटेंशन चेयरपर्सन रमेश मित्तल होंगे। नए क्लब में अध्यक्ष विनम्र बिहाणी, सुमित बंसल सचिव व पुनीत गोल्याण कोषाध्यक्ष के साथ आकाश बंसल, अतुल साहुवाला, वासु सिंगल, अंकुर बिहाणी आदि शामिल हैं।

गुणवत्ता कोई आकस्मिक घटना नहीं होती,
बल्कि आपके सराहनीय प्रयास का नतीजा होता है?

राम लेखन कार्यशाला का हुआ आयोजन

जबलपुर. माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा राम लेखन कला कार्यशाला (राम शब्द से चित्र बनाना) का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक कला को कोलकाता से आई कविता डागा ने सिखाया। विनोद मालानी, श्रीकृष्णकुमार सावानी, माहेश्वरी महिला मंडल से सीमा राठी, सरला मट्टड़, ममता चाचा, सुमन सावानी, उषा जेठा, रजनी राठी, वंदना गट्टानी आदि सहित कई बुजुर्ग, महिलाएं, युवा व बच्चों ने लाभ लिया।

कुष्ट सेवा आश्रम में दान

बरेली. माहेश्वरी महिला समिति बरेली द्वारा संक्रांति के पर्व पर नगर स्थित कुष्ठ सेवा आश्रम में 12 जनवरी को आश्रम के परिवारों को भोजन करवाया। साथ ही कपड़े तथा तेल, साबुन, क्रीम, वैसलीन इत्यादि जरूरत की वस्तुएं दान की। इसमें समिति की सभी सदस्याओं ने तन-मन-धन से सहयोग किया।

अन्नकूट महोत्सव का हुआ आयोजन

इंदौर. श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रूपेश भूतड़ा ने बताया कि संगठन द्वारा गुमाश्ता नगर स्थित परस्पर गार्डन में 1300 माहेश्वरी समाज बंधुओं के बीच आयोजित अन्नकूट महोत्सव, 56 भोग शृंगार एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अतिथि राजेश होलानी थे। चंद्रप्रकाश लड्ढा, प्रकाश सोडानी, इंदौर जिलाध्यक्ष राजेश मूंगड़ विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। इस दौरान सुनील बेडिया परिवार द्वारा छप्पन भोग शृंगार किया गया। इसे कैलाश जाजू द्वारा शृंगारित किया गया। आयोजन के समन्वयक टोडरमल मूंदड़ा, प्रदीप जाखेटिया, डॉ. प्रवीण काबरा, सयोजक महेश बल्दवा आदि द्वारा मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष विमल बांगड़, उपाध्यक्ष संतोष बेड़िया, सहसचिव अश्विन माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष प्रदीप बाहेती, संगठन मंत्री कैलाश जाजू, प्रचार मंत्री आशीष कोठारी द्वारा अतिथियों को स्मृति चिह्न दिए गए।

श्रीमद्भागवत सप्ताह का हुआ आयोजन

हिम्मतनगर-गुजरात. माहेश्वरी समाज द्वारा श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन महावीरनगर हिम्मतनगर में किया गया। व्यासपीठ से पं. रुद्रदेव त्रिपाठी (जावदवाले) के मुखारविंद से भी श्रीमद्भागवत पुराण का रसपान कराया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हिम्मतनगर के सभी समाजबंधुओं, हिम्मनगर माहेश्वरी युवा संगठन, माहेश्वरी महिला संगठन तथा विशेष रूप से राधेश्याम समदानी एवं शांतिलाल मूंदड़ा ने सहयोग प्रदान किया।

जब हम रिश्तों के लिए वक्त नही निकाल पाते!
तो वक्त,हमारे बीच से रिश्ता निकाल देता है!!

श्रीमद्भागवत ज्ञान महोत्सव का आयोजन

उदयपुर. धर्मप्रेमी जानकीलाल रामजस मूंदड़ा परिवार की तरफ से सुभाषनगर स्थित साहेब वाटिका में गत दिनों श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया। इसका प्रतिदिन लगभग 1500 श्रद्धालुओं ने श्रवण किया। व्यासपीठ पर पं. मोहनलाल व्यास विराजमान थे। मुख्य सूत्रधार डॉ. अलका मूंदड़ा ने बताया कि कथा के प्रथम दिन राजस्थान भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया तथा कथा के अंत में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि थे। कथा आयोजन का मुख्य संदर्भ मुख्य आयोजक रामजस-रामकन्या मूंदड़ा की शादी के 50 वर्ष पूर्ण हो जाना था। जानकारी संयोजक मुरलीधर गट्टानी ने दी। सुशील मूंदड़ा ने भागवत भक्तों का आभार माना।

हर समस्या का समाधान समझदारी, मानवता, धैर्य एवं मुस्कान से करें... रिश्ते कभी खराब नहीं होंगे ?

डॉ. माहेश्वरी अध्यक्ष, सेठिया महासचिव

उदयपुर. जिला माहेश्वरी सभा की कार्यकारिणी का निर्वाचन प्रदेश पर्यवेक्षक मनोहरलाल अजमेरा एवं प्रमोदकुमार डाड के सान्निध्य में संपन्न हुआ। मुख्य चुनाव अधिकारी रमेशप्रकाश माहेश्वरी ने बताया कि इसमें अध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण माहेश्वरी, महासचिव रामस्वरूप सेठिया, अर्थमंत्री राकेश मूंदड़ा, उपाध्यक्ष ईश्वरलाल कोठारी, कैलाश भंडारी, कृष्णगोपाल मूंदड़ा, संगठन मंत्री पुरुषोत्तम मंडोवरा, संयुक्त मंत्री नितिन मंडोवरा, रमेशचंद्र कचौलिया, छोगालाल सामरिया निर्विरोध निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्यों का चयन भी हुआ।

महेश सेवा निधि की कार्यकारिणी गठित

रायपुर. छत्तीसगढ़ महेश सेवा निधि में प्रबंध न्यासी मनोज राठी रायपुर, बालकिशन झंवर दुर्ग को मानद मंत्री एवं अजय सोमानी को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इस पर छग प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रामरतन मूंधड़ा, प्रदेश मंत्री सुरेश मूंधड़ा सहित समस्त पदाधिकारी व सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया।

शर्मिला राठी
संचालक
maheshwari.org

अ.भा. माहेश्वरी महासभा
के 29वें सत्र एवं
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन
के द्वादश सत्र के समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का
हार्दिक अभिनंदन, बधाई एवं शुभकामनाएं

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

जब किसी भी गरीब परिवार में कोई बीमार हो जाता है, तो जितनी समस्या उसकी देखरेख की होती है, उससे भी बड़ी चुनौती होती है, उसके इलाज के खर्च की। महंगी-महंगी दवाओं का खर्च उठा पाना आम व्यक्ति के बस का रोग नहीं होता और तिल-तिलकर दम तोड़ते हुए भी वह अपनों को नहीं देख सकता। बस इसी जद्दोजहद में उसका घर बार तक बिक जाता है। ऐसे ही रोगियों के लिए मसीहा बनकर सामने आए हैं, निजामाबाद निवासी समाजसेवी पुरुषोत्तम सोमानी। उन्होंने दवाओं के मूल्य कम करवाने के लिए न सिर्फ लंबा संघर्ष किया, बल्कि कैंसर के रोगों की दवाओं का मूल्य 90 प्रतिशत तक कम करवा कर ही दम लिया।
श्री माहेश्वरी टाईम्स आपकी क्रांतिकारी समजासेवा को नमन करती है।

मरीजों के मसीहा
पुरुषोत्तम सोमानी

वर्तमान में निजामाबाद निवासी वरिष्ठ समाजसेवी पुरुषोत्तम सोमानी की प्रतिष्ठा क्षेत्र या प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में बीमारी से जूझते रोगियों तथा उनके परिजनों के लिए किसी मसीहा से कम नहीं है। आखिर हो भी क्यों न, उन्होंने वह कर दिखाया है, जो उनसे पहले सरकार भी नहीं कर पाई थी। श्री सोमानी ने दवा कंपनियों की खुली लूट के खिलाफ एक ऐसा जनअभियान चलाया कि जिसके सामने सरकार को भी झुकना पड़ा। इसका नतीजा यह रहा कि लागत मूल्य से बहुत अधिक कीमत वाली कई दवाओं के मूल्य 90 प्रतिशत तक कम हो गए। यही नहीं अब वह अन्य दवाओं के मूल्य को नियंत्रित करने के लिए दबाव बनाए हुए हैं। अब सरकार मूल्य नियंत्रक कानून भी लाने वाली है।

तकनीकी शोध से परिपूर्ण मस्तिष्क

श्री सोमानी का जन्म 4 अगस्त 1954 को श्री रामगोपाल सोमानी के यहां हुआ था। सन 1977 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई की उपाधि प्राप्त कर अपने मस्तिष्क में बसी नवीनतम शोधपरक सोच को मूर्तरूप देने के लिए स्व व्यवसाय के क्षेत्र की ओर बढ़ गए। वे वर्तमान में निजामाबाद (तेलंगाना) में मे. शाम एजेंसिस के नाम से व्यवसाय का संचालन कर रहे हैं। श्री सोमानी ने वर्ष 1977 में किसानों के लिए उपयोगी सोलर इंजिन विकसित किया, जो बिना बिजली के पानी देने का काम करता है। इसी प्रकार उन्होंने वर्ष 1997 में ट्रैक्टर युक्त टू-इन-वन हार्वेस्टर विकसित किया। श्री सोमानी को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा द्वारा वर्ष 1997 में सोलर इंजिन के आविष्कार तथा समाजसेवा के लिए प्रतिष्ठित इंदिरा गांधी प्रियदर्शिनी अवॉर्ड द्वारा नई दिल्ली में सम्मानित भी किया गया। उनके साथ इसी सम्मान से समाजसेवा के क्षेत्र में सम्मानित होने वालों में ख्यात समाजसेवी स्व. मदर टेरेसा भी शामिल थीं।

कई समाजसेवी संस्थाओं को योगदान

श्री सोमानी समाज संगठन के अंतर्गत अखा माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य तथा एपी माहेश्वरी महासभा ट्रस्ट सदस्य हैं। सेवा संस्था श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र के कोषाध्यक्ष तथा श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के ट्रस्टी हैं। इसके साथ अन्य संस्थाओं में भाजपा की तेलगांना राज्य स्वच्छ भारत अभियान कमेटी के संयुक्त संयोजक, प्रधानमंत्री जनकल्याणकारी योजना प्रचार-प्रसार अभियान के उपाध्यक्ष, निजामाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संस्थापक अध्यक्ष, इंदूर कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन निजामाबाद के अध्यक्ष तथा निजामाबाद द ऑफिसर्स क्लब के आजीवन सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। जिला डिवलपमेंट फोरम को संयोजक, माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट निजामाबाद को अध्यक्ष तथा निजामाबाद डिस्ट्रिक्ट टू व्हीलर एसोसिएशन को अध्यक्ष के रूप में सेवा दे चुके हैं।

सुधार के लिए आंदोलन में भी पीछे नहीं

श्री सोमानी जनहित के मुद्दे को लेकर न सिर्फ मुखर रहे बल्कि आवश्यकता होने पर कई बार आंदोलन में भी पीछे नहीं रहे। वर्ष 1999 में मुदखेड़-बोलराम ब्रॉडगेज परिवर्तन के मुद्दे को लेकर उनके नेतृत्व में बंद, रेल रोको आंदोलन तथा 8 दिवस तक आमरण भूख हड़ताल का आयोजन उनके नेतृत्व में हुआ और आखिरकार सरकार को इसके लिए 150 करोड़ रुपए की योजना को स्वीकृति देना ही पड़ी। डिस्ट्रिक्ट डिवलपमेंट फोरम के माध्यम से जिला की विकास गतिविधियों को लेकर 1999 में आंदोलन किया और 95 फीसदी मांगें मंजूर करवाकर ही दम लिया। वर्ष 2011 में 17 मार्च को संयोजक के रूप में श्री रामदेव बाबा के योग शिविर का आयोजन किया, जिसमें 1 लाख से अधिक लोग शामिल हुए। सरदार वल्लभभाई पटेल स्टैच्यू कंस्ट्रक्शन कमेटी के जिलाध्यक्ष के रूप में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें लगभग 10 हजार लोग शामिल हुए। वर्ष 2003 से श्री सोमानी निःशुल्क जल टैंकर सेवा "सारंग सेवा" का संचालन कर रहे हैं।

दवा व्यवसाय की लूट का किया खुलासा

हर कोई चिकित्सा के बेतहाशा खर्च से परेशान है। ऐसा होने का कारण महंगी दवा भी है, जो वास्तव में इतनी महंगी भी नहीं होती जितनी

हमें मिलती है। जनहित में चिकित्सा क्षेत्र में मची इस लूट के खिलाफ हमारे समाज सदस्य व द निजामाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के संस्थापक अध्यक्ष पीआर सोमानी ने मजबूती के साथ आवाज उठाई। श्री सोमानी स्वयं इन स्थितियों से गुजरे तो उनके मन में इसकी तह तक जाने की इच्छा उत्पन्न हुई। बस वे चल पड़े, इस गौरखधंधे का खुलासा करने। इसके लिए उन्होंने कई दवाओं की रिटेलर द्वारा की गई खरीदी की इनवाइस चेक की तो उन्होंने पाया कि अधिकांश दवाएं मूल कीमत से 40 गुना अर्थात 4000 फीसदी अधिक दाम पर बेची जा रही हैं। इससे दवाओं के थोक और खुदरा मूल्यों में जमीन-आसमान का अंतर आ गया है। उदाहरण के लिए दवा निर्माताओं की ओर से थोक विक्रेताओं को जो दवा 95 रुपए में बेची जाती है। थोक विक्रेता उसी दवा को 100 रुपए में खुदरा विक्रेताओं को बेचते हैं और खुदरा व्यापारी उसी दवा को 4 हजार रुपए के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर आम जनता को बेचते हैं क्योंकि निर्माता इन दवाओं के लेबल पर 4 हजार रुपए एमआरपी छापते हैं और यह बात सरकार ने भी मानी है।

कैसे खरीदें सस्ती दवाऐं

कैंसर की दवाऐं गत 8 मार्च 2019 से 87 प्रतिशत तक ट्रेड मार्जिन कैप लगाने से सस्ती हो गई है। अब बाकी दवाइयों पर भी ट्रेड मार्जिन कैप लगाने के लिए सोमानीजी प्रयत्नशील हैं और जल्द ही सरकार की ओर से ट्रेड मार्जिन कैप लगने से सभी दवाइयां 90 प्रतिशत तक कम हो जाएगी। आज की परिस्थितियों में भी आप 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर अच्छी गुणवत्ता वाली दवाइयां खरीद सकते है। प्रधानमंत्री जनऔषधि दुकान पर सबसे अच्छी गुणवत्ता वाली ये दवाइयां 80 से 90 प्रतिशत तक कम दाम में उपलब्ध है। यह दवाइयां उच्च स्तर की कंपनी में तैयार होती है और दो बार इसकी गुणवत्ता टेस्ट होती है। सिर्फ फर्क इतना है कि जो डॉक्टर ब्रांड नेम लिखता है, वह उस ब्रांड नेम से न मिलते हुए उसमें जो सॉल्ट है उस सॉल्ट के मुताबिक मिलेगी। तकरीबन सभी शहरों में प्रधानमंत्री जनऔषधि शॉप उपलब्ध है। आपको आपके गूगल मे सर्च करना है। "जनऔषधि शॉप नीयर मी" प्रधानमंत्री जनऔषधि केन्द्र पर दवा ना मिलने पर आप एक्सक्लुसिव जेनेरिक शॉप से ब्रांड न देखते हुए Same salt की दवा खरीदने पर भी आपको 80 पर्सेंट तक दवाइयां रेगुलर शॉप से सस्ती मिलेगी। यह भी आप गूगल पर सर्च कर सकते है "generic shop near me" मगर आप बिल जरूर लेवे।

दवाओं में कमीशन का बड़ा धंधा

दवा निर्माता अपनी दवाएं ज्यादा से ज्यादा बेचना चाहते हैं। इसके लिए वह खुदरा व्यापारियों और डॉक्टर के दबाव में आ जाते हैं, जिनकी आपस में मिलीभगत होती है और जो अपने हितों की पूर्ति के लिए दवाओं के लेबल पर ज्यादा एमआरपी प्रिंट करवाना पसंद करते हैं। इस असामान्य एमआरपी के कारण 130 करोड़ भारतीय लोगों को जमकर लूटा जा रहा है। इसमें खास तौर पर गरीबों को पूरी तरह निचोड़ा जा रहा है। आसमान छूते ऊंचे दामों पर दवाओं की खरीद में सक्षम न होने से गरीब जीवन भर आर्थिक कठिनाइयां झेलते रहते हैं। डॉक्टर अपने हितों की पूर्ति के लिए मरीजों को ऊंचे दाम (एमआरपी) वाली ऐसी दवाएं लिखते हैं, जिनका मरीजों की वास्तविक बीमारी से कोई संबंध नहीं होता। वह ज्यादा से ज्यादा संख्या में मरीजों को ऐसी

दवाएं लिखते हैं, जिनकी मरीजों के इलाज में कोई जरूरत नहीं होती। इसका नतीजा यह होता है कि मरीजों की सेहत दिन पर दिन खराब होती जाती है और आर्थिक स्थिति बिगड़ जाती है, वह अलग।

बेखौफ उठाई जनहित में आवाज

श्री सोमानी ने मीडिया के सामने सबसे बड़े दवा घोटाले का पर्दाफाश किया है। उन्होंने दवाइयों के लेबल पर निर्माताओं की ओर से बेतहाशा बढ़ा-चढ़ाकर छापी गई असामान्य एमआरपी के बारे में नईदिल्ली में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलासा किया। उन्होंने कहा कि आज दवाइयों की कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए कोई ड्रग पॉलिसी नहीं है। इसलिए फार्मास्यूटिकल कंपनियों की ओर से दवाओं के लेबल पर अनाप-शनाप और मनमाने ढंग से बहुत ज्यादा एमआरपी छापी जाती है, जिनमें जैनरिक और जीवनरक्षक दवाएं भी शामिल हैं। यही नहीं सर्जिकल उपकरण के दाम भी काफी बढ़ा-चढ़ाकर लेबल पर प्रिंट किए जाते हैं। करीब तीन महीने पहले इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय को दे दी गई थी। पीएमओ ने तत्काल जवाब देते हुए इस मुद्दे पर संबंधित विभाग को पत्र भेज दिया था। इसके बाद बीते साल 26 दिसंबर को उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडु से मिलकर तथ्य

सौंपे गए थे। उनकी पहल पर रासायनिक उर्वरक मंत्री डीवी सदानंद गौड़ा, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय रासायनिक और उर्वरक राज्यमंत्री मनमुख मंडाविया के अलावा फॉर्मास्युटिकल विभाग के सचिव जेपी प्रकाश व संयुक्त सचिव नवदीप रिणवा के संज्ञान में यह मुद्दा लाया गया। यदि इस मुद्दे पर शीघ्र ही कोई ठोस निर्णय नहीं होता तो वे इसे लेकर न्यायालय में जनहित याचिका भी दायर करते।

उनकी मेहनत रंग लाई

श्री सोमानी के छह महीनों के कठोर प्रयासों से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे एवं श्याम जाजू के माध्यम से उनके संज्ञान में यह मुद्दा लाया गया। 2 फरवरी 2019 को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी मीडिया में आने से और पीएमओ के दबाव में फॉर्मा विभाग को ठोस निर्णय लेना पड़ा। इससे कैंसर की दवाइयों पर नियंत्रण होने से ये 87 प्रतिशत तक सस्ती हुई है। इनका 20 लाख कैंसर पेशेंट को फायदा होगा। जिनके द्वारा प्रधानमंत्री तक इस मुद्दा को पहुंचाया गया और सफलता मिली, उन्होंने एक मेल भेजकर श्री सोमानी को इसका सारा श्रेय दिया।

कालेधन के भी दिए थे सूत्र

श्री सोमानी ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को कालाधन वापस लाने के लिए भी सूत्र दिए थे। इसमें उन्होंने बताया था कि तीन माह के भीतर कालाधन जमा करवाने पर 50 प्रतिशत आपके खाते में जमा होंगे व 50 प्रतिशत आयकर विभाग के खाते में। चौथे माह से 30 प्रतिशत आपके खाते में और 70 प्रतिशत आयकर विभाग के खाते में जमा होंगे। पांचवें माह से 20 प्रतिशत आपके खाते में और 80 प्रतिशत आयकर विभाग के खाते में जमा होंगे। छठवें माह से 10 प्रतिशत आपके खाते में और 90 प्रतिशत आयकर विभाग के खाते में जमा होंगे। छह माह के पश्चात 500 व 1 हजार के नोट की कीमत शून्य कर दी जाए।

समाजसेवा पथ वास्तव में वह पथ है, जिसमें सिर्फ देने की भावना होती है, कुछ लेने की नहीं और वह भी प्रसन्नता के साथ। लक्ष्य यही होता है कि हमने समाज से जो लिया उससे अधिक लौटाया जा सके। ऐसे ही समाजसेवी हैं, जयपुर निवासी बजरंगलाल बाहेती, जिनके प्रयासों से समाज को अभिनंदन भवन जैसी गरिमामयी सौगात मिली। श्री माहेश्वरी टाईम्स श्री बाहेती को उनकी समाजसेवा के लिए ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर'' अवॉर्ड भेंट करते हुए गौरवान्वित महसूस करती है।

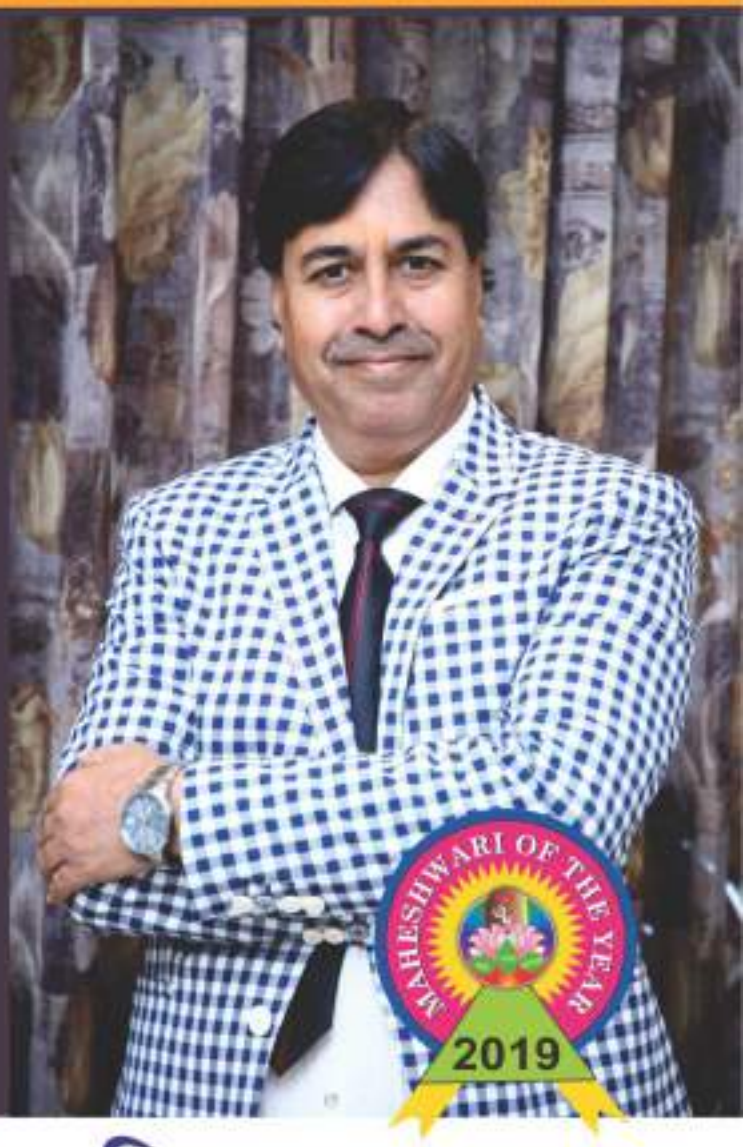

सेवा पथ का किया अभिनन्दन

बजरंग बाहेती

न सिर्फ जयपुर बल्कि संपूर्ण राजस्थान में समाज ही नहीं बल्कि अन्य समाजसेवियों तथा व्यवसायियों के बीच बजरंगलाल बाहेती एक ऐसा प्रतिष्ठित नाम है, जिन्होंने जो भी किया वह हुछ इतिहास के पन्नों में दर्ज करने जैसे ही किया। यदि व्यावसायिक योगदानों की बात की जाए तो श्री बाहेती ने अत्यंत लघुस्तर पर जेम्स एंड ज्वेलरी व्यवसाय की शुरुआत कर अपने व्यवसाय को आज उस प्रतिष्ठित जगह पहुंचा दिया है, जिस पर हर जयपुर निवासी गर्व करता है। उनका प्रतिष्ठान 'बाहेती जेम्स एंड ज्वेल्स (प्रा) लिमिटेड' जयपुर की विशिष्ट पहचान में शामिल है। यदि समाजसेवा के क्षेत्र की बात की जाए तो न सिर्फ माहेश्वरी समाज बल्कि अन्य कई समाजसेवी संस्थाएं भी उनकी सफलता की कहानियां कह रही हैं। जयपुर में निर्मित भव्य समाज भवन 'अभिनंदन' स्वयं उनके समाजसेवा के क्षेत्र में दिए योगदानों की एक मिसाल है।

छोटे से गांव में लिया जन्म

छापर चुरु जिला (राजस्थान) का एक छोटा सा गांव है। चूंकि स्थानीय राजस्थानी बोली में एक फ्लैटलैंड को ताल कहा जाता है इसलिए इस संरक्षित क्षेत्र को ताल छापर कहा जाता है। श्री बाहेती का जन्म 6 सितंबर 1961 को गांव छापर जिला चुरु में स्व. श्री पुसराज बाहेती के यहां हुआ। अपनी प्रारंभिक शिक्षा छापर में पूर्ण कर सुजानगढ़ से बीकॉम करने के बाद 1981 में श्री बाहेती ने कलकता और कानपुर में व्यवसाय

अभिनंदन भवन के लोकार्पण के अवसर पर

किया। श्री बाहेती स्कूल से लेकर कॉलेज तक सतत छात्रसंघों में विभिन्न पद पर रहे। 1982 में आपने जयपुर में जवाहरात उद्योग में प्रथम कदम रखा और अपनी लगन व आचरण से इस उद्यम को आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचाने का निर्णय किया। उस समय कई लोगों ने उनके इस कदम को बहुत चुनौतीपूर्ण कहा। किसी को कल्पना भी नहीं थी कि श्री बाहेती इस व्यवसाय को आगे बढ़ा भी पाएंगे। लेकिन यह उनका हौसला और दृढ संकल्प ही कहा जा सकता है कि छोटे से पौधे के रूप में स्थापित उनका यह व्यवसाय आज 'बाहेती जेम्स एंड ज्वेल्स प्रा.लि.' जैसे वृहद व्यवसाय का रूप ले चुका है, जो सैकड़ों कर्मचारियों को रोजगार भी दे रहा है।

व्यवसाय को दिया अंतरराष्ट्रीय मुकाम

वर्तमान में आप इस कंपनी के डायरेक्टर हैं। अपनी कंपनी का आपने अत्यंत धैर्य से संचालन किया है और भारत के साथ अन्य देशों में भी व्यापार विस्तारपूर्वक बढ़ाया है। वर्तमान में देश के जवाहरात के नामी व्यापारियों में श्री बाहेती का नाम शामिल है। बजरंग बाहेती के नेतृत्व में 'बाहेती जेम्स एंड ज्वेल्स प्रा. लिमिटेड'' विभिन्न प्रतिष्ठित एक्जीबिशन में सतत हिस्सा लेकर देश में अपनी छवि बनाई। वर्तमान में उनकी कंपनी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी विशिष्ट प्रतिष्ठा रख रही है। श्री बाहेती ''अर्नामेंटस ज्वेलरी एसोसिएशन'' के अध्यक्ष भी रहे हैं।

समाजसेवा में समर्पित मन

अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक निरंतर उन्नति की ओर ले जाते श्री बाहेती का समाज में भी सतत योगदान है। आप श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल के कार्यकारिणी सदस्य 1997 से 99 तक रहे। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य 1999 से अभी तक लगातार हैं तथा माहेश्वरी समाज जयपुर के शिक्षा सचिव 2002 से 2012 तक लगातार रहे हैं। श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के सन् 2015 में 'अभिनंदन' माहेश्वरी जनोपयोगी भवन के चेयरमैन बने। श्री गिरिराज धरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट गोवर्धन (उप्र) माहेश्वरी भवन के सन् 2002 में संस्थापक ट्रस्टी एवं 2013 में अध्यक्ष बने। 15 जनवरी 2015 को आप अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारिका के ट्रस्टी और फिर उपाध्यक्ष नियुक्त हुए। आपके पिताजी द्वारा सन् 2009 में श्री माहेश्वरी भवन ताल-छापर (चुरु) का अपने कर

एस.बी.पब्लिक विद्यालय में वार्षिकोत्सव पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का स्वागत करते हुए

कमलों से भूमि पूजन कराकर निर्माण कार्य में पूर्ण सहयोग दिया गया और 2017 में इसी भवन का दूसरा चरण श्री बाहेती के प्रयास से पूर्ण हुआ। श्री बाहेती श्री रामशंकर गौशाला छापर एवं शेखावटी विकास परिषद, जयपुर में भी ट्रस्टी हैं। आप उत्सव माहेश्वरी भवन, जयपुर के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। आप अ.भा. माहेश्वरी महासभा के मुखपत्र के सदस्य एवं कार्यकारी मंडल सदस्य तथा सुजानगढ़ तहसील नागरिक परिषद, जयपुर के अध्यक्ष भी हैं।

अभिनंदन भवन के गणेश स्थापना मांगलिक पूजा एवं प्रवेश

समाज को दिलाई अभिनंदन की सौगात

श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन 'अभिनंदन' गुलाबी नगरी जयपुर में एक अलग ही पहचान बना चुका है। श्री बाहेती इसके प्रारंभ वर्ष 2015 से ही चेयरमैन रहे हैं। यह भवन जयपुर में स्थित एशिया की सबसे बड़ी कॉलोनी, "मानसरोवर" में स्थित है। चेयरमैन श्री बाहेती के अथक प्रयास से भूमि का रूपांतरण करवाकर जे.डी.ए. द्वारा भवन का नक्शा पास कराकर 1 जनवरी 2015 से इसका निर्माण शुरू किया गया। फिर इसका निर्माण मार्च 2018 तक भवन निर्माण समिति के सहयोग से पूरा कराकर 16 जून 2018 को गणेश स्थापना, वास्तु-पूजा एवं मांगलिक प्रवेश के साथ 21 अक्टूबर 2018 को इसे राजेंद्र मूंदड़ा द्वारा लोकार्पित कराया गया। अभिनंदन भवन में 62 कमरे, 8 डोरमेट्री, 4 लेट-बाथ सहित हॉल, 1 बड़ा बैंक्वेट हॉल, ग्राउंड फ्लोर पर डायनिंग हॉल, 2 मिनी बैंक्वेट हॉल, 2 डायनिंग हॉल, 4 छोटे किचन, 2 बड़े किचन, 2 पैसेंजर लिफ्ट, 1 लोडिंग लिफ्ट व डबल बेसमेन्ट पार्किंग हैं। भवन में मेजेनाइन फ्लोर पर ऑफिस ब्लॉक व मुख्य स्टोर बना हुआ है। प्रत्येक फ्लोर पर भी स्टोर हैं। भवन में पॉवर बैकअप के लिए 400 केवी का जेनरेटर भी लगा है। श्री बाहेती के नेतृत्व में भवन में लोकार्पण के बाद अभी तक करीब 190 मांगलिक व धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हो चुके हैं। आप अभिनंदन भवन के आजीवन दानदाता भी हैं। इस भवन के अतिरिक्त श्री बाहेती सोमनाथ माहेश्वरी अतिथिगृह के निर्माण से ही संस्थापक सदस्य के रूप में भी सम्बद्ध होकर सतत योगदान देते आ रहे हैं।

सादा जीवन उच्च विचार

श्री बाहेती का व्यावसायिक व समाजसेवी क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान होने के बावजूद उनके जीवन में आज भी दिखावा नहीं है। वे आज भी सादा जीवन उच्च विचार के ध्येय वाक्य का ही पालन करते हैं। श्री बाहेती का मानना है कि अतीत में कई विद्वानों ने इस कहावत के उपदेश का पालन किया है और इतिहास में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। ऐसे कुछ

माहेश्वरी भवन बाल-काल के भूमि पूजन एवं लोकार्पण करते हुए

लोगों में संत कबीरदास, महात्मा गांधी, पोप फ्रांसिस और अब्राहम लिंकन आदि शामिल हैं। यदि हम भौतिकवादी इच्छाएं कम करते हैं और अपनी जरूरतों पर अड़े रहते हैं, तो अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के बीच संतुलन बनाने में सक्षम होंगे। इस तरह अपने परिवार के साथ अधिक समय बीता पाएंगे, जहां सच्चा आनंद निहित है। इससे हमारे पास खुद को देखने और जीवन के वास्तविक उद्देश्य का पता लगाने के लिए भी पर्याप्त समय होगा।

परिवार भी उनके पदचिह्नों पर अग्रसर

श्री बाहेती न सिर्फ अपने परिवार के मुखिया बल्कि उनके लिए मार्गदर्शक व आदर्श भी हैं। उनका पारिवारिक जीवन भी न सिर्फ पुत्रों बल्कि समाजजनों के लिए भी आदर्श ही है। श्री बाहेती की धर्मपत्नी उर्मिला बाहेती डुंगरगढ़ से हैं। श्रीमती बाहेती ने स्नेह और विश्वास से पति-पत्नी के रिश्तों को सींचा है, जिससे आप जिंदगी में सफलता की ओर बढ़ते चले गए। इनके सुपुत्र नवीन और नितिन बाहेती ने एमबीए और जीआईए किया है। पुत्रवधू कोमल और स्नेहा बाहेती दोनों ही सीए हैं। कामयाब जीवन की चाबी एक खुशहाल परिवार है। यह बात श्री बाहेती ने भलीभांति सिद्ध कर दी है। इनका कहना है कि जीवन में तभी उत्साह व उमंग का संचार होगा, जब हम स्वयं को सेवा कार्य में विलीन कर दें। जीवन को ऊंचा उठाना, बेहतर से बेहतर बनाना ही मानव जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। सत्य, ईमानदारी, निष्ठा और प्रेम से ही इंसान सुखी रह सकता है। इसी से घर, समाज और देश में शांति रह सकती है।

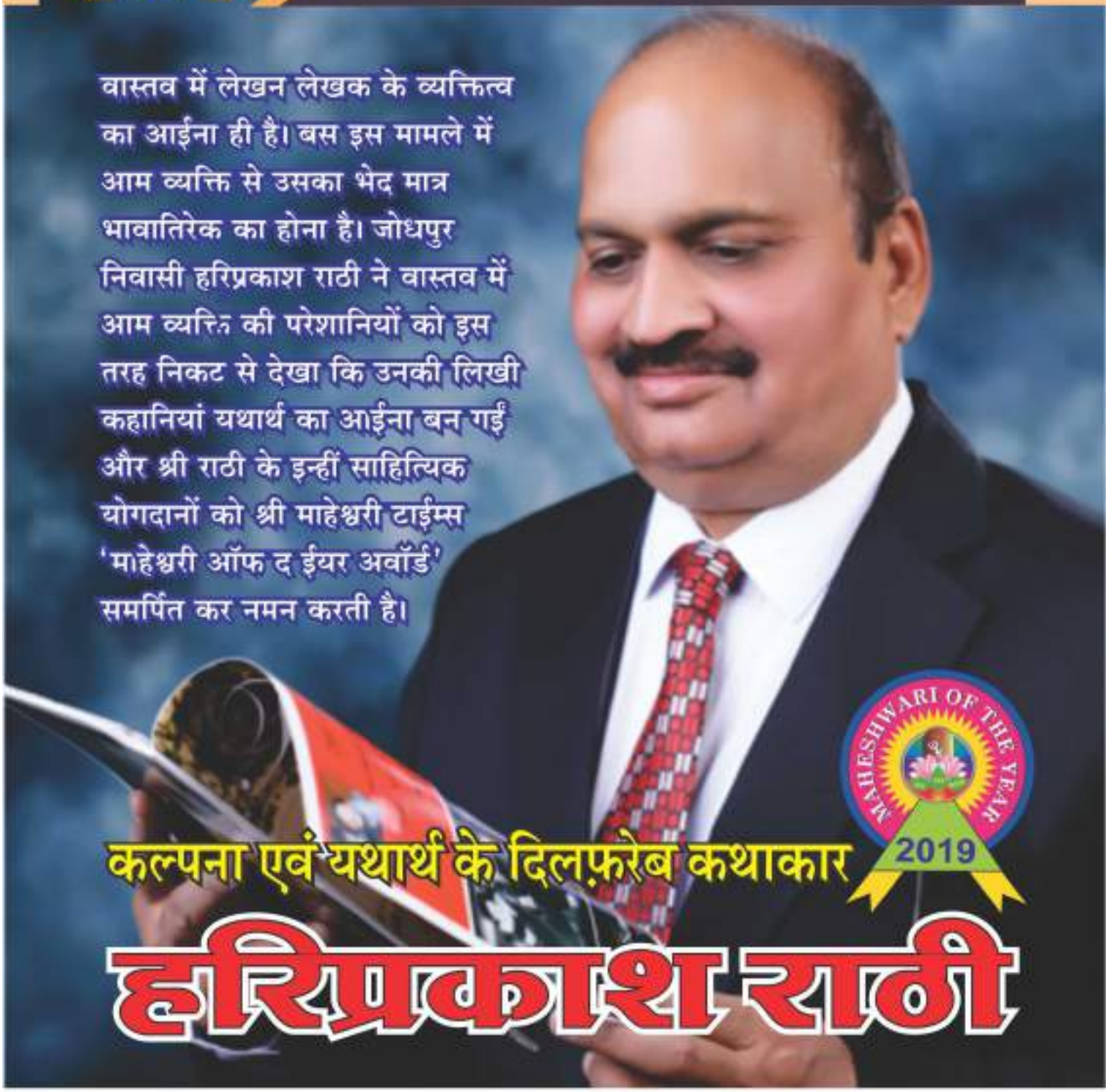

कल्पना एवं यथार्थ के दिलफ़रेब कथाकार

हरिप्रकाश राठी

जोधपुर निवासी हरिप्रकाश राठी की पहचान वर्तमान में एक प्रतिष्ठित कलमकार के रूप में है। जीवन के अर्द्धशतक तक एक बैंकर के रूप में लक्ष्मी की सेवा में सफलतापूर्वक रत रहने के बाद वे सरस्वती की सेवा उससे भी अधिक समर्पित भाव से करेंगे, यह किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। न तो यह कल्पना परिवारजनों को थी, न ही सहकर्मियों की। लेकिन उनकी लेखनी चली तो चलती ही चली गई। अभी तक श्री राठी 150 से अधिक कहानियों, सैकड़ों आलेख तथा स्तंभों का लेखन कर चुके हैं। मात्र 17-18 वर्ष की इस अल्प अवधि में साहित्य सृजन में इतना अधिक ही नहीं बल्कि इतना उत्कृष्ट योगदान देना कि पाठकों की जुबान पर उनका नाम प्रथम क्रम के साहित्यकारों में शामिल हो जाए, यह कोई सामान्य नहीं बल्कि अद्भुत योगदान ही है। उनके इन योगदानों के लगभग देश की हर शीर्ष पत्र-पत्रिका तथा आकाशवाणी केंद्र आदि साक्षी बने हैं।

अभावों से हुई जीवन की शुरुआत

श्री राठी का जन्म पश्चिमी राजस्थान के सिंहद्वार जोधपुर शहर में 5 नवम्बर 1955 को श्री गोपीकृष्ण राठी व श्रीमती सोहिनीदेवी राठी की पांचवीं संतान के रूप में हुआ। उनसे छोटे एक भाई एवं बड़े दो भाई एवं दो बहनें थीं। श्री राठी का ननिहाल कोटा जिले के देवली गांव में था। हालांकि उन्होंने अपना ननिहाल कभी नहीं देखा क्योंकि उनकी माता

उनके नाना-नानी की एकमात्र संतान थी एवं दोनों श्री राठी के जन्म के पहले ही स्वर्गस्थ हो चले थे। श्री राठी की कहानियों में इसीलिए मामा-मामी, मौसा-मौसी अथवा फिर नाना-नानी के किरदार कम मिलते हैं। श्री राठी का बचपन अत्यंत अभावों में बीता एवं निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों की यह त्रासदी उनकी अनेक कहानियों में परिलक्षित भी होती है। उनकी शिक्षा जोधपुर शहर के ही विद्यालय 'श्री हनवंत हायर सेकेंडरी स्कूल में हुई। जहां वे 1960 से 1971 तक विद्यार्थी रहे। इस विद्यालय में सभी धर्म-जातियों के बच्चे थे। वे जिस मोहल्ले आड़ा बाजार में पले-बढ़े, वहां भी आधी जनसंख्या मुसलमानों की थी। श्री राठी की उन सभी कहानियों में इसीलिए किरदारों के बचपन का जहां चित्रण है, एकाध मुस्लिम सहपाठी अवश्य है। इस संगत से ही संभवतः उन्होंने सीखा कि इंसान का असल मजहब इंसानियत है।

पिताजी की दुकान बनी प्रथम पाठशाला

उनके पिता घर से कुछ दूरी पर पुस्तकें बेचने का व्यवसाय करते थे। दोपहर उनके पिता भोजन करने घर जाते थे। तब श्री राठी को दुकान पर बैठना होता था। इसी क्रम में श्री राठी को पुस्तकें पढ़ने का चस्का लग गया। उनकी दुकान पर अधिकांशतः धार्मिक पुस्तकें, प्रतिष्ठित लेखकों विशेषतः प्रेमचंद के कथा-उपन्यास भी बिकते थे। श्री राठी का ध्यान इन पुस्तकों के विक्रय की बजाय इनको पढ़ने पर अधिक होता था। इन्हीं पुस्तकों को पढ़ते-पढ़ते साहित्य के अंकुर उनके जेहन में भी पैठ गए। श्री राठी की कॉलेज शिक्षा जोधपुर विवि में हुई, जहां 1971 से 1976 के मध्य उन्होंने बीकॉम ऑनर्स, एमकॉम किया। उनकी कॉलेज शिक्षा के समय उनके पिता की आर्थिक स्थिति विपन्न थी। अतः उन्होंने पार्ट टाईम कार्य कर कॉलेज फीस, किताबें आदि का खर्च भी वहन किया। श्री राठी की अनेक कहानियों में इसीलिए किरदारों के संघर्ष का चित्रण भी है। उनके किरदार न थकते हैं, न हारते हैं, वरन् संघर्ष कर अपने मुकाम पर पहुंचते हैं।

25 वर्ष तक की बैंक में नौकरी

श्री राठी का विवाह 17 जून 1979 को डॉ. सुशीला के साथ हुआ जो अत्यंत विदुषी ही नहीं वरन् श्री राठी से कहीं अधिक शिक्षित थीं। उन्होंने सरकारी कॉलेज में वर्षों अध्यापन कार्य किया। यही कारण है कि कामकाजी महिलाओं के साथ होने वाले सुख-दुःख, नोंक-झोंक भी श्री राठी की कहानियों में मिल जाते हैं। श्री राठी ने वर्ष 1975 में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में लिपिक के रूप में कार्य ग्रहण किया एवं मात्र दो वर्ष में प्रोबेशनरी अधिकारी बन गए। उन्होंने इस बैंक में 25 वर्ष तक कार्य किया। 2001 में बैंक से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर मुक्त हुए तब उनका लेखन शून्य था लेकिन जैसा कि ऊपर लिखा है उनमें साहित्य के सुप्त अंकुर तो उपस्थित थे।

ऐसे चली साहित्य यात्रा

श्री राठी की साहित्यिक यात्रा वस्तुतः वर्ष 2002 से प्रारंभ हुई। वीआरएस के पश्चात एक बार यूं ही खाली बैठे उन्होंने कहानी 'अमरूद का पेड़' लिखी। यह कहानी कालांतर में बहुत लोकप्रिय भी हुई। जब यह कहानी अखबार में प्रकाशित हुई तो उनकी कल्पना को पंख लग गए। उसके पश्चात उन्होंने दो-तीन और कहानियां लिखी एवं जब वे भी प्रकाशित हो गईं, तो उन्हें सुस्पष्ट हो गया कि उनके भीतर एक कथाकार जन्म ले चुका है। यह कहानियां अखबारों एवं अनेक पत्र-पत्रिकाओं में समय-समय पर प्रकाशित होती रहीं। श्री राठी की यह साहित्यिक यात्रा दिलचस्प है। प्रतिष्ठित साहित्यकार जबरनाथ पुरोहित ने अपनी पुस्तक 'गदगद गिरा नयन बह नीरा' में 'अर्धनगर से भाव नगर तक' शीर्षक से उन पर एक लेख भी प्रकाशित व प्रसारित किया है। इतना ही नहीं उन्होंने लिखा भी कि श्री राठी उन चंद समकालीन साहित्यकारों में हैं जिनसे वे प्रभावित हुए हैं। यही बात बिज्जी, प्रो. हरिराजसिंह एवं अन्य अनेक

पाठकों/समीक्षकों ने दोहराई है। इसी दरम्यान श्री राठी अनेक समसामयिक विषयों पर भी लेख लिखते रहे हैं एवं अनेक विषयों पर उनके पांच सौ से अधिक लेख समाचार पत्रों के संपादकीय पृष्ठों एवं अनेक पत्रिकाओं में प्रकाशित भी हुए हैं।

सैकड़ों कहानियां प्रकाशित-प्रसारित

श्री राठी के अभी तक ''अगोचर'', ''सांप-सीढ़ी'', ''आधार'', ''पहली बरसात'', ''माटी के दीये'', ''नेति-नेति'', ''कायनात'', प्रतिनिधि कहानियां, हरिप्रकाश राठी की कहानियां (भाग-1 व 2) व 'ऑन द विंग्स ऑफ कुरजां' (कतिपय कहानियों का अंग्रेजी अनुवाद) आदि कहानी संग्रह तथा निबंध संग्रह ''समय'', ''सत्य और संवदेना'', अब तो यह सच कहो, किसके रोके रुका है सवेरा प्रकाशित हो चुके हैं। अभी तक 150 से अधिक कहानियां देश की विभिन्न प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं तथा कई आकाशवाणी केंद्र द्वारा प्रसारित भी हो चुकी हैं। कुछ लघुकथाएं भी लिखी हैं। पत्रकारिता से भी जुड़े हैं। अनेक लोकप्रिय समाचार पत्र-पत्रिकाओं में सामयिक, राजनीतिक एवं अन्य विषयों पर दो सौ से ऊपर लेख प्रकाशित हो चुके हैं। राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा राजस्थान के कथाकारों पर प्रकाशित कथा-संग्रह 'कहानी दर कहानी' में आपकी कहानी ''कच्ची धूप'' प्रकाशित है। उनकी कहानियां के अंग्रेजी, संस्कृत, राजस्थानी, पंजाबी व सिंधी अनुवाद भी हो चुके हैं।

कलम से भी समाजसेवा

श्री राठी कम्युनिटी वेलफेयर एंड क्रिएटीविटी ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी हैं। इस ट्रस्ट के तहत पारिवारिक परिवेदनाओं के निराकरण पर अनेक कार्यक्रम एवं सेमिनार आयोजित हुए हैं। वसीयतनामा लिखने की महत्ता, प्राकृतिक चिकित्सा, समाज में फैली अनेक रूढ़ियां, एवं विसंगतियां हटाने हेतु भी अलख जगाई गई है। रोटरी क्लब, पोलियो अभियान से भी जुड़े हैं। श्री राठी के लिए ज्योतिष अभिरुचि का प्रमुख विषय रहा है। वे अनेक जगह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आमंत्रित किए गए। आकाशवाणी पर कथा वाचन के अतिरिक्त अन्य अनेक विषयों पर चर्चा के लिए भी आमंत्रित किए गए हैं।

कलम साधना ने दिलाया सम्मान

श्री राठी अपनी साहित्य सेवा के लिए अभी तक कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित किए जा चुके हैं। इसके अंतर्गत 'कथाबिंब' पत्रिका द्वारा कमलेश्वर स्मृति श्रेष्ठ कथा सृजन पुरस्कार 2018, पंजाब कला साहित्य अकादमी द्वारा विशिष्ट साहित्यकार सम्मान, विक्रमशीला विद्यापीठ द्वारा विद्यावाचस्पति एवं विद्यासागर जैमिनी अकादमी, हरियाणा द्वारा उत्कृष्ट कथा सृजन हेतु राजस्थान रत्न, राष्ट्रकिंकर नईदिल्ली द्वारा संस्कृति सम्मान, मौनतीर्थ फाउंडेशन उज्जैन द्वारा मानसश्री सम्मान, वीर दुर्गादास राठौड़ सम्मान, जोधपुर मेहरानगढ़ से निराला साहित्य एवं संस्कृति संस्थान बस्ती (यूपी) द्वारा राष्ट्रीय साहित्य गौरव सम्मान, पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी एवं यूनेस्को द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है।

॥ जय श्री कृष्ण ॥

भगवान श्रीकृष्ण की ब्रजभूमि गोवर्धन में परिक्रमा मार्ग में
'श्री गिरिराजधरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट'
द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त माहेश्वरी भवन

माहेश्वरी भवन, गोवर्धन

आन्योर परिक्रमा मार्ग, दानघाटी के पास, गोवर्धन 281502 (उ.प्र.)
दूरभाष- 0565-2815832, मो. 88591-11222
www.mbgoverdhan.com
E-mail : mbgoverdhan@gmail.com

आप अपना आरक्षण ऑन लाईन अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- 26 डीलक्स ए.सी. कमरे (डबल-बेड) इन कमरों में ए.सी., गीजर, मिनिफ्रीज, डिजिटल लॉकर, टीवी आदि की सुविधायें
- 26 एसी कमरे (डबल बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 4 ए.सी. कमरे (3 बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 2 एसी मिनी हॉल (10बेड)
- 46 कूलर युक्त कमरें (डबल बेड)
- 2 मिनी हॉल (6बेड) एयर कूलर सहित
- 1 डोरमेट्री (24बेड) एयर कूलर सहित
- 1 एसी डाइनिंग हॉल एवं किचन
- सभी कमरों में अटैच लेट-बाथ की सुविधा।
- सत्संग हॉल 200 व्यक्तियों की बैठकर कथा सुनने की व्यवस्था (शीघ्र एसी युक्त होगा)
- 2000 स्क्वेयर फीट का किचन एवं डाइनिंग हॉल निजी उपयोग के लिये, जिसमें यात्री अपने रसोइयों द्वारा भोजन बनवा सकते हैं।
- दोनों भवनों में लिफ्ट की सुविधा।
- कारों एवं बसों की सुरक्षित पार्किंग का स्थान।
- बिजली कट के समय निरंतर विद्युत सप्लाई के लिये 125 केवीए एवं 25 केवीए के जनरेटर।

बजरंगलाल बाहेती (अध्यक्ष)
मो.- 98290-79200
विनोद कुमार बांगड़ (महामंत्री)
मो. 094142-12835
जुगल किशोर बाहेती (कोषाध्यक्ष)
मो. 98291-56858

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित
अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड,
देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बेडरूम (अटैच्ड लेट, बाथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकूलित भोजनशाला।
- वाई-फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट
अध्यक्ष
मो.- 098315-55555
रामस्वरूप जेथलिया
कार्यकारी अध्यक्ष
मो.- 096490-79999
विनोद कुमार बांगड़
महामंत्री
मो. 094142-12835
गोविंद गोपाल सोनी
कोषाध्यक्ष

माहेश्वरी समाज के योगदानों से कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं है। इनमें फिल्म निर्माण व निर्देशन का क्षेत्र भी शामिल है। इस क्षेत्र में गत 30 वर्षों से अपनी सेवा देते हुए फिल्म निर्देशक के रूप में अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार तक से सम्मानित हो चुके हैं, भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में बचपन गुजारने वाले राजेश राठी। कला के क्षेत्र में आपको 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर' सम्मान अर्पित करते हुए हम गर्व की अनुभूति कर रहे हैं।

रजत पटल के शिल्पकार

राजेश राठी

फिल्म निर्देशन के क्षेत्र में न सिर्फ बॉलीवुड अपितु संपूर्ण विश्व के फिल्म जगत में वर्तमान में मुंबई निवासी राजेश राठी एक जाना-माना प्रतिष्ठित नाम बन चुका है। सतत् 35 वर्षों के संघर्ष के बाद उन्होंने जो मुकाम हासिल किया उस पर संपूर्ण समाज गर्व कर सकता है। वर्ष 2014 में जब श्री राठी की अंग्रेजी फिल्म 'डिजायर्स ऑफ द हार्ट' का प्रीमियर विश्व प्रसिद्ध कांस फिल्म समारोह में हुआ तो पहली बार बॉलीवुड ने उन्हें बतौर निर्देशक नोटिस किया। इससे पहले यह फिल्म लॉस एंजिलिस के 'ला फेम इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2013' में 'बेस्ट फॉरेन फिल्म' का अवॉर्ड पा चुकी थी। आज तमाम उतार-चढ़ाव के बाद भी श्री राठी अपनी कठोर इच्छाशक्ति और धैर्य से सफलतापूर्वक बॉलीवुड में निरंतर काम कर रहे हैं। इन दिनों श्री राठी एक हिंदी फिल्म 'लास्ट डील' का निर्देशन कर रहे हैं। यह एक रोचक क्राइम थ्रिलर है। इसके बाद वे एक कॉमेडी फिल्म की योजना बना रहे हैं। फीचर फिल्मों के अलावा जब भी संभव होता है तो राठी शॉर्ट फिल्में भी बनाते हैं और उन्हें अपने निजी यूट्यूब चैनल पर डालकर एक अनोखे अंदाज में अपनी बात समाज के सामने रखते हैं। इन दिनों उनका यूट्यूब चैनल भी काफी देखा व सराहा जाने लगा है।

व्यवसायी परिवार में लिया जन्म

श्री राठी का जन्म कोलकाता के एक मध्यमवर्गीय व्यवसायी मारवाड़ी (माहेश्वरी) परिवार में 5 अप्रैल 1958 को श्री गोपीकिशन व श्रीमती गवरादेवी राठी के यहां हुआ। पिता के व्यवसाय से सेवा-निवृत्त होने पर उनसे 30 साल बड़े भाई सूरज रतन राठी घर की बागडोर संभालने लगे थे। राजेश सबसे छोटे थे-अपने भतीजी-भतीजों से भी। वे

बचपन से ही एकाकी थे और संगीत में रुचि रखते थे। 4-5 साल की उम्र में जब उनकी अंगुलियां अलमारी और टेबल पर थिरकने लगीं तो बाबूजी उनके लिए ढोलक और तबला तथा फिर हारमोनियम और बैंगो

ले आए। रोज संध्या वेला में जब मां-मौसी और भाभी "हरे कृष्णा" का कीर्तन गातीं तो वे उन्हें संगत देने लगे। स्कूल में भी शिक्षकों के प्रोत्साहन से मंच पर गाना गाने लगे। एक बार जब बड़े भाई ऑफिस के काम से अमेरिका जा रहे थे तो उन्होंने कैमरा लाने की फरमाईश कर दी। इस तरह संगीत के साथ-साथ फोटोग्राफी का शौक भी लग गया। मानो ध्वनि के साथ दृश्य जुड़ने लगे हों। 1971 में कोलकाता से सातवीं पास करने के बाद उनका पूरा परिवार उज्जैन आ गया, जहां बड़े भाई ने एक नई फैक्ट्री का कार्यभार संभाला था।

उज्जैन में ली उच्च शिक्षा

उज्जैन में कक्षा वहां 11वीं तक पहुंचते-पहुंचते श्री राठी को अपने कैरियर की, अपने भविष्य की चिंता सताने लगी। उन दिनों दो ही ऑप्शन होते थे। डॉक्टरी या इंजीनियरिंग। पर उनका मन इन दोनों में ही नहीं था। खूब मंथन करने के बाद उन्होंने तय किया कि वो कला को ही अपना पेशा बनाएंगे। हालांकि स्कूल-कॉलेज में फिल्मी गाने गा-गाकर उन्होंने कई प्रतियोगिताएं जीती थीं, खुद एक ऑर्केस्ट्रा ग्रुप भी बनाया था, पर चूंकि संगीत की कोई विधिवत ट्रेनिंग नहीं हुई थी तो सोचा फोटोग्राफी को ही अपना कैरियर बनाया जाए। इसके लिए पुणे फिल्म इंस्टिट्यूट से बेहतर कोई मार्ग नहीं था और वहां जाने के लिए हायर सेकंडरी पास होना ही काफी था। फिर भी चिंता थी, अगर फिल्म इंस्टिट्यूट के बावजूद भी फिल्मों में कैरियर न बन पाया तो क्या होगा? अतः श्री राठी ने तय किया कि कम से कम ग्रेजुएशन कर लिया जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर किसी नौकरी-धंधे लायक बने रहें। बस यही सोच कर बीएससी में दाखिल ले लिया। उन तीन सालों में भी उन्होंने कोर्स के अतिरिक्त फिल्म निर्माण से संबंधित बहुत-सी किताबें ढूंढ-ढूंढकर पढ़ डालीं। प्रैक्टिकल्स के लिए उनके पास एक स्टिल कैमरा और 8 एमएम मूवी कैमरा था ही, जिससे वे घर के शादी-ब्याह व अन्य विशेष अवसर शूट कर लेते थे। हर बार जितनी फिल्म रील मिलती, उनमें से चुपचाप थोड़ी बचा लेते थे, ताकि अपने प्रयोग कर हाथ साफ कर सकें।

प्रथम प्रयास में मिली असफलता

बीएससी होते ही उन्होंने गुपचुप पुणे फिल्म इंस्टिट्यूट की लिखित परीक्षा दे दी। उसे पास करने के बाद तकनीकी परीक्षा व इंटरव्यूह के लिए पुणे से बुलावा आ गया। तो उन्होंने बहाना ये बनाया कि अपने एक दोस्त के लिए वे लड़की देखने पुणे जा रहे हैं। पर दुर्भाग्य से वहां फाइनल रिजल्ट में उनका 15वां यानी वेटिंग लिस्ट में तीसरा नंबर आया तो बड़े

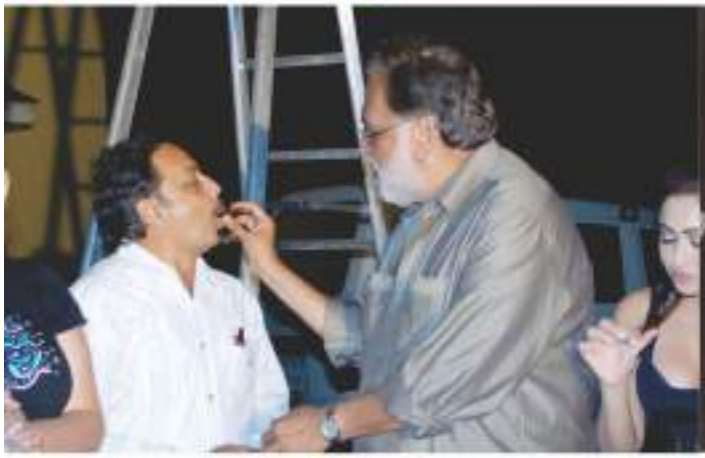

मायूस होकर उज्जैन लौट आए। इधर घर पर भी पता चल गया था कि पुणे क्यों गए थे? फिर हंगामा तो होना ही था। बड़े भाई चाहते थे, वे अमेरिका जाकर एमबीए करें। उनका एक बेटा किशोर वहां पहले से ही जा चुका था। पर राजेशजी ने साफ मना कर दिया और फिल्मों में अपना

कॅरियर बनाने पर अडिग रहे। इस पर घर में शीत युद्ध जैसी स्थितियां बन गईं। खुद उन्हें भी समझ नहीं आ रहा था कि अब बगैर इंस्टिट्यूट की डिग्री लिए वे फिल्मों में कैसे प्रवेश पाएं? न कोई जान, न पहचान। मुंबई जाकर सिर्फ चप्पलें घिसने का कोई मतलब नहीं था। अनिर्णय की इस स्थिति से उबरने के लिए व सोच-विचार का समय पाने के लिए उन्होंने एमए (अर्थशास्त्र) में दाखिला ले लिया।

निराशा के दौर में बनाई 'भगोरिया'

तब उज्जैन जैसे शहर के युवा के लिए बंबई और उस पर भी फिल्मी दुनिया बहुत दूर हुआ करती थी। चंद दोस्तों के सिवाय हर कोई उन्हें फिल्म लाइन में जाने के लिए हतोत्साहित करता था। कई बार अंधेरे कुएं में छलांग लगाने से डर भी लगता था। एक अजीब सी छटपटाहट और बेचैनी का आलम था। तो एक दिन यह तय किया कि बंबई जाने से पहले वे खुद एक फिल्म बनाएंगे। अब तक जितना पढ़ा-समझा था, सब झोंक देंगे ताकि वो फिल्म ही उनका जीता-जागता सर्टिफिकेट बन जाएगी भले ही वह 8 एमएम पर बनी हो। पर विराट प्रश्न ये था कि क्या फिल्म बनाएं, कैसी फिल्म बनाएं? सुना था झाबुआ के भील आदिवासियों का त्योहार भगोरिया बड़ा रंगीन और आकर्षक होता है। तो क्यों न उस पर ही एक डाक्यूमेंट्री फिल्माई जाए? वहां आने-जाने और फिल्म की रील

Rajesh K Rathi as captured on a London shoot

खरीदने के लिए वे पैसे की जुगाड़ करने लगे। उस चक्कर में उन्होंने अखबार के कई विज्ञापन डिजाइन किए, अपने कैमरे से चुनिंदा शादियां कवर की, उज्जैन के बोहरा मोहल्लों (बाखलों) में अपना 8 एमएम प्रोजेक्टर चलाकर सैयदना साहब की फिल्में दिखाकर भी पैसे जमा किए। पूरा अभियान यार-दोस्तों के सहयोग से, बगैर घरवालों की जानकारी के चलता था। फिर एक दिन अपने दो दोस्तों की टीम बनाकर श्री राठी शूटिंग के लिए झाबुआ निकल पड़े। पूरे एक हफ्ते झाबुआ के अलग-अलग गांवों में जाकर उन्होंने भगोरिया मेला कैमरे में उतारा। इस दौरान भीलों के जनजीवन से वे इतने प्रभावित हुए कि सोचा सिर्फ भगोरिया ही क्यों, उन्हें भीली जीवन के अन्य पहलुओं को भी छूना चाहिए। और इस तरह उनका शूटिंग अभियान तीन चरणों में चला। श्री राठी ने फिल्म की पटकथा, निर्माण, निर्देशन व फोटोग्राफी के अतिरिक्त इसका बैकग्राउंड स्कोर भी स्वयं तैयार किया।

भगोरिया ने दी जीवन को दिशा

उन दिनों 8 एमएम फिल्मों की देश में सिर्फ एक ही लैबोरेट्री हुआ करती थी-मुंबई की फिल्मसिटी में। वहां जाकर श्री राठी ने स्वयं फिल्म की एडिटिंग की। उस 8 एमएम की फिल्म को एडिट करना भी किसी चैलेंज से कम नहीं था। इतनी बारीक फिल्म को काटकर जोड़ने के लिए ब्लेड से घिसना, फिर फिल्म सीमेंट से जोड़ना। मजे की बात यह थी कि बजट न होने की वजह से फिल्म के सारे तकनीकी विभाग श्री राठी को स्वयं संभालने पड़े और इस 30 मिनट की फिल्म ''ग्लिम्पसेस ऑफ भील्स'' को पूरा करने में उन्हें 2 साल लग गए। उन्हीं दिनों 1983 में कलकत्ता में 'सुपर 8 फिल्म फेस्टिवल' का आयोजन हो रहा था। श्री राठी ने उसमें अपनी फिल्म भी भेज दी। उसमें शामिल लगभग 30-40 प्रविष्ठियों में से श्री राठी की फिल्म को चौथा 'ऑडियंस च्वाइस अवॉर्ड' मिला और वहां के मशहूर दैनिक 'द टेलीग्राफ' में फिल्म की बहुत अच्छी समीक्षा लिखी गई। इससे पहली बार उनमें यह विश्वास जगा कि वे सही दिशा में जा रहे हैं। अब उन्हें अंधेरे कुएं में छलांग लगाने की हिम्मत आ गई थी।

ऐसे रखा फिल्मी दुनिया में कदम

बालीवुड में जगमोहन मूंधड़ा आज भी एक मशहूर नाम हैं। वे एक एनआरआई थे और लॉस एंजिलिस में रहते थे। संजीवकुमार और शबाना आजमी के साथ ''सुराग'' बनाने के बाद वे उन दिनों ''कमला'' बनाने की तैयारी कर रहे थे। वहां पड़ रहे श्री राठी के भतीजे किशोर ने एक बार उनसे भीलों पर बनी फिल्म का जिक्र किया था। इत्तेफाक से जगमोहनजी मुंबई आए हुए थे और वो उस फिल्म को देखना चाहते थे। तो एक रात अपना 8 एमएम का प्रोजेक्टर व फिल्म उठाकर श्री राठी पहुंच गए उनके घर। वहां कमरे की दीवार पर चलाकर श्री राठी ने उनको फिल्म दिखाई जो उन्हें अच्छी लगी। जगमोहन जी ने उसे दो बार देखा। फिर कुछ महीनों बाद जब कमला की शुरुआत हुई तो उन्होंने श्री राठी को उज्जैन फोन करके कहा कि अगर चाहो तो मेरे साथ बतौर एपरेंटिस काम कर सकते हो। और बस वहीं से शुरू हुआ श्री राठी का फिल्मी सफर। उन्होंने बतौर मुख्य सहनिर्देशक जगमोहनजी के साथ 9 हिंदी व अंग्रेजी फीचर फिल्में की, जिनमें 'कमला', 'मॉनसून', 'बवंडर' , 'अपार्टमेंट' 'नॉटी 40' आदि प्रमुख हैं।

सेवाओं ने दिलाया सम्मान

श्री राठी इंडियन फिल्म व टीवी डायरेक्टर्स एसोसिएशन मुंबई, स्क्रीन राईटर्स एसोसिएशन तथा इंडियन फिल्म व टीवी प्रोडयूर्स कौंसिल मुंबई से संबद्ध हैं। फीचर फिल्मों के अतिरिक्त उनकी शॉर्ट फिल्में 'ब्लाईंड गेम', 'मौका (द चांस)', 'रेड कार्पेट', 'एक्ट्रा करिक्यूलर एक्टिविटीज एट द ऑफिस', 'गिरफ्त' आदि विभिन्न अवॉर्डों से सम्मानित हो चुकी है। श्री राठी को उनकी सेवाओं के लिए 'उज्जयिनी शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल 2019' में भारतीय चित्र साधना, साक्षात फाउंडेशन मुंबई द्वारा 'भूषण सम्मान', टाईम्स इंडिया न्यूज मुंबई द्वारा इंडियन आइकॉन अवॉर्ड, उज्जैन में संवाद टेलीफिल्म अवॉर्ड, भोपाल में डॉ. राजेंद्रकुमार विज्युअल आर्ट अवॉर्ड, उज्जैन में भैराजी सम्मान आदि से सम्मानित भी किया जा चुका है।

इनके अतिरिक्त महेश भट्ट लिखित 'हक' व देव बेनेगल की 'स्प्लट वाइड ओपन' फिल्में भी की। श्री राठी दूरदर्शन के निर्माता-निर्देशक भी हैं जिसके लिए उन्होंने कई टेलीफिल्में व सीरियल बनाए हैं। राठी की फीचर फिल्म 'डिजायर्स ऑफ द हार्ट' के बाद जल्द ही 'लास्ट डील' रिलीज होने वाली है।

उद्योग-व्यवसाय ''माहेश्वरी'' के खून में रचा बसा है। यही कारण है कि माहेश्वरी समाज की इस क्षेत्र में सफलता के ध्वज न सिर्फ देश बल्कि विश्व भर में फहराये जा रहे हैं। इस सबके बावजूद गत कुछ वर्षों में समाज के युवाओं की सोच में एक बड़ा परिवर्तन आया है। वह उद्योग-व्यवसाय की बजाय नौकरी की ओर भाग रहा है। ऐसे में चिंतनीय हो गया है कि ऐसा क्यों हो रहा है? क्या लक्ष्मी पुत्रों के इस समाज के युवाओं का नौकरी की ओर रूझान उचित है या अनुचित? आईये जानें, इस स्तम्भ की प्रभारी मालेगांव निवासी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

समाज के युवाओं का नौकरी की ओर रुझान कितना उचित कितना अनुचित?

माहेश्वरी भूले व्यापार-परिभाषा

बचपन में पापा की कही बात बड़े होने पर समझ में आई कि पढ़-लिखकर टेबल के इस पार नहीं टेबल के उस पार जाने के काबिल बनो। मतलब पढ़-लिखकर जीविकोपार्जन के लिए जी-हुजूरी नहीं करनी है। आज पढ़ी-लिखी युवा पीढ़ी का नौकरी की तरफ रुझान बढ़ता जा रहा है। अर्थव्यवस्था की परिस्थितियां ऐसी हैं कि व्यापार में आर्थिक उतार-चढ़ाव निरंतर आ रहे हैं। व्यापारी वर्ग काफी मानसिक तनाव को झेल रहे हैं। यह भी एक वजह है कि माता-पिता नौनिहालों को व्यवसाय करने के लिए जोर नहीं देते। जैसे-जैसे शिक्षा का मोल बढ़ता जा रहा है, डिग्रीज़ पहचान बनने लगी हैं और नौकरी की तनख्वाह से काबिलियत का आंकलन होने लगा है।

नौकरी में व्यापारी की तरह 24/7 मानसिक तनाव नहीं होता। व्यवसाय में काम करने की समयावधि तय नहीं है, दिन हो या रात व्यापारी तो लेन-देन, खरीद-फरोख्त, नफा-घाटा, मूल-ब्याज आदि में उलझा रहता है। सप्ताहांत छुट्टियों का मजा लेना, जीवन में सुकून के पलों को जीना, परिवार और दोस्तों के साथ में घूमना-फिरना आदि मौज मस्ती युवा पीढ़ी की सोच और चाहत रहती है, जो एक व्यवसायी के जीवन में बड़ी खींचतान से मिल पाती है। व्यापार में होने वाले आर्थिक जोखिम उठाने का जिगर भी तो नहीं है, आज की नव-पीढ़ी के पास। वर्तमान को जीने वाली युवा पीढ़ी अपनी सात पुश्तों के लिए धन संचय की इच्छा भी नहीं रखती। उन्हें सिर्फ अपनी सैलरी और बोनस से संतुष्टि महसूस होती है। माना कि व्यापारी की बंद मुट्ठी में कमाई आज की नौकरी से औसतन अधिक ही रहती है, पर आज का युवा सिर्फ कमाई की तरफ नहीं भागता। माहेश्वरियों ने ही तो पूरे विश्व को व्यापार का पाठ पढ़ाया है। व्यापार तो माहेश्वरियों की पहचान थी, पर आज हम उक्त कारणों से अपनी ही पहचान भूलाते जा रहे हैं। अगर हम इन सभी कारणों का निवारण ढूंढ पाएं तो हम अपना व्यावसायिक अस्तित्व फिर से पा सकते हैं। अनुभवी व्यापारी वर्ग को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए तभी माहेश्वरी युवा वर्ग जी-हुजूरी की पंक्ति से बाहर निकल पाएगा।

सुमिता मूंधड़ा, मालेगांव (महा.)

देखादेखी नौकरी की ओर रुझान

सच है कि माहेश्वरी समाज ने व्यवसाय (बिजनेस) में परचम लहराया है। अधिकांश परिवार में व्यवसाय की परंपरा चली आ रही है। ऐसे में युवाओं का नौकरी की ओर रुझान चिंतन का विषय है। यदि हम वास्तविकता पर एक नजर डालें तो कुछ उदाहरण में पारिवारिक व्यवसाय ना होने या बहुत मुनाफे में ना चल रहे होने की वजह से, तो कहीं माता पिता की बच्चे को उच्च पद पर देखने की चाहत,मुख्य रूप से इन दो कारणों को पाएंगे। घर की आर्थिक स्थिति के मद्देनजर नौकरी के तरफ रुख करना गलत नहीं है। किंतु किसी के देखा-देखी या उच्च शिक्षित होने की वजह से तथाकथित महत्वाकांक्षा को पूर्ण करने के उद्देश्य से युवाओं का नौकरी के तरफ रुझान उचित नहीं है। घर के बड़े बुजुर्गों को चाहिए कि 5-7 साल की उम्र से ही बच्चे को यदा-कदा दुकान ले जाया करें। व्यावसायिक गतिविधियों को बचपन से देखते आने की वजह से उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद भी युवा वर्ग में व्यवसाय के प्रति रुचि रहेगी। चूंकि व्यवसाय का लेखा-जोखा, माल की अग्रिम बुकिंग आदि सारे कार्य ऑनलाइन होते हैं जो कि शिक्षित युवाओं के लिए ही संभव है। अतः जरूरत है पिता/दादा द्वारा बेटे यानी कि आज के युवा पर भरोसा रख उन्हें व्यवसाय से संबंधित आजादी देने की। एम.बी.ए. शिक्षा ग्रहण किए युवा पारिवारिक व्यवसाय को नये जमाने के अनुरूप डालते एवं उन्नति के सोपान चढ़ते देखे जा सकते हैं।

रेणु टावरी, (रायपुर) छत्तीसगढ़ प्रदेश

व्यवसाय में नई तकनीक जरूरी

युवाओं का रुझान व्यापार की अपेक्षा नौकरी की ओर बढ़ने लगा है क्योंकि समस्या यह है कि आज घिसे-पिटे पुराने तरीके और तकनीकों से व्यापार करने से लाभ नहीं हो सकता है। नए परिवर्तन से व्यापार करने के लिए बहुत ज्यादा धनराशि की जरूरत होती है। हर किसी के लिए इतना इन्वेस्टमेंट संभव नहीं हो पाता है। ऐसे में उत्तम शिक्षा प्राप्त करने के बाद युवा का रुझान नौकरी की ओर ज्यादा होने लगता है। नौकरी आपको तुरंत ही पैसा देती है, जबकि

व्यापार में देर से पैसा आता है। मध्यम वर्ग ज्यादातर अपने मां-बाप को रोजमर्रा की जिंदगी में आर्थिक संकटों से जूझते हुए देखता है, तो उसे लगता है कि मैं क्यों नहीं इससे बेहतर जीवन पथ का निर्माण करूं। इसलिए उसे पैतृक व्यवसाय से ज्यादा रुचि नौकरी में होती है। इसके साथ कार्पोरेट फर्म सभी को मोहित करती हैं क्योंकि वहां कई प्रलोभन दिए जाते हैं, जो आर्थिक रूप से जीवन यापन को आसान बनाते हैं। ऐसे अनेकों कारणों की वजह से युवा पीढ़ी व्यापार करने की बजाय नौकरी को ज्यादा तवज्जो देने लगी है, परंतु अगर अभिभावकों द्वारा सहयोग और आत्मविश्वास दिया जाए तो हम अपने पुश्तैनी आधार व्यापार की ओर अपनी पकड़ बनाए रख सकते हैं। मेरी बेटी मेघा ने इकानॉमिक्स में एमएससी की डिग्री हासिल करके यूनिवर्सिटी टॉप किया और बेस्ट स्टूडेंट्स का अवॉर्ड लेने के पश्चात इंडिगो एयरलाइंस से मिली नौकरी के प्रलोभन को छोड़ कर अपना डिजिटल मीडिया प्रमोशन का व्यापार शुरू किया। उसका मानना था कि जब मैं दूसरों को जॉब दे सकती हूं, उनके घर परिवार को चला सकती हूं, तो किसी के अंतर्गत क्यों काम करूं? देखते ही देखते उसने अपने अंतर्गत इंजीनियर रखकर 'मीडिया लिंक' के नाम से एक कंपनी बना ली। उसकी कड़ी मेहनत सभी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। इतने बड़े निर्णय पर अभिभावकों का भी सहयोग होना बेहद जरूरी है।

मधु भूतड़ा, जयपुर

नौकरी की ओर रुझान उचित

उद्योग व्यवसाय माहेश्वरी के खून में रचा बसा है। किंतु पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि युवा पीढ़ी व्यवसाय के बजाय नौकरी की तरफ पलायन कर रही है। उन्हें लगता है कि शिक्षा के माध्यम से जो डिग्री उन्होंने हासिल की है, उनका सही इस्तेमाल वो व्यवसाय की बजाय नौकरी से ही कर सकते हैं। कम मेहनत और बिना पूंजी के वो व्यवसाय में जितना कमा सकते हैं उसकी तुलना में नौकरी में सैलरी के अलावा बोनस, भत्ता और अनेक प्रकार की सुविधाएं मिलती हैं। इन सभी का आज की शिक्षित युवा पीढ़ी फायदा उठाना चाहती है, जो कि सिर्फ नौकरी में ही संभव है। अतः मेरे हिसाब से नौकरी की ओर रुझान उचित है।

आरती बाहेती, (जयपुर)

व्यावसायिक प्रतिभा प्रभावित

आज के युवा का नौकरी करना मैं गलत तो नहीं मानती पर सदियों से चली आ रही व्यवसाय की परंपरा के खत्म होने से हमारा ही गौरव कम हो रहा है। नौकरी करने के कारण बहुत है, आज अच्छे व्यवसाय के लिए बहुत अधिक पैसा चाहिये, वो सब के पास संभव नहीं हैं। बिना पैसे के काम नहीं हो सकता। दूसरी बात व्यवसाय चले या नहीं चले इसकी भी कोई गारंटी नहीं है क्योंकि आज हर व्यक्ति हर सामान ऑनलाइन मंगवा लेने में रुचि रखता है। घर बैठे सामान आ जाता है। परिश्रम नहीं करना चाहते हैं, तीसरी बात व्यवसाय करने वालों को तो 100 में से 10 ही आदमी जानेंगे क्योंकि उसे एक ही जगह पर रहकर करना होता है। इसे वो तरक्की नहीं समझता है। बाहरी चकाचौंध से वो अपने आपको व अपने नाम को बढ़ाना चाहता है। इन सभी बातों पर हम सभी को गौर करने की आवश्यकता है।

भगवती शिवप्रसाद बिहानी,
नाजिरा (शिव सागर) आसाम

नौकरी में भी है नाम और शान

माहेश्वरी भी इस भारतीय समाज का ही हिस्सा है। इतने बड़े समाज में सब व्यवसायी बन जाएं, ऐसा संभव प्रतीत नहीं होता। अगर सब व्यवसाय के पीछे भागेंगे तो नौकरी में कौन रहेगा। जब आपकी आबादी बढ़ती जाती है, तो केवल धंधा करना ही पर्याप्त नहीं रह जाता। व्यवसाय करने के लिए सबसे जरूरी पूंजी होती है, क्या हम सबके पास वो सोच और पूंजी है, अगर नहीं तो नौकरी में आगे बढ़ना कहां गलत है। आज आप देखें तो बहुत से माहेश्वरी नौकरी में ऊंचे मुकाम पर हैं। क्या आगे पहुंचे लोगों के नाम लेते वक्त उनको याद नहीं किया जाता? एपी माहेश्वरी सीआरपीएफ के डीजी बने हैं। ऋतु माहेश्वरी जो यूपी में आईएएस है। उन्होंने बिजली घोटाला पकड़ा, कर्नल हरि माहेश्वरी, एक्सिस बैंक के ग्रुप एक्जीक्यूटिव दीपक माहेश्वरी, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के प्रेसिडेंट अनंत माहेश्वरी, ट्विटर इंडिया में एमडी मनीष माहेश्वरी जैसे और भी कई नाम हैं। इन लोगों ने बहुत बड़ा नाम कमाया है। इन सबके नाम आज कई बड़े-बड़े प्रोग्राम व स्टेज पर लिए जाते हैं, तो जो लोग नौकरी करने की चाह रखते हैं उनके लिए किसी मोटिवेशनल गुरु से कम नहीं हैं ये नाम। नौकरी करने के बाद उद्योग लाइन पकड़ने वालों की भी कमी नहीं है। बढ़िया है अगर पूर्व अनुभव पर कोई व्यवसाय किया जाए।

देवकिशन इंदर, भीलवाड़ा

नौकरी खतरनाक प्रवृत्ति

मैं आप सभी का ध्यान अपने समाज में कैंसर की भांति तेजी से फैल रही एक खतरनाक नौकरी प्रवृत्ति की तरफ आकृष्ट करना चाहती हूं। अपनी जाति की उत्पत्ति भगवान महेश द्वारा हुई है। उनका वरदान है कि हम व्यवसाय, व्यापार करें और दूसरों को अर्थोपार्जन के लिए मदद करें। आज के समय में हम सभी भगवान के वरदान का अनादर कर रहे हैं। इसलिए अपनी जाति का पतन हो रहा है। आजकल के युवक-युवतियां और उनके माता-पिता सभी अपने मस्तिष्क में सिर्फ और सिर्फ नौकरी को ही प्राथमिकता देते हैं। क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि उच्चकोटि की शिक्षा लेकर आपका बच्चा बहुत ज्यादा पैसा मिलने वाली नौकरी करता है, उस वक्त उसे किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? आप अपनी बुद्धि का उपयोग करके दूसरों की गुलामी करते हो। आपके ज्ञान से दूसरे व्यक्ति लाखों रुपए कमाते हैं और वो स्वयं का नाम रोशन कर रहे हैं। आप कितना भी अच्छा कार्य करो लेकिन आप का बॉस कभी-भी आपकी तारीफ नहीं करेगा, और यह कार्य आपने किया यह नहीं बताएगा, स्वयं का नाम रोशन करेगा लेकिन गलती उससे हुई तो आपका नाम जरूर बताएगा। आपका कलिग आपको हमेशा नीचा ही दिखाएगा। आप जब किसी दूसरे के नीचे कार्य करते हो तब वह सब को कहता है कि देखो वो मारवाड़ी मेरे हाथ के नीचे है। आपकी बुद्धि, ज्ञान, जानकारी का उपयोग आप स्वयं के व्यवसाय, व्यापार में करते हुए दूसरों को भी अर्थोपार्जन के लिए उपयोगी हो सकते हो। अगर आप जिंदगी में तरक्की करना चाहते हैं, खुशहाल रहना चाहते हैं तो आपको स्वयं का व्यवसाय करना चाहिए। अपनी और अपने प्रियजनों की जिंदगी खुशहाल बनाएं। आपकी खुशहाल जिंदगी के लिए लिए आप नौकरी को दोयम स्थान दें।

अनिता ईश्वरदयाल मंत्री, अमरावती

दीर्घकालीन परिणाम पर सोचें

नौकरी के प्रति समाज के युवाओं का बढ़ता रुझान पूर्ण रूप से अनुचित है। इसके दीर्घकालिक परिणाम के बारे में सोचें तो नौकरियां खत्म हो जाएंगी। आज का युवा बेहद तेज रफ्तार के साथ बढ़ रहा है और सबकुछ तुरंत पाना चाहता है। तुरंत पाने की चाहत के साथ जोखिम उठाना संभव नहीं। बिना जोखिम के व्यापार संभव नहीं। व्यवसाय में हानि और लाभ दोनों की ही संभावना रहती है और लाभ भी तुरंत नहीं मिलता। एक स्तर तक लाभ प्राप्त करने में काफी लंबा समय लग जाता है, जबकि नौकरी में इन सब चीजों से रूबरू नहीं होना पड़ता। दूसरा कारण पूंजी है। व्यापार पूंजी बिना नहीं हो सकता। नौकरी में ना पूंजी लगती है, ना जोखिम का भय। तुरंत लाभ और जीवनयापन भी इससे आसान हो जाता है। व्यापार में तो काम की कोई समय सीमा नहीं होती, लेकिन नौकरी में सप्ताह के दिन और घंटे दोनों ही तय होते हैं। यह तीन प्रमुख कारण हैं, जिसकी वजह से युवा नौकरी के प्रति आकर्षित हो रहा है। लेकिन इसके परिणाम स्वरूप नौकरियों का अभाव हो जाएगा क्योंकि अगर कोई भी नया व्यापार करने या इंडस्ट्री लगाने के बारे में नहीं सोचेगा तो नौकरी मिलेगी कहां से?

स्वाति मानधना, बालोतरा

गहन चिंतन जरूरी

युवाओं की सोच में परिवर्तन के लिए भूमिका या पृष्ठभूमि की तैयारी करने की जिम्मेदारी समाज की नई सोच ने उठाई है। माता-पिता भी यही बीज उनके अंतर्मन में रोपित करते हैं कि यदि उनका बच्चन पढ़-लिखकर नौकरी के लिए नहीं हुआ तो वे नाकाबिल हैं और बहुत अच्छा व्यवसाय होने के बाद भी वे बच्चों को कुछ साल जॉब करने के लिये प्रेरित करते हैं। समाज में यह प्रतिष्ठा का विषय बन चुका है कि इतने लाख के पैकेज का जॉब बच्चे कर रहे हैं। अगर पढ़-लिखकर वे सीधे व्यवसाय संभालें तो उनकी प्रतिभा कम आंकी जाती है। यही कारण है वे सीधे विदेश का ऑफर स्वीकार कर लेते हैं और वहीं के होकर रह जाते हैं। मन में बचपन से प्रतिस्पर्धा उनके मन में नौकरी के लिए ही होती है। हम स्वयं नौकर ही बनाना चाहते हैं जबकि हमारा मूल गुण है कि अनेक लोगों को हम रोजगार दे पाने में सक्षम हों। अतः शिक्षा के बाद भी उनको अपने व्यवसाय को शीर्ष तक ले जाने की शिक्षा दी जानी आवश्यक है। हम मूल रूप से वैश्य हैं। गुण धर्म से व्यवसाय के लिए समर्पित। अतः पुनः इस पर गंभीरता से विचार, चिंतन, मनन होना चाहिए, जिससे हम व्यावसायिक हुनर को परिमार्जित कर पुनः नये उद्योग धंधे स्थापित कर लोगों के लिए रोजगार के मार्ग खोल सकें व शिक्षा के उपयोग से नई ऊंचाइयां छू सकें।

पूजा नबीरा, काटोल नागपुर

व्यवसाय प्रदाता बनें

निसंदेह विगत कुछ वर्षों में युवाओं का रुझान पारम्परिक व्यवसाय के स्थान पर नौकरी की तरफ बढ़ रहा है, हालांकि कैरियर के रूप में दोनों में से चुनाव व्यक्तिगत रुचि और स्वभाव पर भी निर्भर करता है। समाज के युवाओं में नौकरी की तरफ आकर्षण विदेशों में उच्च शिक्षा, लुभावने वेतनमान, विदेशों की आलीशान जीवन शैली और वातावरण के चलते बढ़ रहा है। वर्तमान समय में व्यवसायों में अनिश्चितता, गलाकाट प्रतिस्पर्धा के कारण नौकरी युवाओं की प्राथमिकता बनती जा रही है। एक और जहां व्यवसाय में 24/7 आपको चौकन्ना रहना है, वही दूसरी और नौकरी में 9-5 समय सीमा में एक निश्चित धनराशि और अंत में सेवानिवृत्ति के बाद भी एक सम्मानजनक पेंशन मिलेगी। युवाओं को समझना होगा कि किसी अन्य कंपनी के लिए किया गया परिश्रम आपको थोड़ा बहुत इंक्रीमेंट दिला सकता है किंतु व्यवसाय के प्रति समर्पण और परिश्रम आपके अपने लिए है जो आपकी भावी पीढ़ियों के लिए भी लाभदायक सिद्ध हो सकता है। माहेश्वरी समाज हमेशा से नौकरीपेशा नहीं बल्कि जॉब प्रदाता रहा है। अतः उच्च शिक्षित युवा अपने तकनीकी ज्ञान से व्यवसायों में सफलता के नए आयाम स्थापित करें।

मनीषा राठी, उज्जैन (मप्र)

नौकरी की तरफ रुझान अनुचित

आज देश में चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है। सभी नौकरी की तलाश में इधर-उधर भाग रहे हैं। अच्छे शिक्षण संस्थानों में लाखों रुपये खर्च करके उच्च शिक्षा प्राप्त करके भी हमारे समाज के युवा बेरोजगार हैं, आखिर इसका कारण क्या है? क्यों हमारे समाज के बच्चे नौकरी की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं, जबकि उद्योग-व्यवसाय करना हमारी संस्कृति है। समाज को जब चार वर्गों में बांटा गया था तो हम व्यवसायी कहलाए थे और यही हमारी पहचान है। आज हम हमारे इस व्यावसायिक ध्वज को ऊंचा उठाने में असक्षम हो रहे हैं क्योंकि हम अपने बच्चों को स्कूली शिक्षा देने के समय यही सिखाते हैं कि तुमको पढ़ लिखकर अच्छी नौकरी करनी है, धन कमाना है। जबकि हमें यह बताना चाहिए कि तुमको पढ़ लिखकर समाज में किसी ऐसे नये व्यापार का सृजन करना है, जिसका लाभ समाज के हर वर्ग को मिल सके। उच्च पद पर आसीन नौकरी करने वाले युवा अपना नाम कमा लेते हैं तथा धनोपार्जन भी कर लेते हैं लेकिन अपने समाज, अपने परिवार, यहां तक कि अपने पैतृक उद्योग से भी दूरी बना लेते हैं। आज हमारी अर्थनीति को सुचारु रूप से चलाने के लिए किसी राजनेता, अभिनेता, बैंक मैनेजर या गवर्नर की जरूरत नहीं है बल्कि हमें चाहिए एक होनहार व्यापारी, जो हमारे पारिवारिक व्यवसाय को संभाल सके।

श्यामसुंदर लड्ढा, कलकत्ता

यह परिवर्तन का नियम

ये सत्य है कि माहेश्वरी समाज के लोगों ने व्यापार उद्योग धंधों के लिए विश्व में अपनी पहचान बनाई। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद, माहेश्वरी समाज के तत्कालीन युवाओं ने क्रांतिकारी कदम उठाते हुए, राजस्थान छोड़कर मुंबई, कोलकता, मद्रास आदि कई स्थानों की ओर कूच किया था। ये उस समय एक बड़ा बदलाव था। इस परिवर्तन से माहेश्वरी ने पूरे भारत के व्यापार में, अपनी पकड़ बनाकर, अपनी उन्नति को बरकरार रखा। आज समीकरण में काफी बदलाव आया है। परंपरागत व्यापार सुकड़ते जा रहे हैं। शिक्षा में हमारे युवा काफी आगे बढ़ गए हैं। दूसरी ओर व्यापार में कम पढ़े अमर्यादित लोगों के आने से, पेढ़ियों की प्रतिष्ठा लुप्त होती जा रही है। ऐसे में युवाओं का झुकाव नौकरी की तरफ होना सर्वथा उचित ही है। आज की नौकरी में एक प्रोफेशनलिज्म है।

श्रीकांत बागड़ी, उज्जैन

गत 10 वर्षों से श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा सतत रूप से प्रतिवर्ष प्रकाशित हो रही विश्व स्तरीय वैवाहिक डायरेक्ट्री ''श्री माहेश्वरी मेलापक'' का वर्ष 2020 संस्करण प्रकाशन की ओर है। यह शीघ्र ही इसकी सदस्यता लेने वाले परिवारों के द्वार पर पहुंचेगी। पृथक् से प्रति मंगवाने वाले भी संपर्क कर सकते हैं।

उत्कृष्ट रिश्तों की सौगात लेकर आऐंगी

श्री माहेश्वरी मेलापक-2020

गत 10 वर्षों से दाम्पत्य के सूत्र जोड़ने का कीर्तिमान स्थापित करने वाली श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा प्रकाशित वैवाहिक डायरेक्ट्री ''श्री माहेश्वरी मेलापक'' का वर्ष 2020 अंक भी प्रकाशन की ओर है और अतिशीघ्र पाठकों के द्वार पर पहुँच जाऐगा। इसके प्रकाशन की शुरूआत प्रबुद्ध पाठकों के परामर्शानुसार व्यावसायिक व्यस्तताओं के कारण उत्कृष्ट रिश्तों को तलाशने में आ रही परेशानियों को देखते हुए की गई थी। ''श्री माहेश्वरी मेलापक'' ने अपने इस उद्देश्य को पूरा करने में अपना सफलतापूर्वक योगदान दिया और वह भी एक मित्र ही तरह, घर बैठे। इन 10 वर्षों में यह प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रिश्तों को जोड़ने मे अपनी अहम भूमिका निभा चुकी है। इसी शृंखला में ''श्री माहेश्वरी मेलापक'' का वर्ष 2020 अंक भी आ रहा है, लेकर रिश्तों की सौगात-आपके द्वार।''

मनचाहे रिश्तों तक पहुँच

जीवन की बगीया तब खुशियों से सराबोर हो जाती है, जब जीवन साथी मनचाहा हो। इसी को ध्यान रखते हुए किया जाता है, श्री माहेश्वरी मेलापक को तैयार। इसमें सभी बायोडॉटा को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है- ''मांगलिक, सामान्य व प्राफेशनल''। प्रोफेशनल वर्ग में डॉक्टर, इंजीनियर, एम.बी.ए. सी.ए., एडवोकेट, आर्किटेक्ट आदि के बॉयोडाटा को शामिल किया जाता है। विशिष्ट वर्ग में तलाकशुदा, विधवा-विदुर, निःशक्त व 35 वर्ष से अधिक आयु वाले प्रत्याशियों को शामिल किया गया है। तलाश की सुविधा के लिये इन सभी वर्गों के बॉयोडाटा के पृष्ठों के रंग भी भिन्न रखे गये है, जिससे आप जिस वर्ग में तलाश करना चाहते हैं, सीधे उसी वर्ग के पृष्ठों पर जा सकते हैं। बॉयोडाटा में सम्बंधित की अन्य जानकारी के साथ जन्म दिनाँक व जन्म समय भी प्रकाशित किया जाता है, जिससे आप कुण्डली मिलान भी कर सकते हैं।

उत्कृष्ट बॉयोडाटा का संग्रह

'श्री माहेश्वरी मेलापक' को तैयार करने में एक वृहद टीम कार्य करती है। इसके लिये इस टीम द्वारा अथक परिश्रम से सम्बंधित की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर बॉयोडाटा का प्रकाशन किया जाता है। यही कारण है कि श्री माहेश्वरी मेलापक विश्वास का दूसरा नाम बनी हुई है। इसकी 10 वर्षों की सफलता की यात्रा के पीछे भी यही विश्वसनीयता है। फिर भी पाठकों से अनुरोध है कि वे कोई भी रिश्ता तय करते समय अपने स्तर पर पूर्ण जानकारी प्राप्त करके ही रिश्ता तय करें। नई पीढ़ी के अनुरूप इसे आकर्षक बहुरंगी कलेवर में प्रकाशित किया जाता है, जिसके लिये उत्कृष्ट डिजाईनरों की सेवा ली जाती है।

आपकी बेटी-हमारी बेटी योजना

गत अंकों की तरह इसमें भी समाज की विवाह योग्य बेटियों के बायोडाटा का योजना ''आपकी बेटी-हमारी बेटी'' के अन्तर्गत निःशुल्क पंजीयन किया जा रहा है। इसके पीछे ''श्री माहेश्वरी मेलापक'' का उद्देश्य समाज की बेटियों को स्नेहपूर्ण स्थान देना है। इसमें समाज की बेटियों के बॉयोडाटा के प्रकाशन के लिये उन्हें किसी प्रकार का पंजीयन शुल्क नहीं देना है। बस निर्धारित प्रारूप में अपने फोटो व पूर्ण जानकारी के साथ बायोडाटा ही प्रेषित करना होता है।

कैसे मंगवाऐं डायरेक्ट्री

युवकों के लिये यह पंजीयन शुल्क सहित 750 रुपये मात्र में देय है। इसके लिये उन्हें कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं चुकाना है। युवतियों के लिये डायरेक्ट्री निर्धारित शुल्क में उपलब्ध रहेगी। एडवांस बुकिंग पर डायरेक्ट्री आपके द्वारा दिये गये पतों पर प्रेषित कर दी जाऐगी। पृथक से इसकी प्रति 750 रुपए में मंगवाई जा सकती है। बैंक विवरण इस प्रकार है।

'श्री माहेश्वरी मेलापक'

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता क्रं.-31725815057

IFSC Code-SBIN0030062

में जमा कर जमापर्ची की छायाप्रति कार्यालय को प्रेषित करनी होगी।

सम्पर्क- श्री माहेश्वरी मेलापक

90,विद्यानगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे) उज्जैन (म.प्र.)

मो.-96305-62161, 74770-72161, 094250-91161

E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

पुराने समय में लहसुन-प्याज से निर्मित भोजन को वैष्णव परिवारों में निषिद्ध माना जाता था। लेकिन आज की आधुनिक सोच वाले लोगों ने इसे दकिया-नुसिता मानकर नकार दिया है। ऐसे में विचारणीय हो गया है कि क्यों निषिद्ध रहा है, लहसुन प्याज से निर्मित भोजन?

क्यों निषिद्ध है लहसुन-प्याज से निर्मित भोजन

वैद्यराज रमेशकुमार माहेश्वरी, भोपाल

कहते हैं जैसा अन्न वैसा मन अर्थात हम जो कुछ भी खाते हैं, हमारा मन वैसा ही बन जाता है। सात्विक भोजन का हमारे मन और शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है लेकिन वर्तमान में लोगों की जीवनशैली यानी रहन-सहन और खानपान पूरी तरह बदल गया है। आज स्वयं को शाकाहारी कहने वाले लोग तामसिक भोजन (यानी लहसुन-प्याज,तीखा, मिर्च-मसाला) करने से परहेज नहीं करते जबकि हमारी सनातन संस्कृति में भोजन सामग्री को प्रसाद के रूप में तैयार कर इसका भोग पहले अपने इष्ट देवताओं को लगाने की परंपरा रही है। इसमें जैसा कि भोजन प्रसादी यानी भोग का नाम आता है, तो निश्चित ही उसमें तामसिक भोजन शामिल नहीं होता, लेकिन शनैःशनैः हम हमारी इस परम्परा से दूर होते जा रहे हैं।

सामाजिक आयोजनों में हो प्रतिबंधित

सात्विक आहार मानसिक पवित्रता बढ़ाता है इसीलिए वैष्णव संप्रदाय के लोग आज भी लहसुन-प्याज से परहेज करते हैं। लेकिन वर्तमान में माहेश्वरी समाज में होने वाले अनेक आयोजनों में तामसिक भोजन की व्यवस्था रहती है, जिससे अधिकांश लोग प्रसादी ग्रहण नहीं कर पाते। अतः सामाजिक कार्यक्रमों में बिना लहसुन प्याज के भोजन प्रसादी की व्यवस्था होनी चाहिए। समाज के अधिकांश वैष्णवजन ईष्ट आराधना करते हैं तथा भोग लगाने के बाद ही भोजन ग्रहण करते हैं और निश्चित ही भोग में बना भोजन सात्विक व शुद्ध होगा यानी बिना लहसुन प्याज का। हम सब जानते हैं कि शास्त्रों में भी यह तामसिक पदार्थ की श्रेणी में ही आते हैं, इसलिए ही तो देवताओं को भी इसका भोग नहीं लगता। यह भक्तिमार्ग में भी निषिद्ध माना गया है।

आध्यात्मिक दृष्टि से तामसी

प्याज और लहसुन शरीर को लाभ पहुंचाने के हिसाब से चाहे कितना ही लाभकारी और गुणकारी क्यों न हों, लेकिन मानसिक और आध्यात्मिक नजरिये से तामसिक भोजन का पदार्थ है इसीलिए वैष्णवजन प्याज, लहसुन का उपयोग नहीं करते। इनसे चित्त की शांति और प्रसन्नता भंग होती है। यदि पवित्र बनना है, तो इनका त्याग ही करना उचित है। अन्न चरित्र निर्माण करता है? अतः हम क्या खा रहे हैं, इस बात का सदैव ध्यान रखना चाहिये। इसीलिए समाज के आयोजनों के भोज में शुद्ध भोजन पर भी पूरा - पूरा ध्यान देना पड़ेगा। अतः सामाजिक आयोजनों में बिना लहसुन-प्याज की भोजन प्रसादी हो या फिर दोनों प्रकार के भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उचित तो यही होगा कि लहसुन-प्याज के बिना ही भोजन निर्मित हो। यह बातें आज के बदलाव के दौर में भले ही दकियानूसी लगें, लेकिन वैष्णवजन आज भी इन्हें मानते हैं।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के स्वामित्व के बारे में जानकारी देखें

नियम-4

प्रकाशक का नाम	श्री माहेश्वरी टाईम्स (मासिक)
भाषा	हिन्दी
प्रकाशन की अवधि	2 तारीख (हर माह की अंग्रेजी)
प्रकाशक का नाम	सरिता बाहेती
मुद्रक का नाम	सरिता बाहेती
संपादक का नाम	पुष्कर बाहेती
क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
मुद्रक	ऋषि ऑफसेट, गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)
प्रकाशन का स्थान	ऋषि ऑफसेट, गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)
उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हो।	सरिता बाहेती

मैं सरिता बाहेती एतद् द्वारा घोषित करती हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं। उज्जैन

गत वर्ष का अंतिम दौर देखें तो इसमें सीएए, एनपीआर, एनआरसी ऐसे ज्वलंत मुद्दे रहे हैं, जिन्होंने वास्तव में देश के कई क्षेत्रों में आग लगवाने में कोई कसर नहीं रख छोड़ी। देखें तो इन आंदोलनकारियों में से अधिकांश को इनका अर्थ व उपयोगिता ही मालूम नहीं है। आईये जानें क्या हैं, ये और इनकी आवश्यकता वास्तव में है, कि नहीं?

सीए केशल चांडक, दिल्ली

देशभर का ज्वलंत मुद्दा

सीएए, एनपीआर और एनआरसी

शाब्दिक अर्थ देखा जाए तो सीएए से अभिप्राय "नागरिकता संशोधन विधेयक, एनआरपी से अभिप्राय राष्ट्रीय जनगणना रजिस्टर", एनआरसी से अभिप्राय "राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर" है। सन् 2019 के आखिरी महीने के आखिरी पखवाड़े में इन तीनों विषयों पर देश में भरपूर बहस हुई व कोहराम मचा है। इसके पक्ष-विपक्ष में ढेरों आवाजें उठी हैं। विरोधियों ने तो बड़े पैमाने पर आगजनी आदि करके सरकारी व गैर सरकारी संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया है। कई लोगों को अपनी जान भी देनी पड़ी है। इसकी एक वजह आम जनता तक सही जानकारी नहीं पहुंचना है। कुछ ने निहित स्वार्थों के वशीभूत भी आग में घी का काम किया है। प्रायः सभी विपक्षी दल इन तीनों के विरोध में लामबंद हो गए हैं। उन्हें लगने लगा है कि हम जितना विरोध करेंगे, उतने ही अधिक सत्ता पर काबिज होने में सफल होंगे। वास्तव में देखें तो सीएए बहुत पुराना है, जिसमें समय-समय पर परिस्थितियों के अनुसार संशोधन होता रहा है। जैसे श्रीलंका में तमिलों की दिक्कतों को दूर करने के लिए इसमें संशोधन किया गया। इस बार का संशोधन कुछ विशेष कारणों से हुआ है।

सीएए की जरूरत हमें क्यों पड़ी

वर्तमान सन् 1947 में जब देश का बंटवारा हुआ तो हिन्दुस्तान में मुसलमान तथा पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए। अतः यह आवश्यक था कि दोनों देशों में अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन न हो। इसके लिए 1950 में भारत के नेहरू तथा पाकिस्तान के लियाकत के मध्य समझौता हुआ कि दोनों देश अपने-अपने देश में अल्पसंख्यकों के हितों का हनन नहीं होने देंगे। इसे नेहरू-लियाकत समझौते के नाम से जाना जाता है। भारत ने तो इस समझौते का पूर्णतः पालन किया, किंतु पाकिस्तान ने इसका पालन करने में पूर्णतया कोताही बरती। फलस्वरूप पाकिस्तान सहित मुस्लिम देशों में हिन्दुओं की संख्या निरंतर घटती रही। हमारे देश में मुसलमानों की संख्या 1951 में 9.8 प्रतिशत थी, जो बढ़कर 14.23 प्रतिशत हो गई है। हिंदू जनसंख्या 1947 में पाकिस्तान में 23 व बांग्लादेश में 22 प्रतिशत थी जो अब क्रमशः 3.7 प्रतिशत व 7.8 प्रतिशत ही रह गई है। दानिश कनेरिया (पूर्व क्रिकेटर पाकिस्तान) को किस तरह प्रताड़ित किया जाता रहा है, उसे पूरा देश जानता है।

क्या है वर्तमान सीएए

पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान तीनों ही इस्लामिक देश हैं। आए दिन इन देशों में हिंदू व अन्य अल्पसंख्यक के साथ हुए जुल्मों के किस्से सुनने में आते रहे हैं। अतः कई ऐसे लोग दुःखी होकर भारत की शरण में आ गए हैं। इस नागरिकता संशोधन विधेयक द्वारा यह कहा गया है कि जो लोग भारत में 31.12.1974 या उससे पहले आ चुके हैं और भारत में 5 वर्ष रह चुके हैं, उन्हें गैर कानूनी आव्रजक नहीं समझा जावेगा। उन्हें भारत की नागरिकता पाने का अधिकार मिलेगा। अतः इस विधेयक द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी व ईसाई समुदायों के व्यक्ति प्रताड़ित किए जाते रहे हैं।

क्यों हो रहा है विरोध

भारत के मुसलमान इसके विरोध में खड़े हो गए हैं। विपक्षी दल उन्हें समझाने में लगे हैं कि मुसलमानों की नागरिकता खतरे में है। भारत सेक्यूलर स्टेट की जगह हिन्दु राष्ट्र होने जा रहा है। यह भी बताया गया कि यह विधेयक हमारे संविधान की मूल भावना के विपरीत है और हमारे समानता के अधिकार पर चोट है। लेकिन यह समझना चाहिए कि समानता का नियम कोई जड़ अवधारणा नहीं है। इसमें भी समय-समय पर देश, काल व परिस्थितियों की आवश्यकता के अनुसार संशोधन होता रहा है। किसी वर्ग विशेष की जरूरत पड़ने पर इस समानता के नियम को दरकिनार कर उचित आरक्षण प्रदान किया गया है। समता के सिद्धांत को पुष्ट करने के लिए संविधान का अनुच्छेद 14 तार्किक वर्गीकरण की अनुमति देता है। इसकी दो प्रमुख शर्तें हैं, एक तो वर्गीकरण का आधार स्पष्ट होना चाहिए और उसके द्वारा हासिल किए जाने वाले उद्देश्य के बीच संबंध होना चाहिए। इन जातियों का वर्गीकरण करते हुए इस विधेयक में इन शर्तों का पूर्णतः पालन किया गया है। अतः यह संशोधन किसी भी दृष्टि से संविधान का उल्लंघन नहीं करता है।

क्या है एनपीआर

राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर को बनाना कोई नई प्रक्रिया नहीं है। हर दस वर्ष के अंतराल में जनगणना की जाती है। पिछली बार इस रजिस्टर को बनाने की प्रक्रिया 2010 में हुई थी, जिसे 2015 में अपडेट किया गया था। इस जनगणना के लिए सरकार ने 78754.23 करोड़ रुपए जबकि एनआरसी के लिए 3941.35 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। यह रजिस्टर का एनआरसी बनाना इसी जनगणना की प्रक्रिया का हिस्सा है। इस रजिस्टर से कोई लेना-देना नहीं है। यह सरकार स्पष्ट कर चुकी है। फिर भी लोगों के मन में यह संदेह है कि एनआरसी की पहली प्रक्रिया यह रजिस्टर है। इसका कोई आधार नहीं है। राष्ट्रीय जनगणना रजिस्टर बनाने का प्रयोजन किसी निर्धारित समय में निर्धारित स्थान पर भारत में रहने वाले निवासियों का रिकॉर्ड तैयार करना होता है। इस रिकॉर्ड से विधि निर्माता देश के निवासियों के लिए उनकी आवश्यकता अनुसार योजनाएं बनाते हैं कि किस स्टेट में कितने स्कूल, कॉलेज व अस्पतालों आदि की आवश्यकता होगी।

क्या है एनआरसी

राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर की तरह का रजिस्टर प्रायः प्रत्येक देश में बनता है। इस रजिस्टर में उस देश के नागरिकों के नाम लिखे जाते हैं। असम में बड़ी संख्या में घुसपैठियें घुस गए थे, तो वहां के मूल निवासियों को अपनी संस्कृति व आजीविका बचाने का संकट नजर आने लगा। भीषण संघर्ष वहां के मूल निवासियों व घुसपैठियों में होने लगा। अतः सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि वहां रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स रजिस्टर बनाया गया। इस रजिस्टर के अनुसार लगभग 19 लाख लोग भारतीय नागरिकता के पात्र नहीं पाए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी का मानना है कि वह ऐसा रजिस्टर पूरे देश के लिए बनाने की इच्छा रखती है तथा तमाम घुसपैठियों को देश से बाहर निकालना चाहती है। किंतु इस दिशा में न तो कैबिनेट में ही कोई डिस्कशन हुआ है, न ही कोई खाका-रूपरेखा तैयार की गई है। किंतु देश में एक प्रकार का भय पैदा हो गया है कि जिनके पास कोई दस्तावेज नहीं है, उन्हें देश से बाहर कर दिया जाएगा। यह धारणा आधारहीन है। सरकार ने यह आश्वासन दिया है कि राष्ट्रीय स्तर पर एनआरसी की घोषणा होती है, तो उसके लिए सरकार ऐसे नियम और निर्देश तय करेंगी जिससे किसी को कोई परेशानी न हो। अतः जो चीज अभी आयी भी नहीं है, उसके लिए हाय-तौबा मचाना कहां तक उचित है? असम के परिपेक्ष्य में यह भी कहा गया है कि वहां धारा 371 एफ से कोई छेड़छाड़ नहीं करेंगे। असम के लोगों की पहचान कायम रहेगी।

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया
जोधपुर

प्रेम रा ढाई आखर

खम्मा घणी सा हुक्म हर वर्ष रे अनुसार इण वर्ष भी वार्षिक उत्सव **वेलेंटाइन डे** री आप सबने शुभकामना ...हुक्म धन्य महान संत वेलेंटाइन... जो देश रे युवाओं, बुजुर्गों ने यो शुभ-दिन प्रदान कियो... वरना शायद सबही बिना प्रेम रे इजहार किये बैगर इण दुनियां सूं कूच कर जावता।

वेलेंटाइन री तैयारी सिर्फ आपा ही नहीं आपाणा पड़ोसी, मोहल्ले वाला, होटल, रेस्टोरेंट, रिसोर्ट, प्रशासन, पुलिस एवं देश रे धर्मरक्षक भी बड़ा जोर- शोर सूं करें। प्रेमी -प्रेमिका, इण दिन रो साल भर इंतज़ार करें... और जिका इज़हार कर चुकिया है वे आपरे प्रेम री कड़ी ने नये तरीके सूं जीवन मे खुशियां बिखेरें।

होटल, रेस्टोरेंट, रिसोर्ट भी खूब सजे। मनमोहक संगीत डीजे पार्टी री शानदार व्यवस्था, हर चौराहों पर पुलिस री कड़ी नजर और तो और हुक्म सख्त हिदायत भी देवे कि कोई शराब रो सेवन करने गाड़ी नहीं चलावेला, लड़कियों ने बेवजह परेशान नहीं करेला,उच्च वॉल्यूम में संगीत नहीं बजावेला... कोई भी इण नियमों रो उल्लंघन करता पकड़ा जावे बिनी तो खैर नहीं... पछे तो वेलेंटाइन होटल में नहीं हवालात में मनिजे।

इण दिन **धर्मरक्षक समितियां** भी आपरी तैयारी में कमी नहीं राखे, हर चौराहां, बाग-बगीचा, होटल रेस्टोरेंट पर आपरा रक्षक तैनात राखे... इण रक्षकों कने राखी, गलत हरकत करन वालों रे मुंह पर कालिख, जूता-चप्पलों री माळा तैयार रेहवे ..जने ही कोई गलत हरकत करता विद्यार्थी, विवाहित नजर आवे वाने तो घर वाळों ने बुलाने आपरा सामाजिक दायित्व री यूं मिसाल पेश कर अखबारों में आपरी समिति ने **हाइलाइट** करें कि देश सारो याने वजह सूं ही चल रियो है ।

हुक्म वेलेंटाइन री तैयारी भी राष्ट्रीय त्योहार सूं कम नही हुवे... मित्रो म्हे तो केहू आप सबने इण त्योहार रो फायदो उठा लेवणो चईजे और लोगा सूं नजर चुराने **प्रेम रा ढाई आखर** प्रेमी या प्रेमिका ने केह देवणा चईजे ।

आओ ...आपा सब मिळने इण वार्षिक उत्सव रो आनन्द उठावा और नमन करा संत वेलेंटाइन ने।

प्यार में पड़ ने नष्ट हूं जाणो उत्तम है बजाय इने कि कदेई प्यार ही नहीं करियो

स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया

मुलाहिज़ा फ़रमाइये

ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- वक़्त भी... ये कैसी ... पहेली दे गया
उलझने को ज़िंदगी और समझने को... उम्र दे गया..

- मुक्कमल कहां हुई, ज़िंदगी किसी की,
इंसान कुछ खोता ही रहा, कुछ पाने के लिए।

- खुश रहना सीखिए, बाकी सब चलता रहेगा
कोई अपना बिछड़ता रहेगा, कोई पराया मिलता रहेगा।

- वक़्त तो सिर्फ वक़्त, पे ही बदलता है,
बस इंसान ही है
जो किसी भी वक़्त बदल जाता है

- तू भी खामख्वाह बढ़ रही है, ए धूप,
इस शहर में पिघलने वाले,
दिल ही नहीं है

- उलझनों का बोझ, दिल से उतार दो...
बहुत छोटी है ज़िंदगी
हँस के गुजार दो...।।

कार्टून कौतुक

खुश रहें... खुश रखें...

भावुकता प्रतिक्रिया है तो संवेदनशीलता को दायित्व बोध मानें

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

किसी को भी सभी बातें जन्म से नहीं मिलती, उन्हें अर्जित करना पड़ती है। यह जितना सत्य संसार के मामले में है, उतना ही आध्यात्म के मामले में भी। नाम, दाम, धन, प्रतिष्ठा, आवश्यक नहीं कि पैदाइश से ही प्राप्त हो जाए। अपने-अपने ढंग से सभी को अर्जित करना पड़ती हैं। ऐसे ही आध्यात्मिक संसार में एक तत्व है संवेदनशीलता जिसे साधना द्वारा प्राप्त करना पड़ता है। पारिवारिक मामले में इसका बड़ा महत्व है।

हर मनुष्य के भीतर संवेदनशीलता एक संभावना के रूप में रहती है। गौतम बुद्ध कहा करते थे कि भक्तों को संवेदना और भावुकता का अंतर समझ में आना चाहिए। माना जाता है कि भावुकता का संचालन मस्तिष्क या बुद्धि से होता है और संवेदनशीलता हृदय से संचालित होती है। भावुक रहना साधारण व्यवहार है तो संवेदनशील होना एक असाधारण आचरण, जिसे अर्जित करना पड़ता है। भगवान कृष्ण के जीवन में भी अनेक ऐसे अवसर आए जब उन्होंने भावुकता और संवेदनशीलता को पृथक-पृथक स्थापित किया था।

कभी-कभी दूसरे का दुख देख हम दुखी हो जाते हैं, हो सकता है आँसू भी आ जाएँ। यह भावुकता है। लेकिन जब आप उस दुख को गहराई से महसूस कर उसके निदान में जुट जाते हैं, तब संवेदनशीलता का आरंभ होता है। भावुकता एक प्रतिक्रिया सी बन जाती है लेकिन संवेदनशीलता दायित्वबोध होता है, ग्यारह वर्ष की आयु में श्रीकृष्ण ने जब वृंदावन छोड़ा था और पहली बार मथुरा जा रहे थे, तो सारा वातावरण भावुक था। माता-पिता, गोप-ग्वाल सब विछोह में डूब हुए थे, पर श्रीकृष्ण सारे दृश्य को संवेदनशीलता से ले रहे थे।

कृष्ण का वृज छोड़ मथुरा जाने का अर्थ था- एक बड़ी जिम्मेदारी जिसमें व्यापक जनहित था जो मात्र वृजहित या वृजप्रेम से विशाल था। भावुकता और संवेदना की मिलीजुली प्रतिक्रिया है-जरा मुस्कुराइए...।

पीयुश

सामग्री: 2 कप केसर श्रीखण्ड, बाजार में आसानी से उपलब्ध, 2 टेबल-स्पून शक्कर, 3 कप ताज़ी छाछ, एक चुटकी इलायची पाउडर, एक चुटकी जायफल पाउडर ,सजाने के लिए, 2 टेबल-स्पून कटा हुआ पिस्ता, थोड़ा सा केसर।

विधि : श्रीखण्ड, छाछ, शक्कर, इलायची पाउडर और जायफल पाउडर को एक बाउल में मिलाकर अच्छि तरह से फेंट लें। 2 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। 4 अलग-अलग गिलास में पेय को 4 बराबर हिस्सों में डालकर, पीस्ता और केसर से सजाकर ठंडा-ठंडा परोसें।

फराली दोसा

सामग्री- 1/2 कप सामा, 1/2 कप राजगीरा आटा, 1/2 कप खट्टी छास/मठ्ठा, 1 टेबल-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, सेंधा नमक, स्वादअनुसार तेल, पकाने के लिए, परोसने के लिए मूँगफली वही चटनी/हरी चटनी

विधि: सामा को साफ और धोकर उपयुक्त पानी में 2 घंटे के लिये भिगो दें। पानी छानकर 2 टेबल-स्पून पानी के साथ मिक्सर में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। मिश्रण को एक बाउल में डालें, राजगीरा आटा, छास/मठ्ठा, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और सेंधा नमक डालकर अच्छि तरह से मिलाऐं। ढ़ककर रातभर खमीर आने के लिये रख दें। घोल को 8 बराबर हिस्सो में बाँटे और एक तरफ रख दें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, घोल के एक हिस्से को डालकर 125 मिमी (5") व्यास के गोल आकार में फैलाकर पतला दोसा बनाऐं। किनारों पर थोड़ा तेल और दोनों तरफ से सुनहरा होने तक पकाऐं। मोड़कर चंद्र या त्रिकोन आकार बनायें। बचे हुए घोल का प्रयोग कर 7 और दोसे बनाऐं। मूँगफली वही चटनी या हरी चटनी के साथ गरमा गरम परोसें।

▸▸ पुनम राठी, नागपुर
9970057423

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा। घर परिवार का वातावरण सुखद रहेगा। धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। प्रियजन से भेंट व्यापारिक यात्रा होगी। खुशी का समाचार प्राप्त होगा। स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे। वाहन खरीदेंगे। साझेदारी में सर्तकता बनाये रखें। व्यय की अधिकता के कारण तनाव एवं मानसिक परेशानियां बढ़ेगी। शत्रु परास्त होंगे। लाटरी सट्टा से लाभ नहीं मिलेगा। माता का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। जीवन साथी से निकटता बढ़ेगी। कारोबार बढ़ेगा, सफलता एवं लाभ भी होगा।

वृषभ

यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। कारोबारी एवं आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। संतान के किसी कार्य से प्रसन्नता मिलेगी। मान यश बढ़ेगा। आय में बढ़ोत्तरी किंतु मनोरंजन दिखावा आदि कार्यों पर व्यय करेंगे। वाणी के कारण बनते कार्य बिगाड़ लिया करेंगे। अविवाहितों के विवाह योग प्रबल होंगे। कैरियर में बदलाव होगा। प्रियजन से भेंट होगी। बुजुर्गों के स्वास्थ्य की परेशानी बनी रहेगी। पिता-पुत्र वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे।

मिथुन

इस माह आपको परीक्षा में सफलता मिलेगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार में लाभ होगा। शत्रु पक्ष कमजोर रहेगा। दाम्पत्य सुख बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिये समय अनुकूल है। मान यश लाभ बढ़ेगा। प्रतिष्ठित लोगों से मित्रता बढ़ेगी। विदेश यात्रा होगी। बेरोजगारों को रोजगार में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कार्यों पर व्यय होगा। परंतु आय के नये स्रोत बनते रहेंगे। पिता-पुत्र में अनबन बनी रहेगी। धन के लेन-देन में सतर्कता रखें।

कर्क

इस माह आपको परिश्रम और संघर्ष द्वारा सफलता प्रदान होगी। धन लाभ, मान, यश की प्राप्ति आर्थिक और व्यवसायिक दृष्टि से लाभदायक रहेगा। घर परिवार के सुख में कमी रहेगी। बड़ों की सलाह कारगार साबित होगी। धर्म, कर्म में रूचि बढ़ेगी। विद्यार्थी वर्ग के लिये समय अनुकूल है। हास-परिहास में समय व्यतीत होगा किंतु स्वास्थ्य से परेशानी, अज्ञात भय रहेगा। आय की तुलना में व्यय अधिक होगा। मेल जोल बढ़ाने से लाभ मिलेगा। जिद करना हानिकारक सिद्ध होगा।

सिंह

यह माह आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभदायक रहेगा। दिनचर्या सुखद रहेगी। प्रियजन से भेंट, व्यस्तता बढ़ेगी एवं स्वयं की कोशिश से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। धन लाभ होगा किंतु विरोधी सक्रिय रहेंगे। सकारात्मक सोच मददगार होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। घर परिवार से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। हर कार्य इच्छा के अनुरूप होंगे। जीवनसाथी सहायक रहेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी।

कन्या

यह माह आपको कार्यों में सफलता लाभ प्रदान करेगा। आर्थिक उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। । धर्म-कर्म में रूचि बढ़ेगी। मान यश मिलेगा। स्थान परिवर्तन होगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। अतिथि के आने से घर का वातावरण बदलेगा। खिलाड़ी वर्ग के अच्छे प्रदर्शन के योग रहेंगे। विपरित योगों की ओर अधिक झुकाव रहेगा। व्यय की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा। व्यापार में कुछ बदलाव होंगे। साझेदारी में परेशानी आयेगी।

तुला

यह माह आपके लिये आर्थिक और व्यवसायिक दृष्टि से लाभदायक रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-यश बढ़ेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। स्थान परिवर्तन होगा। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। सांसारिक जीवन का आनंद लेंगे। विद्यार्थी वर्ग को प्रतियोगी परिक्षाओं में सफलता मिलेगी। जीवन साथी से स्नेह-लगाव बढ़ेगा। मित्रों एवं परिवारजनों के साथ समय व्यतीत करेंगे। नौकरी में परेशानियां आ सकती है। व्यय की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक

इस माह आपको रूका धन प्राप्त होगा। परिश्रम से ही सफलता एवं लाभ मिलेगा। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता परिवार के कार्यों में व्यय होंगे। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा। संतान सुख प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा। शत्रु परास्त होंगे। परिवार और मित्रों के साथ समय व्यतीत करेंगे। सरकार की ओर से रूका धन मिलेगा। भूमि भवन संबंधी विवाद बढ़ेंगे। भाग्य साथ देगा। वाहन सावधानी पूर्वक चलायें।

धनु

इस माह धार्मिक और सामाजिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिये समय अनुकूल है। परिस्थितियों में बदलाव होगा। व्यवसाय में आशानुकूल लाभ, मन प्रसन्न रहेगा। मान-यश बढ़ेगा। सुख और आनंद की प्राप्ति, स्थान परिवर्तन, वाहन पर व्यय करेंगे। वाहन सावधानी पूर्वक चलायें। संतान के कार्यों से प्रसन्नता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। बिगड़े व रूके कार्य पूर्ण होंगे। सत्ता पक्ष से लाभ एवं मदद मिलेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। इंटरव्यू में सफलता मिलेगी।

मकर

इस माह घर परिवार का वातावरण सुखद रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। पिता से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। विशिष्टजनों से मुलाकात होगी। मनोबल बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिये समय अनुकूल एवं सफलता दायक रहेगा। आलस्य के कारण कार्य बिगाड़ लेंगे। वाहन से परेशानी उठाना पड़ेगी। व्यय अधिक होगा जिसके कारण तनाव बना रहेगा। यात्रा होगी जो कि लाभ दायक रहेगी। आवास की परेशानी बनी रहेगी। महिलायें मददगार रहेगी।

कुम्भ

इस माह आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्य में सफलता और लाभ प्राप्त होगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। रूके कार्य पूर्ण होंगे। भाग्य साथ देगा। सकारात्मक सोच लाभदायक रहेगी। धर्म-कर्म में रूचि बढ़ेगी। शत्रु परास्त होंगे। लाटरी सट्टा से दूरियां बनायें रखें। विद्यार्थी वर्ग उम्मीद से बेहतर करेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। अप्रत्याशित लाभ की प्राप्ति होगी। परिवार के साथ समय व्यतीत करेंगे। अर्थ व्यवस्था में सुधार होगा। बिगड़े कार्य बनेंगे। यात्रा होगी। लापरवाही से बचें।

मीन

यह माह आपके लिये अहम बढ़ायेगा। आय के नये स्रोत खुलेंगे। धार्मिक यात्रा होगी। सुख सुविधायें मित्रों, रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। घर परिवार में मांगलिक शुभ कार्य होंगे। प्रसन्नता का वातावरण बना रहेगा। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। विद्यार्थी वर्ग के लिये समय अनुकूल रहेगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता बनी रहेगी। प्रतिभा और सूझ-बूझ से किये कार्य से लाभ एवं सफलता प्राप्त होगी। जीवन साथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

नहीं रहे निष्काम कर्मयोगी
श्रीरामनिवास लखोटिया

प्रख्यात आयकर सलाहकार व समाजसेवी दिल्ली निवासी श्री रामनिवास लखोटिया नहीं रहे। गत 20 जनवरी 2020 को मध्य रात्रि में वे पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके देहावसान ने समाज से एक समर्पित वरिष्ठ समाजसेवी तथा अर्थशास्त्री छीन लिया है।

श्री लखोटिया का जन्म राजस्थान के छोटे से ग्राम सराधना, जिला अजमेर में स्व. श्री मोहनलाल लखोटिया के यहां 28 अप्रैल 1932 को हुआ था। अजमेर से बीकॉम, एमकॉम की परीक्षा गोल्ड मेडेलिस्ट के रूप में उत्तीर्ण कर दयानंद कॉलेज तथा गवर्नमेंट कॉलेज, अजमेर के वाणिज्य विभाग में प्रोफेसर रहे। फिर इनकम टैक्स ऑफिसर के पद पर सन 1958 से 1961 तक भारत सरकार को अपनी सेवाएं प्रदान की व सन 1962 में त्याग पत्र दे दिया। सन 1962 से 1964 तक बिड़ला समूह में कानूनी सलाहकार के पद पर कार्य किया। आपने सन 1964 में स्वयं के आयकर सलाहकार कार्यालय का कोलकाता में शुभारंभ किया। वर्ष 1985 से दिल्ली में निवासरत थे। जीवन के अंतिम क्षणों तक आयकर सलाहकार एवं सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट रहे।

समाजसेवा में तन-मन-धन से रहे समर्पित

श्री लखोटिया द्वारा स्थापित अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के पास अपने पिताश्री एवं माताश्री की स्मृति में मोहनलाल गंगादेवी लखोटिया धर्मशाला भवन का निर्माण करवाया जो आज तीन मंजिला हो गया है। आप सन् 1977 में अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के नागपुर अधिवेशन में महासभा के प्रधानमंत्री चुने गए थे। उन्होंने सामाजिक रूढ़ियों के उन्मूलन के लिए देश के लगभग सभी राज्यों के 500 से अधिक ग्रामों का भ्रमण किया था। आपकी धर्मपत्नी आशारानी लखोटिया ने भी अनेक महिला संगठनों की स्थापना कर उनमें चेतना जागृत की। सन 1989 में राजस्थानी अकादमी, नई दिल्ली की स्थापना की जिसके तत्वावधान में स्कूल व कॉलेजों के छात्राओं की लोकगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता, कवियित्री सम्मेलन तथा राजस्थानी भाषा को प्रोत्साहन देने के लिए राजस्थानी भाषा के सर्वश्रेष्ठ लेखक, कवि को प्रतिवर्ष 1 लाख रुपए का पुरस्कार भी आपके द्वारा प्रदान किए जाता रहा है। आपके सुपुत्र स्व. श्री सुभाष लखोटिया की स्मृति में माता-पिता की श्रेष्ठ सेवा करने वाले व्यक्ति को प्रतिवर्ष एक लाख रुपए का 'श्रवण कुमार पुरस्कार' सन 2014 से आपके द्वारा दिया जाता रहा है।

'कर' विषय के विशेषज्ञ

आपने लगभग सैकड़ों पुस्तकें हिंदी तथा अंग्रेजी में इनकम टैक्स एवं अन्य विषयों पर लिखी, जिनमें इनकम टैक्स कैसे बचाएं, इनकम टैक्स रेड एंड सर्वे, बेहतर जीवन की ओर, प्रेरक वाणी, काम की बातें, टिप्स ऑन इनकम टैक्स सेविंग, जीरो टू हीरो इन इनकम टैक्स आदि प्रमुख हैं। आपने 'बेहतर जीवन' पत्रिका तथा 'टैक्स सेवर' अंग्रेजी पत्रिका का बहुत दिनों तक संपादन कर प्रकाशित कराया। आपके लेख अंग्रेजी तथा हिंदी में राष्ट्र के अनेक समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं में सदैव प्रकाशित होते रहते थे। आप बिजनेस टीवी चैनल पर प्रत्येक रविवार को 'टैक्स डॉक्टर' के रूप में इनकम टैक्स से जुड़े सवालों के जवाब देते थे।

- कृष्णचंद टवानी, सदलगंज-किशनगढ़

श्री नरेंद्र चांडक

खंडवा। ख्यात उद्योगपति, पश्चिमी मध्य प्रादेशिक माहेश्वरी सभा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष श्री नरेंद्र चांडक का माहेश्वरी समाज के प्रदेश पदाधिकारियों की मीटिंग से लौटते समय छैगांव के पास गत 12 जनवरी 2020 को उनकी कार के खड़े ट्रक से टकराने के चलते हुई दुर्घटना में निधन हो गया। आपके निधन से शहर में शोक की लहर छा गई।

श्रीमती अन्नपूर्णादेवी जाजू

वर्धा. माहेश्वरी मंडल के समन्वयक तथा रोटरी क्लब गांधी सिटी, वर्धा के जनसंपर्क अधिकारी राजकुमार जाजू की माता श्रीमती अन्नपूर्णादेवी जाजू का 95 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे चार पुत्र कैनबासिंग एजेंट चंद्रप्रकाश, मेडिकल व्यवसायी रतनलाल, राजकुमार एवं प्रोफेसर सुरेश जाजू, पुत्रवधू, पौत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती अयोध्यादेवी जाखेटिया

नागपुर। समाज की वरिष्ठ श्रीमती अयोध्यादेवी धर्मपत्नी स्व. श्री कुंजबिहारीलाल जाखेटिया का 92 वर्ष की अवस्था में गत दिनों निधन हो गया। आप अपने पीछे सुरेश, रमेश, उमेश व राजेश जाखेटिया सहित पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री गिरधरलाल तापड़िया

लोहारदा. नगरसेठ श्री गिरधरलाल तापड़िया का आकस्मिक निधन हो गया। श्री तापड़िया माहेश्वरी समाज लोहारदा व जिला देवास माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रहते हुए 25 वर्षों तक नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे। इसके साथ ही सरपंच रहते हुए व नगर के विकास व सामाजिक उत्तरदायित्व को भी उन्होंने बखूबी निभाया। आपके देहावसान से क्षेत्र व समाज में शोक की लहर छा गई।

श्रीमती राधादेवी सारड़ा

अमृतसर. स्व. नंदकिशोर सारडा (पूर्व निवासी चोमू राजस्थान) की धर्मपत्नी श्रीमती राधादेवी सारडा का 74 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे 3 पुत्र प्रहलाद, पवन, विजय व बहू, पोते, पोती सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

पुण्य स्मरण

हमारे प्रेरणा-स्रोत

परम श्रद्धेय
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
(सप्तम पुण्यतिथि)

परम श्रद्धेय
स्व. श्री मदनलाल पलौड़
(पंचम पुण्यतिथि)

आपकी प्रेरणा सम्बल बनकर
हमेशा दिखाती रहे
'सत्य की राह'

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

बहुप्रतिक्षित डायरेक्ट्री शीघ्र आऐगी आपके घर...

श्री माहेश्वरी मेलापक

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

- बेटियों के बायोडाटा का निःशुल्क प्रकाशन
- विभिन्न वर्गों के लिये भिन्न-भिन्न पृष्ठ
- उत्कृष्ट बॉयोडाटा व आकर्षक कलेवर आज ही
- आज ही सुरक्षित करवाएँ अपनी प्रति

पृथक से प्रति बुक करवाने के लिए
शुल्क मात्र (डाक खर्च अतिरिक्त)

अब रिश्ते आयेंगे - आपके द्वार

'श्री माहेश्वरी मेलापक'
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता क्रं.-31725815057
IFSC Code-SBIN0030062
में जमा कर जमापर्ची की छायाप्रति कार्यालय को प्रेषित करें।

हाइटिक व प्रोफेशनल
युवक-युवतियों की
पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), इंदौर रोड, उज्जैन (मप्र)
मो.- 96305-62161, 74770-72161, 94250-91161
e-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

Reaching 7500 villages, 9 million people.
Over 100 million Polio vaccinations.
5,000 medical camps / 20 hospitals.

1 million patients treated. 100,000 persons tested on 32 health parameters through Health Cubed. Over 50 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant. More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India.

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students. Mid-day meals provided to 74,000 children. Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland. Fostering the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas.

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets. 45,000 women empowered through 4500 SHGs. 200,000 farmers on board our agro-based training projects.

MODEL VILLAGES

We have adopted 300 villages for transformation into model villages. Of these over 90 villages have already reached the model village stature. And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spear-headed by Mrs. Rajashree Birla.

Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 February, 2020

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/Srimaheshwaritimesmagazine
http://srimaheshwaritimes.blogspot.in